वर्ष 69 अंक 76 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 15 दिसंबर, 2025
पौष कृष्ण पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

हमारी सबसे बड़ी जरूरत ऐसे व्यक्ति की है, जो हमें वह बनने के लिए प्रेरित करे, जो हम जानते हैं कि हम बन सकते हैं।
–राल्फ वाल्डो एमर्सन

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमला

यहूदी त्यौहार के दौरान बॉन्डी बीच में फायरिंग, 12 की मौत

सिडनी, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर रविवार दोपहर हनुक्का त्यौहार मना रहे यहूदी समुदाय पर दो हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस आतंकी हमले में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 26 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों में महिलाएं, बुजुर्ग और एक बच्चा भी शामिल है। कई की हालत गंभीर है। चश्मदीदों के मुताबिक, काले कपड़े पहने दो युवक राइफलनुमा हथियारों के साथ सड़क पर आए और भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में बीच और आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे।

एक हमलावर मारा गया, दूसरा गंभीर

न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने दोनों हमलावरों को घेरकर जवाबी फायरिंग की। इसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना को औपचारिक रूप से आतंकी हमला घोषित कर दिया गया है।

आम नागरिक की बहादुरी, कई जानें बचीं

हमले के दौरान एक आम नागरिक की बहादुरी भी सामने आई है। एक वायरल वीडियो में दिख रहा है कि गोलियों की आवाज के बीच एक व्यक्ति गाड़ियों की आड़ लेते हुए हमलावर के करीब पहुंचा और झपट्टा मारकर राइफल छीन ली। इसके बाद हमलावर को काबू में कर लिया गया।

माइकल वॉन बाल-बाल बचे

इस हमले में इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान माइकल वॉन भी मौजूद थे। वे बॉन्डी बीच के पास एक रेस्तरां में थे, जहां उन्होंने गोलीबारी शुरू होते ही अंदर छिपकर जान बचाई। घटना के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बॉन्डी में एक रेस्टोरेंट के अंदर बंद रहना बेहद डरावना अनुभव था। अब मैं सुरक्षित घर पहुंच गया हूं। इमरजेंसी स्टाफ और पुलिस का धन्यवाद, जिन्होंने हालात संभाले। पीड़ितों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।'

यहूदी समुदाय के नेता भी घायल

हमले में इजराइल-ऑस्ट्रेलिया यहूदी परिषद के अध्यक्ष आर्सेन ऑस्टोवस्की भी घायल हुए हैं। उनके सिर में चोट आई है, हालांकि उन्होंने कहा है कि उनकी हालत स्थिर है। गौरतलब है कि वे 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में हमास के हमले में भी बाल-बाल बचे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा भी नहीं था कि ऑस्ट्रेलिया जैसे सुरक्षित देश में, बॉन्डी बीच जैसी शांत जगह पर ऐसा मंजर देखना पड़ेगा।'

दुनिया भर में हमले की निंदा

इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी निंदा हुई है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई और आतंकवाद के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के साथ एकजुटता व्यक्त की।
- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रों और यूरोपीय आयोग प्रमुख उर्सला वॉन देर लेयन समेत कई वैश्विक नेताओं ने इसे यहूदी-विरोधी आतंकी हमला करार दिया।

तीन दशक की सबसे बड़ी मास शूटिंग

ऑस्ट्रेलिया में इस स्तर की सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं बेहद दुर्लभ हैं। 1996 के पोर्ट आर्थर नरसंहार के बाद यहां सख्त गन कानून लागू किए गए थे। विशेषज्ञों के मुताबिक, बॉन्डी बीच की यह घटना करीब 29 साल में देश की सबसे बड़ी मास शूटिंग में से एक है।

अब रतलाम भी शामिल होगा इंदौर मेट्रोपॉलिटन में: सीएम

एमवाय अस्पताल का बनेगा नया भवन

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में अब रतलाम शहर भी शामिल होगा। ऐसे में यह रीजन छह शहरों तक अपना अस्तित्व बढ़ाएगा। यह घोषणा रविवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में की। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सरकार का मकसद इंदौर को मजबूत क्षेत्रीय आर्थिक केन्द्र के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री इंदौर में रविवार को जनप्रतिनिधियों के साथ शहर के विकास के रोडमैप को लेकर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन एरिया का क्षेत्रफल 10000 वर्ग किमी है। इसमें इंदौर, उज्जैन के अलावा देवास, शाजापुर और धार शामिल हैं। अब इसमें रतलाम (बदनावर) शहर को शामिल कर इस पूरे रीजन का क्षेत्रफल बढ़ाकर 14 हजार वर्ग किलोमीटर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इससे इन क्षेत्रों में परिवहन, उद्योग और रोजगार के नए अवसर तेजी से सृजित होंगे। सीएम ने मेट्रो रेल प्रोजेक्ट, क्षेत्रीय विकास और शहरी सुरक्षा पर चर्चा करते हुए कहा कि इंदौर में मेट्रो रेल का रूट अंडरग्राउंड ही रहेगा और एलिवेटेड ब्रिज की मौजूदा योजना में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह निर्णय तकनीकी मानकों और शहर की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो ट्रेन का रूट खजराना वाले हिस्से से अंडरग्राउंड किया जाएगा। इस पर आने वाला रुपए 800-900 करोड़ का अतिरिक्त खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। सीएम ने कहा कि शहर की खूबसूरती को खत्म नहीं होने देंगे। एलिवेटेड रोड भी बनेगा, एलिवेटेड रोड से जनता को जहां सुविधा होगी वहां उन्हें रास्ते भी देंगे। उन्होंने कहा कि पांच साल के अंदर विकास परक बजट डबल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी नए अवसर तलाशने और बेहतर तकनीक से जुड़ने की आवश्यकता है।

मेट्रो का खजराना रुट बनेगा अंडरग्राउंड

हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की तैयारियां

उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी से लेकर सेमी कंडक्टर तक, आईटी से लेकर हेल्थ तक, इंफ्रास्ट्रक्चर से वेलनेस और टूरिज्म तक, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की तैयारियां जारी है। मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने में शासन पीछे नहीं रहेगा। सीएम ने कहा कि इंदौर से लेकर रतलाम और रतलाम से लेकर शाजापुर तक सराउंडिंग क्षेत्र में यह मेट्रोपोलिटन का नक्शा इंदौर-भोपाल के साथ क्लीन सिटी के रूप में जुड़ाव करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य की दृष्टि से महानगर की श्रेणी में इंदौर का जो क्षेत्र बनेगा उसी आधार पर भविष्य की इमारतें खड़ी होंगी और निर्माण का अगला पड़ाव तय होगा। बैठक में एमआर-10 के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टार्टअप पार्क और कन्वेंशन सेंटर की स्थापना का निर्णय लिया गया। जिसमें केन्द्र सरकार सहयोग देगी। जिससे इंदौर मध्य भारत का सबसे बड़ा इनोवेशन सेंटर बनेगा। डॉ. यादव ने कहा कि कन्वेंशन सेंटर को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' की तर्ज पर विकसित किया जाए। कन्वेंशन सेंटर की लागत 550 से 600 करोड़ के लगभग है। इस मौके पर सीएम ने एमवाय अस्पताल की नई बिल्डिंग के लिए भूमिपूजन किया। जहां उन्होंने कहा कि पुरानी बिल्डिंग में आ रही असुविधाओं को देखते हुए, अब 773 करोड़ की लागत से एक आधुनिक और गौरवशाली नई बिल्डिंग बनाई जाएगी जिसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सीएम ने कहा कि नाइट लाइफ पॉलिसी के क्रियान्वयन के साथ महिलाओं की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी निगरानी को और मजबूत करने पर जोर दिया जाए।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

अभूतपूर्व अधोसंरचना विकास

सड़क नेटवर्क- बेहतर होती कनेक्टिविटी

- वर्ष 2025-26 में 4078 कि.मी. लंबी सड़कों के निर्माण और अगले 5 वर्ष में 1 लाख कि.मी. सड़कों के निर्माण का लक्ष्य
- उज्जैन-जावरा के मध्य 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाई-वे निर्माण के लिए ₹5 हजार करोड़ से अधिक की स्वीकृति
- ₹1692 करोड़ की लागत से बनने वाले उज्जैन-इन्दौर 6-लेन मार्ग का भूमिपूजन
- ₹3589 करोड़ की लागत से भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति
- 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना स्वीकृत
- वर्तमान में ₹ 48,178 करोड़ की 73 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 8565 गांव सड़कों से जुड़े
- मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत 20,650 छोटे गांवों में 30,900 कि.मी. पक्की सड़कें बनेंगी, जिसके लिए ₹21,630 करोड़ की स्वीकृति

वायुसेवा और क्षेत्रीय संपर्क

- रीवा, दतिया और सतना हवाई अड्डे का लोकार्पण
- विंध्यवासियों को सौगात, रीवा-दिल्ली और रीवा-इंदौर हवाई सेवा प्रारंभ
- उज्जैन हवाई अड्डे के विकास अनुबंध पर हस्ताक्षर
- ग्वालियर से बेंगलुरु,अहमदाबाद, दिल्ली और अयोध्या के लिए वायु सेवा प्रारंभ

रेल और मेट्रो सेवा का विस्तार

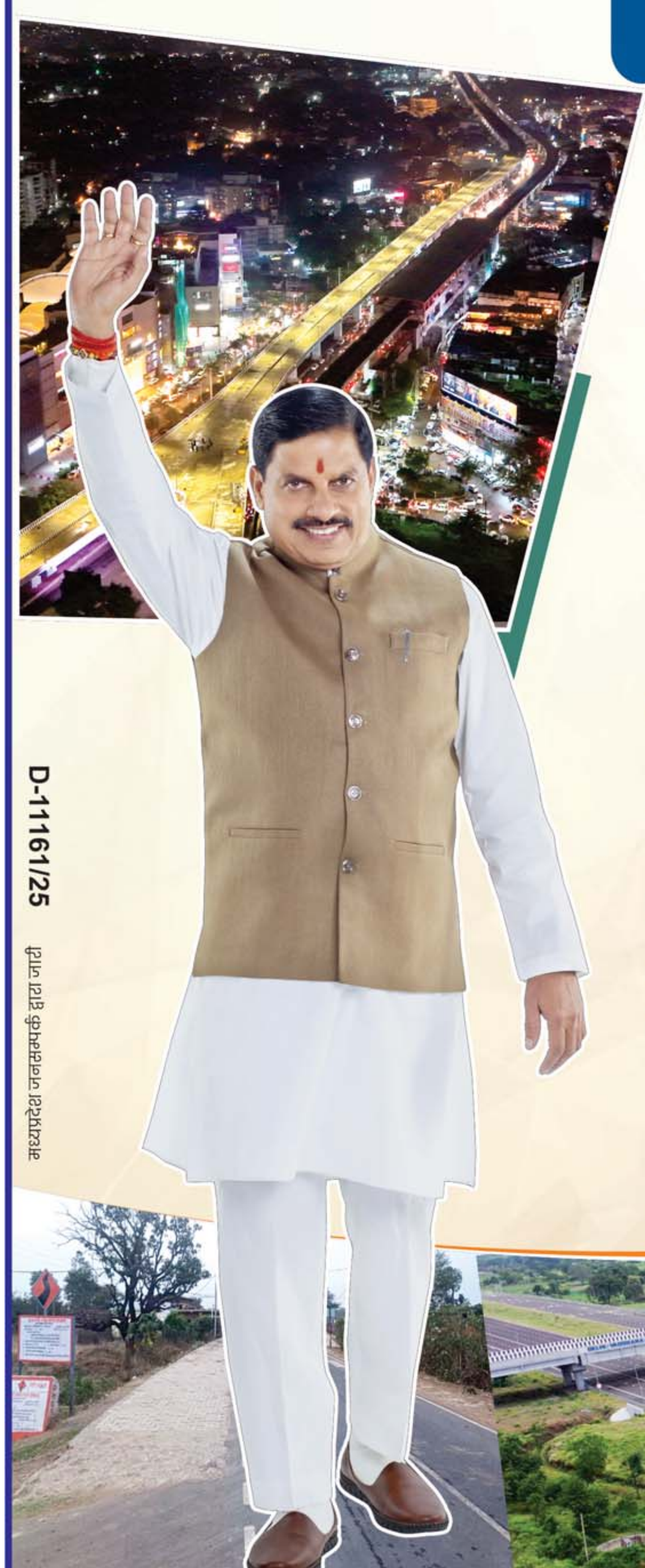

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के 6 अमृत स्टेशन- शाजापुर, नर्मदापुरम, कटनी साउथ, श्रीधाम, सिवनी और ओरछा का लोकार्पण
- इंदौर में मेट्रो सेवा शुरु, भोपाल में शीघ्र शुरु होगा संचालन
- इंदौर-उज्जैन के मध्य शुरु होगा मेट्रो ट्रेन संचालन
- प्रदेश में बनेगा रेल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर, भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) को सौंपा गया भूमि आबंटन पत्र। रायसेन के उमरिया में होगी स्थापना

सिंचाई परियोजनाएं और जल संसाधन

- प्रदेश में लगभग 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित। वर्ष 2025-26 तक 65 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2028-29 तक 1 करोड़ हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की पहली नदी-जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमिपूजन। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को लेकर त्रि-पक्षीय समझौता और तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना के लिए महाराष्ट्र के साथ एमओयू
- "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 वृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजनाएं निर्माणाधीन
- ₹2489 करोड़ से अधिक की लागत से तराना में नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण। इससे 100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी
- माइक्रो सिंचाई में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य

नवीकरणीय ऊर्जा और क्षमता वृद्धि

- मुरैना में पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना ₹ 2.70 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली प्राप्त
- प्रदेश में 2000 मेगावॉट सौर पार्क व 1000 मेगावॉट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति
- ओंकारेश्वर 278 मेगावॉट फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट से विद्युत उत्पादन प्रारंभ
- 880 मेगावॉट क्षमता की आगर और नीमच सौर परियोजना प्रारंभ
- बिजली उपभोक्ताओं की सुगमता के लिए समाधान योजना प्रारंभ
- उद्योगों सहित सभी गैर-कृषि उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिदिन औसतन 10 घंटे बिजली प्रदाय

विकास और सेवा के 2 वर्ष

मध्यप्रदेश अपने बेहतर कल की बुनियाद बना रहा है, जहां सड़क, रेल, हवाई सेवा और ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की हो रही है। विकसित भारत का संकल्प तीव्र विकास, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और पर्याप्त संसाधन से ही संभव होगा। मध्यप्रदेश प्रगति की नई तस्वीर बना रहा है।

- डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11161/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 » अंक 76 » पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 15 दिसंबर, 2025
» पौष कृष्ण पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
» महानगर » मूल्य 5 रुपए

टी-20 सीरीज

सात विकेट से जीता भारत, 2-1 से आगे

04 ओवर
13 रन
02 विकेट

अर्शदीप सिंह : प्लेयर ऑफ द मैच

धर्मशाला, जेएनएन। भारत ने टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया। रविवार शाम भारतीय टीम ने 118 रन का टारगेट 15.5 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। शिवम दुबे ने लगातार दो बाउंड्री लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलाई। वे 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। कप्तान सूर्य कुमार यादव ने 12, अभिषेक शर्मा ने 35 और शुभमन गिल ने 28 रन बनाए। धर्मशाला स्टेडियम में कप्तान सूर्य कुमार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकी टीम 117 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने सिर्फ 7 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। क्विंटन डी कॉक एक रन, रीजा हेंड्रिक्स जीरो और डेवाल्ड ब्रेविस 2 रन बनाकर आउट हुए। विस्तृत खबर पेज-10 पर

ऑफ बीट

समुद्र की गहराइयों में फैल रही एक महामारी

समुद्र की गहराइयों में एक खामोश तबाही चल रही है, जिसकी आहट अब वैज्ञानिकों तक पहुंच चुकी है। कभी बड़ी संख्या में पाए जाने वाले सी अर्चिन अब अचानक गायब होते जा रहे हैं। कैनरी द्वीप और मदीरा जैसे इलाकों में इनकी आबादी लगभग खत्म होने के कगार पर है। वैज्ञानिक इसे एक छुपी हुई महामारी बता रहे हैं, जो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह बदल सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, डायडिमा अफ्रीकैनम नाम की सी अर्चिन प्रजाति की आबादी 2022 से 2023 के बीच अचानक ढह गई। कई रीफ इलाकों में इनकी संख्या 99 प्रतिशत से भी ज्यादा घट गई। सी अर्चिन की रहस्यमयी मौत एक प्रजाति का नुकसान नहीं है, बल्कि पूरे समुद्री जीवन के संतुलन पर खतरा है। यह छुपी हुई महामारी आने वाले समय में समुद्र की दुनिया को पूरी तरह बदल सकती है।

संसद में इस सप्ताह पेश किया जाएगा 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक'

बड़ा बदलाव: उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बनाया जाएगा एक शीर्ष निकाय

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार के उद्देश्य से विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 को संसद के चालू शीतकालीन सत्र में पेश करने की तैयारी में है। यह विधेयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की जगह एक नए शीर्ष छत्र (अम्ब्रेला) निकाय के गठन का प्रस्ताव करता है। यह विधेयक पहले हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया (एचईसीआई) के नाम से जाना जाता था। इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। सरकार का कहना है कि यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की सिफारिशों के अनुरूप है और भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएगा।

पारदर्शिता पर विशेष जोर: विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अपनी वित्तीय स्थिति, ऑडिट रिपोर्ट, बुनियादी ढांचा, फैकल्टी, पाठ्यक्रम, शैक्षणिक परिणाम और मान्यता से जुड़ी जानकारी पूरी तरह सार्वजनिक करनी होगी। यह जानकारी नियामक परिषद की वेबसाइट और संबंधित संस्थानों की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

कैसा होगा विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान

प्रस्तावित कानून के तहत विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान नामक एक केंद्रीय संस्था गठित की जाएगी, जिसके अंतर्गत तीन अलग-अलग परिषदें काम करेंगी।

- **विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद:** यह पूरे देश में उच्च शिक्षा की साझा नियामक संस्था होगी।
- **विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद:** यह मान्यता (एक्रेडिटेशन) की स्वतंत्र व्यवस्था की निगरानी करेगी।
- **विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद:** यह शैक्षणिक मानकों का निर्धारण और समन्वय करेगी।

एक अध्यक्ष और 12 सदस्य: अधिष्ठान में एक अध्यक्ष और अधिकतम 12 सदस्य होंगे। इनमें से दो सदस्य राज्यों के उच्च शिक्षण संस्थानों से वरिष्ठ प्रोफेसर स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद होंगे और पांच सदस्य विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ होंगे।

विदेशी विश्वविद्यालयों और भारतीय कैंपस का रास्ता

नए कानून में चुनिंदा विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में संचालन की अनुमति के लिए मानक तय किए जाएंगे। इसके साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों को सरकार की अनुमति से विदेशों में अपने कैंपस खोलने की सुविधा भी दी जाएगी। विधेयक में आर्किटेक्ट्स एक्ट के तहत गठित काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए) को प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सेटिंग बॉडी के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव है। सीओए पाठ्यक्रम निर्माण, अकादमिक मानकों और शोध-शिक्षण के समन्वय में भूमिका निभाएगी।

पुराने कानून होंगे निरस्त

यह विधेयक लागू होने पर यूजीसी एक्ट, 1956, एआईसीटीई एक्ट, 1987 और एनसीटीई एक्ट, 1993 को निरस्त कर दिया जाएगा। नए अधिष्ठान और परिषदों में शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सरकार का दावा, आलोचकों की चिंता

सरकार का कहना है कि यह विधेयक उच्च शिक्षा को आत्मनिर्भर, नवाचार-आधारित और कौशल-केंद्रित बनाएगा। इससे युवाओं को बहु-विषयक और लचीली शिक्षा, सतत री-स्किलिंग और एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र मिलेगा। हालांकि, कुछ शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है। आलोचकों का कहना है कि एक 'सुपर-रेगुलेटर' के जरिए सरकार स्वायत्तता बढ़ाने का दावा कर रही है, लेकिन इससे उच्च शिक्षा का अत्यधिक केंद्रीकरण, संस्थागत स्वायत्तता का क्षरण और राजनीतिक नियंत्रण बढ़ने का खतरा भी है।

कोलकाता: 'मैसी इवेंट' में अव्यवस्था का मामला

आयोजक की जमानत खारिज और 14 दिन की हिरासत मंजूर

नई दिल्ली/ कोलकाता, जेएनएन। कोलकाता में फुटबॉल स्टार लियोनल मैसी के कार्यक्रम के दौरान मची भारी अव्यवस्था के मामले में सॉल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य आयोजक और स्पोर्ट्स प्रमोटर सतद्रु दत्ता की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने दत्ता को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजने की अनुमति दे दी है। पुलिस इस दौरान अव्यवस्था, धोखाधड़ी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सुरक्षा चूक से जुड़े पहलुओं की जांच करेगी। घटना के बाद कोलकाता पुलिस ने आयोजक सतद्रु दत्ता को हिरासत में लिया था। बताया गया कि वे हैदराबाद जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ अव्यवस्था फैलाने, धोखाधड़ी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और कानून-व्यवस्था भंग करने से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने यह भी कहा है कि फैंस को टिकट के पैसे वापस करने को लेकर लिखित आश्वासन लिया गया है।

सरकार और पुलिस की विफलता: राज्यपाल

रविवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस खुद सॉल्ट लेक स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैसी जैसे अंतरराष्ट्रीय आइकन की मौजूदगी में तोड़फोड़ होना सरकार और पुलिस की गंभीर विफलता है। राज्यपाल ने इसे 'कोलकाता के लिए शर्मनाक दिन' बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) होना जरूरी है।

जांच समिति गठित: मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए मैसी और फुटबॉल प्रेमियों से माफी मांगी। उन्होंने जांच के लिए एक समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता कलकत्ता हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज असीम कुमार रॉय कर रहे हैं। इस समिति में मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती भी शामिल हैं।

मुंबई में कार्यक्रम रहा व्यवस्थित

कोलकाता की घटना के अगले ही दिन मैसी का कार्यक्रम मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां सुरक्षा और आयोजन कहीं अधिक व्यवस्थित दिखा। इस दौरान मैसी की मुलाकात सचिन तेंदुलकर और सुनील छेत्री से हुई, जिसे खेल जगत का ऐतिहासिक पल माना गया।

दिल्ली कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली

इन लोगों ने हमारा वंदे मातरम् भी कर लिया चोरी: खड़गे

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस ने 'वोट चोर-गद्दी छोड़' रैली आयोजित की। इस रैली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर लोकतंत्र, संविधान और चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'इन लोगों ने हमारा वंदेमातरम् भी चोरी कर लिया।' ये नेहरू और पटेल के बीच दरार पैदा करते हैं, गांधी-नेहरू-अंबेडकर पर हमला बोलते हैं।' खरगे ने भावुक होते हुए अपने निजी जीवन का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे का लंबा ऑपरेशन होना था और परिवार से फोन आया था, लेकिन देश के लिए यह लड़ाई छोड़कर वे नहीं जा सकते। बेटे को कुछ भी हो जाए, लेकिन देश के लोगों को कुछ नहीं होना चाहिए।

आयोग भाजपा के साथ कर रहा काम : राहुल

रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास खत्म हो चुका है और गृह मंत्री अमित शाह के हाथ इसलिए कांपते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि 'उनकी वोट चोरी पकड़ी जा चुकी है।' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के कुछ अधिकारी भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और सरकार ने इनके लिए कानून तक बदल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर इस कानून को बदलेगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। राहुल ने यह भी कहा कि 'ये लोग भूल जाते हैं कि ये भारत के चुनाव आयुक्त हैं, भाजपा के नहीं।'

प्रियंका का आरोप: मीडिया और संस्थानों पर दबाव

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थानों पर दबाव है। देश की अधिकांश मीडिया अंबानी-अडाणी के नियंत्रण में है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं को झूठे मामलों में जेल भेजा, जबकि जो भाजपा में शामिल हो गए, उन्हें 'वॉशिंग मशीन' में डालकर साफ कर दिया गया।

म्याना रेलवे स्टेशन को राष्ट्रपति से मिला सम्मान

विसं भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर गुना के म्याना रेलवे स्टेशन को सम्मानित किया है। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए म्याना रेलवे स्टेशन द्वारा 9 हजार 687 यूनिट विद्युत ऊर्जा की बचत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड-2025) के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कैटेगरी (रेलवे स्टेशन) में जिला गुना के म्याना रेलवे स्टेशन को बेस्ट परफार्मिंग यूनिट के रूप में सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के म्याना रेलवे स्टेशन ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि के लिए, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और सहयोगी टीम बधाई की पात्र है।

भाजपा: नबीन बने कार्यकारी अध्यक्ष पूर्णकालिक नियुक्ति तक रहेंगे पद पर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में बड़ा फैसला लेते हुए बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह जानकारी रविवार को भाजपा के संसदीय बोर्ड के फैसले के बाद राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी। नबीन फिलहाल बिहार सरकार में परिवहन मंत्री हैं और पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक इस अहम पद की जिम्मेदारी निभाएंगे।

45 वर्षीय नबीन 2010 से बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट से लगातार विधायक चुने जा रहे हैं। संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर उनके अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अंतरिम लेकिन बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति संगठनात्मक स्थिरता बनाए रखने और आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए की गई है।

सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना: फिलहाल नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन अगर भविष्य में पार्टी उन्हें पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाती है, तो वे भाजपा के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। उनकी उम्र 45 साल है, जो पार्टी के युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि नितिन नबीन ने मेहनती कार्यकर्ता के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे युवा और परिश्रमी नेता हैं, जिनके पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है।

स्कूल बस 20 फीट नीचे नदी में गिरी, 28 घायल

पिकनिक पर आए थे अशोक नगर के बच्चे

जागरण, गंज बासौदा। गंजबासौदा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 86 स्थित पुल पर रविवार सुबह स्कूली बच्चों की बस नदी में गिर गई। हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए। इनमें से पांच को गंभीर चोट आने पर विदिशा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। ये बच्चे अशोक नगर के स्कूल के हैं और सांची व विदिशा आईटीआई देखने जा रहे थे। सामने से आ रहे वाहन को साइड देने के दौरान बस चालक नियंत्रण खो बैठा और बस बेकाबू होकर 20 फीट नीचे सगड़ नदी में गिर गई। नदी में गिरी बस में 45 बच्चे और स्टॉफ मौजूद थे था। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम जोहद के पास सगड़ नदी के संकरे से पुल पर हुआ। महज 16 फीट चौड़े इस पुल पर एक साथ दो वाहन आमने-सामने आ गए। तभी बस चालक नियंत्रण नहीं रख सका और बस नदी में गिर गई। गनीमत है कि इस समय नदी पूरी तरह सूखी हुई है। यदि पानी होता तो हादसा बड़ा रूप ले सकता था। अशोकनगर के बहादुरपुर के ये बच्चे आईआईटी कालेज विदिशा भ्रमण के लिए जा रहे थे।

रीवा में 50 किलो जिलेटिन और 400 डेटोनेटर जब्त

जागरण, रीवा। प्रदेश के रीवा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रीवा पुलिस ने यहां 50 किलो जिलेटिन और 400 डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। ये विस्फोटक सामग्री उप्र से यहां लाई गई है। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिलने से हर कोई दहशत में है। जिलेटिन और डेटोनेटर का इस्तेमाल विस्फोट करने के लिए किया जाता है। ऐसे में पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है। विस्फोटकों की इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक, डभौरा थाना पुलिस ने रविवार को 50 किलोग्राम जिलेटिन और 400 नग डेटोनेटर बरामद किए हैं। पुलिस ने इस केस में एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार यह विस्फोटक सामग्री उत्तरप्रदेश से लाई गई थी। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि जिलेटिन और डेटोनेटर को ट्रेन से यहां लाया गया था।

मुखबिर से सूचना मिली थी। डेटोनेटर और जिलेटिन के साथ एक महिला और युवक को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई शनिवार रात को की गई थी। पूछताछ जारी है।

● नारायण सिंह, एसडीओपी डभौरा, रीवा

सतना: 108 सेवा मदद के बजाय बनी अपमान का कारण

अस्पताल के गेट पर घायल की पत्नी से धुलवाई एंबुलेंस, वीडियो वायरल

जागरण, सतना। जिला अस्पताल से मानवता को शर्मसार कर देने वाली तस्वीर सामने आई है। जहां जीवन बचाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा एक घायल मरीज के लिए मददगार बनने की बजाय अपमान का कारण बन गई। सड़क हादसे में घायल मरीज की पत्नी से ही एंबुलेंस धुलवाने का मामला सामने आया है। दरअसल रामनगर से सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल कमलेश रावत को 108 एंबुलेंस के जरिए सतना जिला अस्पताल लाया गया। हादसे में उसका पैर टूट गया था और रास्ते में तबीयत बिगड़ने से मरीज को उल्टियां भी हुईं। जैसे ही एंबुलेंस जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर पहुंची, चालक ने संवेदनहीनता की सारी हदें पार करते हुए मरीज की पत्नी से ही एंबुलेंस की सफाई करवा दी।

मरीज या परिजनों से सफाई कराना प्रतिबंधित

नियमों के मुताबिक, 108 एंबुलेंस की साफ-सफाई के लिए अलग से स्टाफ है। मरीज या परिजनों से ऐसा कोई काम कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बाद भी इस अमानवीय कृत्य ने न केवल नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि 108 जैसी जीवनरक्षक सेवा की साख को भी गहरा नुकसान पहुंचाया है।

स्टैनफोर्ड रिपोर्ट

भारत ने कोरिया, यूके, सिंगापुर जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़ा

एआई में भारत दुनिया की तीसरी सबसे प्रतिस्पर्धी ताकत

नई दिल्ली, जेएनएन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक मंच पर बड़ी छलांग लगाई है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का तीसरा सबसे प्रतिस्पर्धी एआई देश बन गया है। इस रैंकिंग में भारत ने कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई वाइब्रेंसी स्कोर के आधार पर अमेरिका पहले स्थान पर है, जिसका स्कोर 78.6 है। चीन दूसरे स्थान पर 36.95 के स्कोर के साथ है, जबकि भारत ने 21.59 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि भारत ने सिर्फ एक साल में चार पायदान की छलांग लगाई है—भारत 2023 में सातवें स्थान पर था।

क्या है ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी का यह इंडेक्स देशों की एआई क्षमता और प्रतिस्पर्धा को सात प्रमुख स्तंभों के आधार पर मापता है।

- रिसर्च एंड डेवलपमेंट
- प्रतिभा
- इन्फ्रास्ट्रक्चर
- अर्थव्यवस्था और निवेश
- नीति और शासन
- जिम्मेदार एआई
- सार्वजनिक राय और स्वीकार्यता

इन सभी पैमानों पर प्रदर्शन के आधार पर यह आकलन किया जाता है कि किसी देश में एआई का इकोसिस्टम कितना मजबूत और जीवंत है।

बड़े पैमाने पर निवेश

रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में सरकारें एआई पर बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं।

- कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की है,
- चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है,
- फ्रांस ने 109 अरब यूरो का निवेश प्रस्तावित किया है,
- भारत ने 1.25 अरब डॉलर एआई के लिए निर्धारित किए हैं
- सऊदी अरब का 'प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस' 100 अरब डॉलर का है।

प्रतिभा के मामले में टॉप-3 में भारत

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी प्रतिभा मानी गई है। एआई से जुड़े शिक्षा कार्यक्रमों, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संस्थानों की बड़ी संख्या के कारण भारत इस स्तंभ में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। हर साल लाखों इंजीनियर और तकनीकी विशेषज्ञ भारतीय शिक्षा प्रणाली से निकल रहे हैं, जो वैश्विक एआई उद्योग को मजबूत बना रहे हैं। हालांकि भारत का निवेश कई देशों की तुलना में कम है, लेकिन सीमित संसाधनों के बावजूद भारत का तीसरे स्थान पर पहुंचना उसकी लागत-कुशल नवाचार क्षमता को दर्शाता है। जहां एक ओर भारत ने कई स्तंभों में सुधार किया है, वहीं नीति और शासन के मामले में उसकी रैंकिंग में गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस श्रेणी में भारत पांच स्थान नीचे खिसका है।

विकसित देशों से आगे क्यों निकला भारत

आमतौर पर उच्च आय वाले देश एआई में आगे रहते हैं, लेकिन भारत ने कई विकसित देशों को पीछे छोड़कर अलग पहचान बनाई है। रिपोर्ट ने एक चेतावनी भी दी है कि अगर सभी देशों को एआई विकास के समान अवसर नहीं मिले, तो वैश्विक स्तर पर असमानता और बढ़ सकती है। ऐसे में भारत का उदाहरण दिखाता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

नर्मदा किनारे अवैध शराब बिक्री का मामला

प्रभारी मंत्री ने जोड़े हाथ, बोले-मैं नहीं पीता, मुझे कुछ नहीं पता

जागरण, नर्मदापुरम। नर्मदा नदी के किनारे बिक रही अवैध शराब को लेकर जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह हाथ जोड़ते नजर आए। अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के सवालों पर हाथ जोड़ते हुए नर्मदापुरम प्रभारी मंत्री ने कहा मैं पीता नहीं हूं, इसलिए मुझे कुछ पता नहीं। वहीं जिले के अधिकांश मुद्दों को भी प्रभारी मंत्री जानकारी लेने का कहकर टाल गए।

प्रभारी मंत्री सिंह रविवार को सरकार की दो साल की उपलब्धियों पर मीडिया से चर्चा कर रहे थे। चर्चा के दौरान मीडिया ने जिले में अवैध शराब बिक्री का मुद्दा उठाया। असल में नर्मदा नदी के किनारे 5 किलोमीटर के दायरे में शराब प्रतिबंधित है। प्रभारी मंत्री ने जैसे ही कहा कि मैं पीता नहीं हूं। मंच पर मौजूद राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा भी मुस्कुरा दिए। हालांकि अवैध शराब का मुद्दा सामने आते ही प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर-एसपी को निर्देश दिए कि अवैध शराब नहीं बिकनी चाहिए। जहां की शिकायतें आ रही हैं, वहां तुरंत सख्त कार्रवाई करें। लाइसेंस के अलावा कहीं भी शराब नहीं बिकना चाहिए।

विकसित देशों में भी है 90 डिग्री एफओबी: वहीं भोपाल में 90 डिग्री के ब्रिज के सवाल पर मंत्री सिंह ने कहा कि सुनी-सुनाई बातें लोगों के ध्यान में तत्काल आ जाती हैं। भोपाल का वह फ्लाईओवर 90 डिग्री का है ही नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से 118 डिग्री का है। प्रभारी मंत्री ने 90 डिग्री होना कोई बुराई नहीं है।

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 27.5°c न्यूनतम 7.0°c
राजधानी में सर्दी का दौर जारी है। आज भी तापमान गिर सकता है।

11 राज्य 31 संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.dainikjagranmpcg.com

ऑपरेशन मुस्कान के बावजूद दो महीने में 462 लापता

केवल 69 नाबालिगों को खोजकर उपलब्धि गिना रही पुलिस ▸▸ 1 से 30 नवंबर तक चला था अभियान, नवंबर में गुमशुदगी के 223 मामले

संजना मौर्या, भोपाल। एक तरफ जहां भोपाल पुलिस ऑपरेशन मुस्कान चलाकर नाबालिगों की बरामदगी पर अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी तरफ राजधानी में गुमशुदा लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालात ये हैं कि अक्टूबर और नवंबर माह में टोटल 462 लोग लापता हुए हैं। इनमें नवंबर माह में ही 223 केस दर्ज हुए हैं जिनमें सबसे अधिक मामले शहर के मिसरोद, कोलार, छोला मंदिर और निशातपुरा थानों में सामने आए हैं। पुलिस का दावा है कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत नवंबर माह में 69 नाबालिग बालिकाएं और 11 बालकों को खोजा गया। इसके उलट बाकी शिकायतों से पुलिस किनारा करती हुई नजर आ रही है। गुमशुदा लोगों के परिजनों का आरोप है कि पुलिस केवल नाबालिगों को खोजने में ही सक्रियता दिखाती है। ऐसे में गुम हुई महिलाओं, पुरुषों और बुजुर्गों की खोजबीन में परिवार के ही लोग जुटे रहते हैं।

यह है दो महीनों की गुमशुदगी का आंकड़ा

श्रेणी	अक्टूबर	नवंबर	कुल मामले
नाबालिग	61	45	106
महिलाएं (18+)	115	88	203
पुरुष (18+)	47	73	120
बुजुर्ग	16	17	33
टोटल	239	223	462

गुमशुदगी के महत्वपूर्ण मामले

केस 1 - अरेरा हिल्स इलाके से 22 वर्षीय युवती विनीता शिवडे 2020 में लापता हुई थी। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। युवती 8 दिसंबर 2020 को सुबह करीब 11 बजे पार्लर जाने का कहकर लालघाटी की ओर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। शिकायत के बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो परिजनों ने उसे एक साल तक जगह-जगह तलाशा। अब पांच साल बीत जाने के बाद भी उसका सुराग न मिलने पर परिजन उसकी वापसी की उम्मीद तक छोड़ चुके हैं।

केस 2 - वल्लभ नगर से 29 वर्षीय किशन थापा 9 जुलाई 2024 से लापता है। उसकी मां अनिता थापा ने अरेरा हिल्स थाने पहुंचकर रिपोर्ट भी दर्ज कराई। अनिता थापा का कहना है कि उनका बेटा किशन अनपढ़ है और नशे की आदत भी है। ऐसे में उसके साथ कोई अनहोनी भी हो सकती है। महीनों की तलाश के बावजूद अब तक युवक का पता नहीं चल सका है। उसकी मां लगातार थाने के चक्कर इस आस के साथ काट रही है कि खोया हुआ बेटा मिल जाएगा। हालांकि अब तक नतीजा शून्य ही रहा है।

सबसे ज्यादा गुमशुदगी के मामले इन थानों में

नवंबर में

मिसरोद - 26
कोलार - 25
छोलामंदिर - 24

अक्टूबर में

कोलार - 40
निशातपुरा - 31
छोलामंदिर - 24

कई अपनी मर्जी से लौटे, पुलिस को जानकारी ही नहीं

लोगों की गुमशुदगी मामले में पुलिस का कहना है कि कुछ मामलों में लोग अपनी मर्जी से वापस भी आ गए हैं, लेकिन इसकी जानकारी पुलिस को नहीं देते। इसके अलावा कई आवेदकों के मोबाइल नंबर और पते बदल गए हैं, जिसके कारण पुलिस परिजनों से संपर्क नहीं कर पा रही है। यही कारण है कि गुमशुदगी के मामलों में इजाफा हो रहा है। इस मामले में एक अन्य मानवीय पक्ष भी सामने आया है। ऑपरेशन मुस्कान के दौरान सालों पहले गायब हुई नाबालिग लड़कियां अब बालिग होकर शादी कर चुकी हैं। वे ऐसे मामलों में शिकायत करने तक से इंकार कर देती हैं। इससे भी पुलिस को कानूनी कार्रवाई में मुश्किलें आती हैं। कई मामलों में परिवार लड़कियों की शादी की जानकारी मिलने के बावजूद इसकी सूचना थानों को नहीं देते, जिससे केस सालों तक लंबित रह जाते हैं। नियमानुसार सात साल बाद ऐसे केस बंद कर दिए जाते हैं।

12 साल बाद मिली नाबालिग अब शादीशुदा, बच्चा भी है

पिपलानी पुलिस ने नवंबर 2013 में 14 साल की उम्र में लापता हुई लड़की को 12 साल बाद चेन्नई से खोज निकाला। वह अपने पति और बच्चे के साथ रह रही थी। उसने बताया कि पढ़ाई को लेकर उसने घर छोड़ा था। पहले वह भोपाल से गुजरात गई और परेशान होकर वापस लौटी। भोपाल में उसे एक परिचित युवक मिला और उसके साथ चेन्नई चली गई। बालिग होने पर दोनों ने वहां शादी कर ली। इसी तरह कोहेफिजा पुलिस ने 26 अक्टूबर 2025 को भोपाल से लापता किशोरी को इंदौर से खोज निकाला। वह एक युवक के साथ किराए के कमरे में रह रही थी। साइबर सेल की मदद से मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर पुलिस ने लड़की का पता लगाया। इस मामले में अब आरोपी युवक अमित रजक के खिलाफ पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का अपराध दर्ज किया है।

संक्षिप्त खबरें

युवक की मौत के मामले में ठेकेदार पर एफआईआर

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने एक युवक की करंट से मौत के मामले में ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मर्ग जांच में पुलिस ने पाया कि अकुशल श्रमिक से लापरवाही से काम लिया गया, जिससे उसे करंट लग गया था। पुलिस के मुताबिक, नीलबड़ स्थित बालाजी नगर फेन-वन में सुरेश उपाध्याय के मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। मकान निर्माण का ठेका सुरेश ने गणेश प्रजापति को दिया था। बीती 20 अक्टूबर को यहां काम करते समय गुलशन अहिरवार निवासी नाथू बरखेड़ा की करंट लगने से मौत हो गई थी।

आत्महत्या के कारणों का पता लगाने सर्वे आज से

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों को रोकने के लिए कैंपस में एक सर्वे कार्य आज से शुरू हो जाएगा। हालांकि अभी तक सूबे के सभी विवि और कॉलेजों ने उक्त मामले के सर्वे के कार्य से दूरी बना रखी थी। उच्च शिक्षा आयुक्त प्रबल सिपाहा कालेज और विवि प्रबंधन के ऐसे व्यवहार पर काफी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सभी विवि और कॉलेजों को पत्र लिखा है कि सोमवार से सर्वेक्षण शुरू करें और इससे दूरी नहीं बनाने के लिए निर्देशित किया है। समय रहते सर्वे कर विवि और कालेज अपनी रिपोर्ट तैयार कर उच्च शिक्षा विभाग के सुपुर्द करेंगे।

बैगपाइपर बैंड प्रदर्शन कार्यक्रम का समापन

भोपाल। विद्या भारती मध्यभारत प्रांत एवं सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के तत्वावधान में आयोजित बैगपाइपर बैंड प्रदर्शन कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन शौर्य स्मारक में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति एवं अनुशासन से परिपूर्ण बैगपाइपर बैंड की आकर्षक प्रस्तुति के साथ हुआ। मध्यभारत प्रांत के विभिन्न विद्यालयों से आए भैया-बहनों ने उत्कृष्ट समन्वय, अनुशासन एवं संगीतात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्नल नारायण परवानी (सेवानिवृत्त, भारतीय सेना) ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, देशभक्ति, नेतृत्व एवं आत्मविश्वास का विकास करती हैं। उन्होंने विद्या भारती द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विजय दिवस पर लगाया जाएगा रक्तदान शिविर

भोपाल। अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर की मध्य प्रदेश यूनिट 16 दिसंबर को सुबह 11 बजे भोपाल के रवींद्र भवन में देश के शहीदों को याद करने और उनके परिवारों को सम्मान देने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की देखरेख में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक यादव करेंगे। अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश यादव ने कहा कि जब देश और समाज अपने शहीदों को श्रद्धांजलि देता है, तो भारतीय सेना पर खड़े हमारे सेना के जवान उस पल को याद करके भारत माता की जय के नारे लगाते हैं। आज हम अपने घरों में सुरक्षित हैं क्योंकि सीमा पर तैनात सैनिक हमारी रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। समिति के पदाधिकारियों ने मंत्री गौर से मुलाकात की और कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति ली। मंत्री कृष्णा गौर ने समिति के सदस्यों के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी चर्चा की।

महिला की अश्लील तस्वीरें रिश्तेदारों को भेजी, केस

जागरण, भोपाल। छोलामंदिर थाना क्षेत्र में महिला की फोटो एडिट कर अश्लील तस्वीरें आरोपी ने वायरल कर दी। घटना को उसके पड़ोसी ने अंजाम दिया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय महिला अपने पति के साथ हरीहर नवजीवन कॉलोनी में रहती है। वह गृहणी है, जबकि उसका पति निजी कंपनी में काम करता है। 28 वर्षीय आरोपी दीपक गौर ट्रक चालक है और उसके पति का दोस्त है। उसका महिला के घर आना-जाना था। इसी दौरान आरोपी ने महिला से नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश की और महिला पर पति को छोड़कर अपने साथ चलने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता के परिजनों ने आरोपी को समझाइश दी, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।

ट्रामा एंड इमरजेंसी के हेड को हटाया 72 घंटे के बाद भी सेहत में सुधार नहीं

एम्स की डॉक्टर रश्मि के सुसाइड के प्रयास मामले में कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में महिला डॉक्टर रश्मि के सुसाइड के प्रयास मामले में एम्स प्रशासन ने फिलहाल ट्रामा एंड इमरजेंसी विभाग के हेड डॉ. मोहम्मद यूनुस को हटा दिया है। उनकी जगह मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. रजनीश जोशी को अब यह जिम्मेदारी दी गई है। बताया जा रहा है कि एम्स प्रशासन ने यह फैसला उन कयासों के चलते किया है जिसमें यह कहा जा रहा है कि डॉ. रश्मि अपने हेड डॉ. यूनुस के व्यवहार से दुखी थीं। जिसमें डॉ. यूनुस ने उनकी छुट्टी को रद्द कर दिया था। इसके अलावा कुछ पुराने मामले भी हैं, जिसके मद्देनजर एम्स प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

कमेटी करेगी जांच, विभाग होंगे अलग अलग: एम्स से मिली जानकारी अनुसार इस मामले के बाद प्रशासन अब हरकत में आ गया है। प्रशासन ने एक कमेटी का गठन कर दिया है। इस कमेटी का प्रमुख डीन एकेडमिक डॉ. रजनीश जोशी और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास गुप्ता को सदस्य बनाया गया है। इस कमेटी का काम ट्रामा एंड इमरजेंसी विभाग में चल रही उथल पुथल और फैकल्टी के बीच वाद-विवाद की सच्चाई पता करना है। जांच रिपोर्ट आने के बाद एम्स प्रशासन यह तय करेगा कि किस तरह विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर और सुगम बनाया जाए। इसके अलावा सूत्रों ने यह भी बताया कि ट्रामा और इमरजेंसी को अलग अलग कर संचालित करने पर भी विचार किया जा रहा है। जिसके तहत ट्रामा की बागडोर न्यूरोसर्जरी विभाग को सौंपी जा सकती है और इमरजेंसी की सेवाएं मेडिसिन विभाग को दी जा सकती हैं।

मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. जोशी को मिली जिम्मेदारी

सेहत में सुधार के लिए हर संभव प्रयास, कामयाबी नहीं

एलेस्थीसिया का ओवर डोज लेकर आत्महत्या का प्रयास करने वाली डॉ. रश्मि वर्मा की हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। इस घटना को 72 घंटे से ज्यादा का समय गुजर गया है। चिकित्सकों के अनुसार उन्होंने जो इंजेक्शन खुद को लगाया है उससे व्यक्ति के दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है, वहीं शरीर की मांसपेशियां भी शिथिल पड़ जाती हैं। अक्सर मामलों में व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, लेकिन इस मामले में डॉक्टर रश्मि को समय पर अस्पताल ले आया गया और शुरुआती इलाज भी मिल गया, इसलिए अभी वह वेंटीलेटर पर इलाज ले रही हैं। चिकित्सक हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि डॉ. रश्मि की सेहत में सुधार हो, लेकिन फिलहाल इसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिल रही।

हाईप्रोफाइल जुआ और शबाब पर गैंगवार में गोली मारने का मामला

गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार, रूसी के इशारे पर मारी थी गोली, पांच की तलाश जारी

पीड़ित गुंडे दानिश पर 45 और निगरानी बदमाश रूसी खान के खिलाफ 20 अपराध हैं दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। स्टेशन बजरिया के हाईप्रोफाइल जुआ पर हुए गैंगवार में गोली मारने का एक कारण शबाब भी सामने आया है। गैंग के फरार दो गुर्गों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनसे एक मोपेड और चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रूसी खान के इशारे पर उन्होंने दानिश अली को गोली मारी थी। पुलिस की पूछताछ जारी है। मामले में ईंटखेड़ी पुलिस को पांच आरोपियों की तलाश है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। दानिश स्टेशन बजरिया का गुंडा है, उसके खिलाफ 45 अपराध दर्ज हैं। मामले में आरोपी निगरानी बदमाश रूसी खान के खिलाफ 20 अपराध पंजीबद्ध हैं। सभी आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड है। वह स्टेशन बजरिया और ऐशबाग के रहने वाले हैं।

जानकारी के मुताबिक, 28 वर्षीय दानिश अली स्टेशन बजरिया में रहता है। वह थाने का गुंडा है और पार्सल ठेकेदारी भी करता है। शुक्रवार रात दानिश पत्नी रिमसा और बहन के साथ दोस्त की शादी के रिसेप्शन में शामिल होने के लिए ईंटखेड़ी गया था। वह कार से वापस आ रहा था। देर रात साढ़े 11 बजे उस पर बाइक सवार आधा दर्जन से अधिक लोगों ने गोली चला दी थी। तीन गोली दानिश के पेट व पैर में लगी। बीचबचाव करने आई उसकी पत्नी रिमसा और बहन को भी आरोपियों ने चाकू मारे थे। तीनों का एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

सन्नू ने मारी थी गोली

हत्या के प्रयास के इस मामले में पुलिस ने सात लोगों को आरोपी बनाया है। इसमें सन्नू वजनदार, सकेलन, परवेज उर्फ नाटू, शाहवेज उर्फ वटाला, जुबेर उर्फ किलकिल, फरदीन और रूसी खान के नाम शामिल हैं। पुलिस ने रविवार को अब्बासनगर से आरोपी शाहवेज (25) पिता खालिद और फरदीन (22) पिता खुर्शीद दोनों निवासी स्टेशन बजरिया को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने चाकू मारे थे। पुलिस ने उनसे चाकू और मोपेड बरामद की है। आरोपियों ने बताया कि सन्नू वजनदार ने गोली मारी थी। रूसी खान के इशारे में उन्होंने वारदात को अंजाम दिया था। इस वारदात के पीछे जुआ, शराब और शबाब तीन कारण सामने आए हैं। एक महिला की दूसरी से नजदीकियां आरोपी और पीड़ित को खल रही थीं। काफी दिनों से उनके बीच तनातनी चल रही थी। दोनों दानिश और रूसी खान कई बार आमने-सामने आए, लेकिन धमकियों से बात टल रही थी।

जीजा ने साले की चाकू से गोदकर की हत्या

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गुनगा इलाके में पति ने साले की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पत्नी को मायके लेने आए पति की साले से कहासुनी हुई थी। आरोपी ने एक सीने और दूसरा जांघ पर वार किया था। सीने में गहरा घाव होने के कारण उसकी मौत हो गई। दो महीने से पत्नी मायके में रह रही थी। कई बार पति लेने गया लेकिन वह मना कर देती थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। गुनगा थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर ने बताया कि 22 वर्षीय अब्दुल उर्फ अब्दुल्ला खान ग्राम खादमपुर में रहता था और ट्रक ड्रायवरी करता था। उसका बहन की शादी ग्राम डोबरा रातीबड़ निवासी भूरा खान से हुई है। उनका दो महीने का एक बच्चा है। इन दिनों भूरा की पत्नी गर्भवती है। वह दो महीने से मायके में है। भूरा कई बार उसे मायके से लेने गया, लेकिन वह नहीं आई। भूरा चाहता था कि पत्नी की डिलीवरी ससुराल में हो। इसी के चलते वह शनिवार दोपहर को अपने ससुराल गया था। उसने पत्नी से साथ चलने को कहा लेकिन उसने मना कर दिया। वह वापस अपने घर आ गया। शाम को फोन पर उसकी साले अब्दुल्ला से कहासुनी हो गई। भूरा गुस्से में आ गया। वह फिर से अपने ससुराल पहुंचा। रात करीब साढ़े 9 बजे अब्दुल्ला जैसे ही पेशाब करने गया। वहां भूरा ने उसे पर चाकू से हमला कर दिया।

सर्द चांदनी रात में गोंड जनजाति के करमा नृत्य को देख झूम उठे दर्शक

कार्यशाला के अंतिम दिन नूतन कालेज की छात्राओं ने दी नृत्य की प्रस्तुत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। गोंड समाज की सबसे बड़ी पहचान है उनकी कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति। उनके नृत्य केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि जीवन दर्शन, इतिहास, पौराणिक आख्यानों और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का सजीव दस्तावेज हैं। ये नृत्य ढोल, मांदर टिमकी, झांझ, मंजीरा और लोक वाद्यों की थाप पर, प्रकृति के रंगों से सजे पारंपरिक वेशभूषा में किए जाते हैं। इनके नृत्य, सामूहिक जीवन, उल्लास और आध्यात्मिकता को दर्शाते हैं। दुर्भाग्य से आधुनिकता के दबाव में ये अनमोल विरासत धीरे-धीरे कमजोर पड़ रही है। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के सहयोग से प्रायोजित एवं नूतन कालेज द्वारा आयोजित सात दिवसीय गोंडी नृत्य कार्यशाला के अंतिम दिवस पर जनजाति लोक कला बोली विकास अकादमी के मंच पर गोंड जनजाति समाज का करमा नृत्य हुआ। इससे देख दर्शक अपनी जगहों पर खड़े होकर झूमने लगे। जनजाति लोक कला बोली अकादमी के निदेशक धर्मेंद्र पारे के विशेष सहयोग से यह नृत्य कार्यशाला संपन्न हुई। प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव की संकल्पना थी कि प्रशिक्षण के माध्यम से कालेज की जनजातीय छात्राओं की आत्मनिर्भर टीम बनाई जाए, उनकी कलाओं को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए और सात दिनों में कालेज की छात्राओं को नृत्य में पारंगत किया।

बनाई जाए जनजातीय छात्राओं की आत्मनिर्भर टीम

जीवनसाथी एक दूसरे के परिवार को मान-सम्मान दें: जैनाविन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। युवक-युवती परिचय सम्मेलन में बेबाकी के साथ प्रत्याशियों ने दे रहे अपना परिचय। परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार को कई शहरों और प्रदेशों से आए प्रत्याशियों ने बेबाकी के साथ अपना परिचय दिया। प्रत्याशियों ने परिचय में आपसी सामंजस्य के साथ विश्वास निभाकर रिश्ता निभाने वाले जीवन साथी पर जोर दिया। वहीं अभिभावकों ने गृह कार्य में दक्ष भारतीय संस्कृति और संस्कारों का सम्मान करने वाली बहू के साथ सबको साथ लेकर चलने वाले दामाद की बात कही। ये नजारा था अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवक-युवती के तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन (टोंग्या जी वाला) जवाहर चौक स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के परिचय मंच का। समिति के मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता सुनील जैनविन ने बताया कि रविवार के चलते सम्मेलन स्थल पर पैर रखने की जगह नहीं थी। सुबह से ही अभिभावकों और प्रत्याशियों का आना शुरु हो गया था। पहले चरण में लगभग 100 से अधिक प्रत्याशियों ने अपना परिचय दिया। दिन भर रिश्तेदार नातेदार अभिभावकों की सहयोग के साथ रिश्ते की बात चलाते देख रहे हैं। दिनभर कुंडली मिलान के साथ चर्चा चलती रही, कुछ रिश्ते चर्चा आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं कुछ रिश्ते फाइनल स्टेज पर हैं। रिश्ते के लिए परिचय पुस्तिका का अवलोकन करने के बाद प्रत्याशी और उनके अभिभावक संचार माध्यम से देश विदेश में निवासरत आप्रवासी भारतीयों से भी चर्चारत देखें गये।

परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन कुंडली मिलान के साथ चलती रही चर्चा

800 प्रतिभागियों ने मंच से अपना परिचय

महाश्री इंजीनियर विनोद जैन ने बताया कि सम्मेलन में देश विदेश से प्रत्याशी आये हैं जो सरकारी नौकरी में हैं, प्राइवेट नौकरी में है तथा व्यवसाय का कार्य करते हैं सम्मेलन में आज दूसरे दिन मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों से लगभग 800 प्रतिभागियों ने मंच से अपना परिचय दिया। वहीं दूसरी ओर अभिभावक अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए जीवनसाथी की तलाश कर बच्चों को परिजनों से सार्थक पहल कर रिश्तों की बात करते देखे गए। कई परिजन मिलन पत्रिका से बायोडाटा ढूंढते देखे गए। श्री जैनाविन ने बताया कि परिचय सम्मेलन से जुड़े युवक युवतियों ने अपनी इच्छा जाहिर कि जीवन साथी धार्मिक प्रवृत्ति का हो और एक दूसरे के परिवार को मान-सम्मान दें और कदम से कदम मिलाकर इस जीवनरूपी जीवन यात्रा को सार्थकतापूर्वक सफलता के साथ आगे बढ़ाएं, जो जीवन साथी समझदार होगा वह परिवार के विषय में धर्म के विषय में हर क्षेत्र में संतुलित होगा।

चाय दिवस सिटी की 3700 गुमटियों से लेकर 106 बड़े कॉफी हाउस तक गुलजार

ठंड में भोपाली रोज पी रहे सवा दो लाख लीटर चाय

सोना राजपूत, भोपाल। राजधानी में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शहर का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़कने के बाद भोपाल की धड़कनें अब चाय और कॉफी के प्यालों से रफ्तार पकड़ रही हैं। इस ठंड में शहर के हर कोने पर गरमागरम पेय पदार्थों की डिमांड सामान्य दिनों के मुकाबले 40 फीसदी तक बढ़ गई है। वहीं कॉफी की मांग में 30 फीसदी का उछाल हुआ है। यह सिर्फ एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि एक बड़ा व्यापारिक टर्नओवर है। हर सुबह और देर शाम, शहर चाय और कॉफी के धुएं से ढका नजर आता है, जहां गर्मागर्म चुस्की पर राजनीति से लेकर करियर तक की चर्चाएं हो रही हैं। नगर निगम के रिकॉर्ड में वैध गुमटियों की संख्या 1863 के आसपास है।

शहर की चाय-कॉफी अर्थव्यवस्था

- **कुल चाय गुमटियां-** वैध और अवैध मिलाकर 3700 से अधिक।
- **बड़े चाय हाउस-** शहर में 78 प्रमुख आउटलेट्स सक्रिय।
- **कुल कॉफी दुकानें-** हमेशा कॉफी की उपलब्धता 1500 से अधिक।
- **बड़े कॉफी हाउस/चेन-** शहर में 106 प्रमुख आउटलेट्स सक्रिय।

खपत और बिक्री

- **दैनिक चाय खपत** (सामान्य)-1.25 लाख लीटर।
- **शीतकाल में खपत-** बढ़कर 2.32 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक।
- **थोक बिक्री वृद्धि-** चायपत्ती और कॉफी पाउडर की थोक बिक्री में क्रमशः 28 व 16 फीसदी तक का उछाल।
- **लोकप्रिय फ्लेवर-** अदरक और मसाला फ्लेवर वाली चायपत्ती की बिक्री सर्वाधिक।

कॉफी कल्चर- रात 12 बजे भी सिप की चाहत

शहर के पॉश इलाकों (जैसे- पुराने शहर, 10 नंबर, एमपी नगर, कोलार, संत संत हिरदाराम और नर्मदापुरम रोड) में मौजूद कॉफी हाउसों में देर रात तक भीड़ देखी जा रही है। कॉफी चेन के मैनेजर ने बताते हैं कि हमारा फुटफॉल खासकर शाम पांच बजे के बाद दोगुना हो गया है। युवा, वर्किंग प्रोफेशनल्स और फैमिली ग्रुप्स रात 12 बजे तक हॉट चॉकलेट, कैपचिनो और एस्प्रेसो की डिमांड कर रहे हैं। सामान्य दिनों में जहां 450 कप बिकते थे, अब 700-800 कप की बिक्री हो रही है।

चाय की बिक्री में बूम

भोपाली चाय के लिए प्रसिद्ध दुकानों के संचालक ने बताया कि यह मौसम हमारे लिए त्योहार की तरह है। पिछले 15 दिनों में बिक्री 40 फीसदी बढ़ गई है। सुबह 6 बजे से ही लोगों की कतार लग जाती है, जो यह दिखाता है कि राजधानी में चाय सिर्फ एक पेय नहीं, बल्किलाइफस्टाइल है। उन्होंने बताया कि मैं 20 साल से इस काम को कर रहा हूं। हर साल फरवरी तक चाय का मार्केट अच्छा रहता है। अभी हम करीब 1600 कप चाय बैच रहे हैं, जो सामान्य दिनों में 900 से कम होती है।

रिकॉर्ड उछाल आया: इस सीजन के लिए मार्केट में 50 फीसदी तक स्टॉक बढ़ाया गया है। डिमांड 28 फीसदी तक पहुंच गई है। पैकेट बंद चायपत्ती की बिक्री में रिकॉर्ड उछाल आया है। जबकि शहर में खुली चायपत्ती की बिक्री का चल कई दशकों पुराना है, जिसकी मांग सामान्य है।

राजेंद्र सिंघल
चायपत्ती के थोक व्यापारी

भोपाल में आईएचएम ने रचा नया फूड रिकॉर्ड

7 मिनट 26 सेकंड में बना 269.9 फीट लंबा सैंडविच

जागरण, भोपाल। आईएचएम के परिसर में रविवार की सुबह का कुछ अलग ही नजारा था। छात्र रसोई में नहीं बल्कि इतिहास रचने में जुटे थे। पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट भोपाल ने 269 दशमलव 9 फीट लंबा सैंडविच तैयार किया। भारत का सबसे लंबा सैंडविच बनाकर आईएचएम ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 223 फीट का था, जिसे आज भोपाल ने पीछे छोड़ दिया। संस्थान के प्राचार्य डॉ रोहित सरीन पूरे समय छात्रों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह प्रयास केवल रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं था, बल्कि छात्रों को यह सिखाने के लिए था कि बड़े स्तर पर काम कैसे जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ किया जाता है। इस अनोखे प्रयास को अमूल और वीबा का सहयोग मिला। वहीं बे बे फार्म्स ने इसे संचालित किया। आयोजन के दौरान राच्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी होटल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ प्रख्यात शेफ और शिक्षाविद भी मौजूद रहे। सभी ने छात्रों की मेहनत और सोच की सराहना की।

प्रिपरेशन में अपना रहे जीरो वेस्टेज

खास बात यह है कि जीरो वेस्टेज के साथ सभी लोफ तैयार हुए हैं। स्टूडेंट्स ने बहुत टेस्टी व फिनिशिंग के साथ लोफ तैयार किए हैं और इवेंट वाले दिन 10 से 15 मिनट के भीतर कैंपस के बाहर रोड पर टेबल्स लगाकर उनपर लाइन से लोफ जमाएंगे व लाइव गार्निशिंग व स्टफिंग करेंगे।

• सुबह 4 बजे से शुरू हुई तैयारी •

रिकॉर्ड बनाने की तैयारी बेकरी टीम ने सुबह 4 बजे से ही शुरू कर दी थी। इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व शेफ पंकज चौधरी, शेफ अंकुर किशोर और शेफ संदीप दुआ ने किया। उनके साथ छात्रों की टीम ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ काम किया। एक समान बनावट और मजबूती वाली ब्रेड तैयार करने से लेकर सैंडविच को जोड़ने तक, हर चरण में टीमवर्क और समर्पण साफ दिखाई दिया।

शेफ, छात्रों और स्टाफ ने सैंडविच को किया तैयार

रिकॉर्ड सैंडविच के लिए विशेष ब्रेड तैयार की गई थी। छात्रों फैकल्टी और शेफ्स की टीम ने एक जैसी बनावट और मजबूती वाली ब्रेड तैयार करने में कई दिनों तक मेहनत की। आयोजन के दिन फूड प्रोडक्शन और फूड एंड बेवरेज सर्विस विभाग के मार्गदर्शन में 70 से 80 छात्रों और स्टाफ ने सिर्फ 7 मिनट 26 सेकंड में पूरे सैंडविच को जोड़कर तैयार कर दिया।

ताजी और ऑर्गेनिक सामग्री

इस सैंडविच को पूरी तरह ताज़ी और ऑर्गेनिक सामग्री से तैयार किया गया। इसमें रोमेन, आइसबर्ग, बटरहेड और लीफ लेट्यूस जैसी विभिन्न किस्मों की सलाद पत्तियां शामिल की गईं, जिन्हें बे-बे फार्म्स से विशेष रूप से मंगाया गया था। इसके साथ ही ताजा प्याज, टमाटर, लाल पत्तागोभी और ऑलिव्स का उपयोग किया गया, जिससे सैंडविच न केवल आकार में बल्कि गुणवत्ता और पोषण में भी विशिष्ट बन सका।

सिटी अचीवर

160 किमी की दूरी 19 घंटे 50 मिनट में तय

अल्ट्रा मैराथन में भोपाल के अनुज मीणा ने रचा इतिहास

जगरण, भोपाल। भारत की सबसे कठिन 100-माइल अल्ट्रा मैराथन मानी जाने वाली 'बॉर्डर हेल' में भोपाल के धावक अनुज मीणा ने असाधारण साहस और संकल्प का परिचय दिया। रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों के बीच अनुज ने 160 किलोमीटर की दूरी 19 घंटे 50 मिनट में पूरी कर ली, जबकि इस रेस के लिए अधिकतम समय 28 घंटे निर्धारित था। करीब 400 धावकों के बीच अनुज ने 15वां स्थान हासिल कर भोपाल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। थार मरुस्थल की इस रेस में धावकों को दोपहर के 35 से 45 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान और रात में 5 से 8 डिग्री तक गिरती ठंड से जूझना पड़ता है। पूरे रूट में न पेड़, न छाया और न कोई आबादी-बस एक सीधी, अंतहीन सड़क, जो मानसिक और शारीरिक थकान को कई गुना बढ़ा देती है। रात होते ही तेज़ हवाएं और रेत के तीखे थपेड़े दौड़ को और चुनौतीपूर्ण बना देते हैं। कड़े कट-ऑफ और दूर-दूर बने ऐड स्टेशन्स के बीच अनुज ने अकेले हाइड्रेशन और ऊर्जा का प्रबंधन किया। घोर अंधेरे और सन्नाटे के बीच कदमों की आवाज़ के सहारे आगे बढ़ते हुए उन्होंने यह साबित किया कि असली ताकत शरीर से नहीं, मन से आती है।

अंतरराष्ट्रीय तानसेन समारोह का 101वां संस्करण आज से

जागरण, भोपाल/ग्वालियर। संगीत की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में आज 15 दिसंबर से विश्वविख्यात अंतरराष्ट्रीय तानसेन समारोह के 101वें संस्करण की शुरुआत हो रही है। गान मनीषी तानसेन की समाधि स्थल पर देश-विदेश के सुप्रतिष्ठित संगीतज्ञ स्वरांजलि अर्पित करेंगे। समारोह का आयोजन 19 दिसंबर तक किया जाएगा। उद्घाटन दिवस पर प्रातः 10 बजे पारंपरिक चादरपोशी, शहनाई वादन, हरिकथा और मीलाद गायन होगा, जबकि सायंकाल 6:30 बजे उद्घाटन एवं राष्ट्रीय तानसेन सम्मान और राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान अलंकरण समारोह के बाद संगीत सभाएं आयोजित होंगी। इस वर्ष राष्ट्रीय तानसेन सम्मान से पं. राजा काले (2024) और पं. तरुण भट्टाचार्य (2025) को सम्मानित किया जाएगा, वहीं राजा मानसिंह तोमर सम्मान साधना परमार्थिक संस्थान समिति, मण्डलेश्वर और रागायन, ग्वालियर को प्रदान किया जाएगा। पद्म पुरस्कारों से अलंकृत कलाकारों सहित देश-विदेश के ख्यात संगीतज्ञों की प्रस्तुतियां समारोह का आकर्षण रहेंगी।

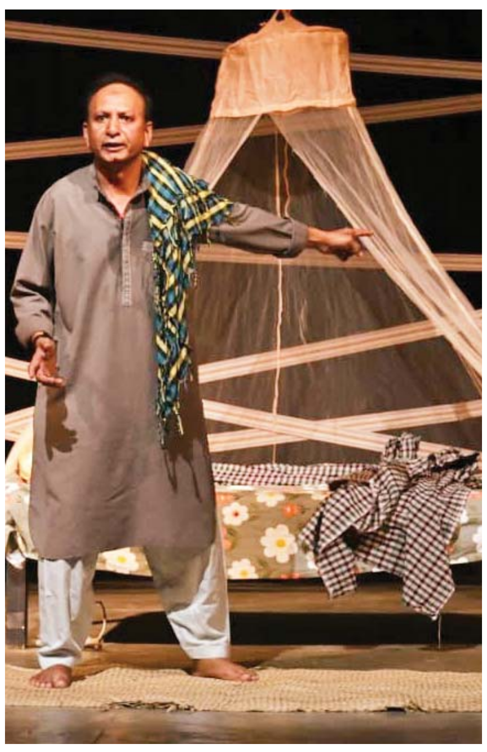

मंटो की बेबाक कलम से मंच तक

'पढ़िए कालिमा' के वैचारिक मंचन से हुआ रंग संस्कृति नाट्य समारोह का समापन

जागरण, भोपाल। रंग संस्कृति नाट्य समारोह के अंतिम दिवस की संध्या केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज से सवाल पूछने वाली एक सशक्त रंगयात्रा बन गई। राग बंध सभागार में रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप द्वारा मंचित उर्दू के चर्चित कथाकार सआदत हसन मंटो की कहानी पर आधारित नाटक 'पढ़िए कालिमा' ने दर्शकों को भीतर तक झकझोर दिया। विभाजन की पीड़ा, मनुष्य की अतृप्त इच्छाएं और स्त्री-पुरुष समानता जैसे मुद्दों को गहराई से उकेरते इस नाटक ने समारोह का प्रभावशाली समापन किया।

नाटक की कहानी

'पढ़िए कालिमा' की कहानी 1947 के आजादी और विभाजन के दौर की पृष्ठभूमि में रची गई है, जहां समाज दंगों, अविश्वास और टूटते मानवीय रिश्तों से गुजर रहा है। नाटक का केंद्र मनुष्य की इच्छाएं और उन्हें लेकर समाज की दोहरी मानसिकता है। मंटो की लेखनी के अनुरूप, यह कहानी स्त्री और पुरुष की आकांक्षाओं को समान धरातल पर रखकर सवाल खड़े करती है-क्या पुरुषों की इच्छाएं स्वाभाविक और जायज हैं, लेकिन वही इच्छाएं जब स्त्री व्यक्त करे तो अपराध क्यों बन जाती हैं? कहानी पितृसत्तात्मक समाज के उस चेहरे को उजागर करती है, जहां स्त्री की भावनाओं, उसकी भूख, उसकी तलाश को दबा दिया जाता है। यह कहानी केवल व्यक्तिगत संघर्ष की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की आलोचना है जो स्त्री-पुरुष के असमान संबंधों को सामान्य मान लेती है। नाटक यह संदेश देता है कि समाज की संरचना समानता पर टिकी होनी चाहिए। स्त्री अधिकारों की बात करते हुए 'पढ़िए कालिमा' आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना मंटो के दौर में था-शायद उससे भी अधिक।

संभावना गतिविधि में अहिराई और बधाई नृत्यों की प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रत्येक रविवार दोपहर 02 बजे से आयोजित होने वाली नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया गया। जिसमें पवनपुत्र यादव एवं साथी, सीधी द्वारा अहिराई नृत्य और हर्षा चौरसिया एवं साथी, सागर द्वारा बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

अहिराई नृत्य

पवनपुत्र यादव एवं साथी, सीधी द्वारा अहिराई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विंध्य में यादव समुदाय द्वारा 'अहिराई नृत्य', अहिराई-लाठी नृत्य', 'बीछी नृत्य', के साथ-साथ व्यापक स्तर पर अहीर समुदाय के नायकों एवं अन्य लोक नायकों की वीर गाथाएं गाई जाती हैं। यह गाथाएं अहीर गाथा गायन शैली एवं बिरहा गायन के रूप में प्रचलन में हैं, जिसमें चदैनी (महागाथा), छाहुर, ललना, चंदनुआ, गढ़ केउंटी, पदुम कंधइया आदि प्रमुख हैं। मान्यता अनुसार यह एक तरह की विवाह परम्परा है। पहले यह स्वयम्बर की तरह होता था। इस समुदाय के लोग एक सामूहिक उत्सव का आयोजन करते और इसमें युवक-युवतियां शामिल होते हैं। नृत्य में नगड़िया एवं शहनाई के साथ अन्य वाद्यों का प्रयोग किया जाता है।

बधाई नृत्य

हर्षा चौरसिया एवं साथी, सागर द्वारा बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल में जन्म विवाह और तीज-त्यौहारों पर बधाई नृत्य किया जाता है। मनौती पूरी हो जाने पर देवी-देवताओं के द्वार पर बधाई नृत्य होता है। इस नृत्य में स्त्रियां और पुरुष दोनों ही उमंग से भरकर नृत्य करते हैं। बूढ़ी स्त्रियां कुटुम्ब में नाती-पोतों के जन्म पर अपने वंश की वृद्धि के हर्ष से भरकर घर के आंगन में बधाई नाचने लगते हैं, और नेग-न्यौछावर बांटती हैं। इस नृत्य में ढपला, टिमकी, रमतूला और बांसुरी आदि वाद्य प्रयुक्त होते हैं।

अष्टा चंगा गेम, सब्जियों के खिलौने और प्राकृतिक इत्र खुशबू ने किया आकर्षित

परी बाजार की अंतिम शाम कव्वालियों के नाम रही....

जागरण, भोपाल। भोपाल। ऐतिहासिक गौहर महल रविवार की शाम सुर, साज़ और सूफ़ियाना रंग में सराबोर नजर आया, जब 'परी बाजार' के छठवें सीजन का भव्य समापन हुआ। वूमेन एजुकेशन एंड एम्पॉवरमेंट सोसायटी (वीस) द्वारा 'सशक्त मध्यप्रदेश' थीम पर आयोजित वार्षिक आयोजन 'बेगम्स ऑफ भोपाल' की अंतिम शाम जयपुर के प्रसिद्ध साबरी ब्रदर्स की रूहानियत भरी कव्वालियों के नाम रही। गुलाबी ठंड के बीच उस्ताद अमीन साबरी और तनवीर साबरी ने तू देर हो रहम का मालिक है, छाप तिलक सब छीनी, दमा दम मस्त कलंदर जैसी कव्वालियों से समां बांध दिया। श्रोताओं ने इश्क, इबादत और इंसानियत से भरी इस महफिल का भरपूर आनंद लिया। इससे पहले 'शाम-ए-गजल' में उस्ताद सलीम अल्लाहवाले ने बहुत बेचैन है दिल, हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी, रंजिश ही सही जैसी ग़ज़लों से माहौल को अदबी रंग दिया। कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब इंटरनेशनल सर्वोदय ने पिछले छह वर्षों से परी बाजार के सफल आयोजन के लिए 'बेगम्स ऑफ भोपाल' की टीम को एक्सीलेंसी इन वूमेन एंटरप्रेन्योर अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। परी बाजार के अंतर्गत आयोजित बुक रिव्यू सत्र, किड्स फैशन शो, ओपन माइक और क्विज प्रतियोगिता ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया।

मोहम्मद आसाफ खान

मेरे पास देवभपका मेटल प्रक्रिया से बने इत्र और खुशबू हैं। इसे तांबें और मिट्टी के बर्तन में तैयार किया जाता है। हर परफ्यूम ऑयल को तैयार होने 40 दिन लगते हैं। इससे पहले इसको तांबे के बर्तन में काली मिट्टी के नीचे 1 से 2 तक दबाकर रखते है। हर खुशबू के लिए प्राकृतिक रूप खेत और जंगलों से सामान इकठ्ठा करते हैं।

बैगा पेंटर

मैंने सब कुछ वेस्ट मटीरियल से बनाया है, वुडन होम डेकोर के आइटम और बच्चों के लिए खिलौने हैं। इस पर बैगा आर्ट की पेंटिग की है। मशरूम वॉल हैंगिंग बनाने के लिए मैंने मशरूम पर पेपर मैशे का इस्तेमाल करके चिड़िया बनाई हैं। लौकी, तोरी के भी खिलौने हैं। जिसे मैंने सुखाकर पेंट किया है।

पूनम महतो

मेरे पास हैंडमेड डायरी, बैग्स, की चैन हैं इन सबको हाथों से बनाया है। डायरी के पेज भी हैंडमेड है। कपड़ों को रीसाइकिल करके बैग बनाया गया है। इसके साथ ही अष्टा चंगा ये एक गेम है, इसमें पॉकेट भी है। इसमें गोटियां रखकर इसे तय करके कही भी रख सकते हैं। सफर में भी साथ लेकर जा सकते हैं और खेल सकते हैं।

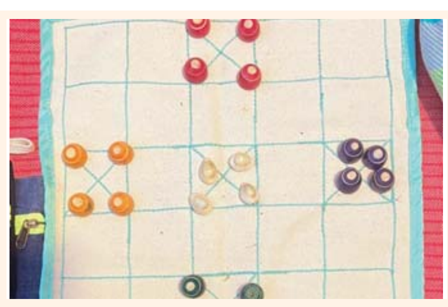

साहित्य केवल सौंदर्य नहीं, समाज की चेतना का माध्यम

जागरण, भोपाल। साहित्य केवल सौंदर्य बोध तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की चेतना और समय की आवाज है। यह विचार वरिष्ठ साहित्यकार एवं संस्कृतिकर्मी रामप्रकाश त्रिपाठी ने मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन, भोपाल जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित शायर इंद्रपाल सिंह 'तन्हा' के गजल संग्रह 'ठहरा हुआ वक्त' के लोकार्पण एवं चर्चा कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि यह संग्रह हमारे दौर की सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय स्थितियों का सशक्त दस्तावेज है। इसमें गजलें केवल काव्य सौंदर्य नहीं रचतीं, बल्कि प्रतिरोध की भाषा भी बनती हैं, जो शोर किए बिना भीतर तक असर छोड़ती हैं। गोष्ठी में शायर बद्र वास्ती और अपर्णा पात्रीकर ने संग्रह को दुष्यंत कुमार की परंपरा का विस्तार बताया। उन्होंने कहा कि तन्हा की शायरी मौजूदा व्यवस्था के हर पहलू पर बेबाकी से सवाल उठाती है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जेल मैनुअल में निःशक्तों के लिए सुविधाएं हों

जेल नियमावली (मैनुअल्स) में निःशक्तता-संबंधी सुविधाएं जरूरी बनायी जानी चाहिए। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते जेलों में निःशक्तता-संबंधी मदद मुहैया कराने के जो निर्देश दिये वो एक याचिका की उपज थे, जिसमें जी.एन. साईबाबा और स्टेन स्वामी के अनुभवों का इस्तेमाल करते हुए मौजूदा निःशक्तता कानून को बंदीघरों में लागू करने की मांग की गयी थी। दोनों व्यक्ति गंभीर शारीरिक दिक्कतों से ग्रस्त थे और उन्होंने कुछ सुविधाओं की मांग की थी जिससे कि वे जेल जीवन का सामना कर पाते; लेकिन राज्य ने इसमें देरी की या मना कर दिया, जिसके गंभीर नतीजे हुए। कैदियों के लिए समानता और सम्मान के साथ जीवन की संवैधानिक गारंटियों के साथ मेल बिठाते हुए, 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016' सरकारों के लिए यह जरूरी बनाता है कि वे अपने अधीन सभी सेवाओं के लिए निःशक्तता-संबंधी मदद सुनिश्चित करें। हालांकि, इस अधिनियम के क्रियान्वयन में कई नाकामियां ढांचागत हैं- जेल एक राज्य विषय है, वहीं केंद्र सरकार मॉडल जेल मैनुअल, कानूनों और परामर्शों के जरिए नीति को आकार देती है। निःशक्तताओं वाले कैदियों के बारे में हालिया राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों ने विशेष आवश्यकताओं को माना और उनकी पहुंच संभव हो सकने वाले बुनियादी ढांचे व प्रक्रियाओं का आह्वान किया, जबकि कई राज्यों के जेल मैनुअलों में किसी कैदी के शारीरिक सक्षम होने को लेकर अब भी पुरानी धारणाएं ही नजर आती हैं। एक अलहदा मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में जाति-आधारित विभाजन को असंवैधानिक ठहराया है और स्वतः पहल करते हुए कहा कि वह जाति, लिंग और निःशक्तता के आधार पर कैदियों से भेदभाव पर नजर रखेगा।

औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक जेल नियमों में सामाजिक पदानुक्रमों को समाहित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप साफ-सफाई का काम दलित और आदिवासी कैदियों का, जिनकी कैदियों के बीच नुमाइंदगी अपनी आबादी की तुलना में कहीं अधिक है, नियमित कार्यभार हो गया, और चलने-फिरने या बगैर मदद शौच सुविधाओं का इस्तेमाल करने में अक्षम कैदियों की सहायता के लिए जेल अधिकारियों पर कोई निर्दिष्ट जिम्मेदारी नहीं है। एनसीआरबी ने मानसिक बीमारी वाले कैदियों की एक ठीकठाक तादाद दर्ज की है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निःशक्तता के अनुसार अलग-अलग आंकड़े नहीं देने के लिए पहले ही निंदा की थी- मुरुगनंतम मामले (2025) में, जो नये आदेश को राष्ट्रव्यापी विस्तार प्रदान करता है। पर यह मान लेना वाजिब है कि कई कैदी जातीय पक्षपात और निःशक्तता दोनों का दंश अनुभव करते हैं। फिर भी, जेल के नियमों और निगरानी तंत्रों ने इस विचार को बार-बार सामान्य बनाया है कि कुछ लोगों द्वारा झेली जा रही परेशानी सजा का हिस्सा है, न कि ऐसी चीज जिसे राज्य को रोकने की जरूरत है। नये आदेश के बाद से, केंद्र और राज्यों को निःशक्तता-संबंधी सुविधाओं के बारे में कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से शामिल करने, और दाखिले के समय ही निःशक्तता की पहचान और व्यक्तियों की मदद करने के लिए जेल मैनुअलों में संशोधन की जरूरत है। इन उपायों के लिए ज्यादा धन की जरूरत है, जिसका मतलब है कि राज्य को अपनी उस कारावासीय तंगहाली से भी टकराना होगा, जिसमें वह जेलों की दंडात्मक और सुरक्षा क्षमता का विस्तार करने की एवज में अधिकारों की सुनिश्चितता से पल्ला झाड़ लेता है। जेल बजट को नये सिरे से डिजाइन करना होगा ताकि सुविधाओं तक पहुंच और भेदभाव से मुक्ति मुख्य जिम्मेदारियां बनायी जा सकें। अंत में, स्वतंत्र निरीक्षणों और जेलों के भीतर जाति व निश्शक्तता पर अलग-अलग किये हुए आंकड़ों के नियमित प्रकाशन से जन निगरानी में सहयोग किया जाना चाहिए, नहीं तो सुप्रीम कोर्ट के निर्देश कागजी शेर ही बने रहेंगे।

डिजिटल संरचना को सुरक्षित बनाने का महत्वपूर्ण कदम

डिजिटल सुरक्षा

प्रभात सिन्हा

> डीपफेक तकनीक के तहत ऑडियो, वीडियो या फोटो के क्षेत्र में ऐसी सिंथेटिक सामग्री तैयार होती है, जिसे देखकर आम आदमी ही नहीं, विशेषज्ञ भी भ्रमित हो जाते हैं। इसमें व्यक्ति की आवाज, चेहरे के भाव और बोलने का तरीका- सब कुछ वास्तविक प्रतीत होता है। प्रस्तावित कानून न केवल देश की डिजिटल संरचना को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इसे विश्व स्तर पर डीपफेक नियंत्रण के नीति निर्माण की प्रक्रिया में भारत की मजबूत उपस्थिति के रूप में भी देखा जा रहा है।

तेजी से बदलते तकनीकी संसार में आज बड़ा प्रश्न सिर्फ यह नहीं है कि तकनीक के क्या फायदे हैं, बल्कि यह भी है कि इसके क्या नुकसान हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के विकास ने चिकित्सा, शिक्षा, शोध और शासन के क्षेत्र में चमत्कारिक संभावनाओं को जन्म दिया है, तो इसने एक ऐसा खतरा भी उत्पन्न किया है जो वास्तविकता और झूठ के बीच की दीवार को लगभग गिरा चुका है। यह खतरा है डीपफेक तकनीक।

इसी गंभीर चुनौती को ध्यान में रखते हुए पिछले दिनों लोकसभा में शिवसेना सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे ने ऐतिहासिक विधेयक डीपफेक विनियमन बिल, 2024 पेश किया। यह प्रस्तावित कानून न केवल देश की डिजिटल संरचना को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इसे विश्व स्तर पर डीपफेक नियंत्रण के नीति निर्माण की प्रक्रिया में भारत की मजबूत उपस्थिति के रूप में भी देखा जा रहा है।

डीपफेक तकनीक के तहत ऑडियो, वीडियो या फोटो के क्षेत्र में ऐसी सिंथेटिक सामग्री तैयार होती है, जिसे देखकर आम आदमी ही नहीं, विशेषज्ञ भी भ्रमित हो जाते हैं। इसमें व्यक्ति की आवाज, चेहरे के भाव और बोलने का तरीका- सब कुछ वास्तविक प्रतीत होता है। डीपफेक में सोशल मीडिया से व्यक्ति की तस्वीरें ली जाती हैं और जेनरेटिव एडवर्सेरियल नेटवर्क तकनीक से नकली सामग्री तैयार की जाती है। डीपफेसलैब, डीपस्वैप और जाओ जैसे कई सॉफ्टवेयर कुछ ही घंटों में आज डीपफेक वीडियो बना सकते हैं।

एक ऐसा एआई आधारित वीडियो एडिटिंग टूल है, जो डीप लर्निंग एल्गोरिद्म की मदद से किसी व्यक्ति के चेहरे या आवाज को दूसरे वीडियो पर हूबहू फिट कर देता है। इससे वह वीडियो असली जैसा लगता है, जबकि वह पूरी तरह से नकली होता है। यह तकनीक खासतौर पर जीएएन का उपयोग करती है, जिसमें एक एआई मॉडल फर्जी सामग्री बनाता है और दूसरा उसकी वास्तविकता की जांच करता है।

हालांकि कुछ मायनों में इसके लाभ भी हैं। डीपफेक तकनीक ने फिल्म और मीडिया में क्रांति ला दी है। जिससे फिल्मों में मर चुके कलाकारों को वापस लाना या पुराने दृश्यों को नई तकनीक से दिखाना अब संभव हो गया है। इतिहास के महान नेताओं की डीपफेक वीडियो से छात्रों को इंटरैक्टिव और प्रभावशाली शिक्षा मिल रही है। अब विज्ञापन या कॉर्पोरेट ट्रेनिंग में आसानी से व्यक्तिगत टच जोड़ा जा सकता है — कम लागत और समय में। इस तकनीक से एक ही व्यक्ति को अलग-अलग भाषाओं में बोलते दिखाना संभव हो गया है, जिससे ग्लोबल कम्युनिकेशन आसान हुआ है।

दूसरी ओर इसके दुरुपयोग से कई समस्याएं भी सामने आई हैं। चुनावों में डीपफेक का उपयोग कर कई नेताओं के नकली वीडियो वायरल हुए, जिससे जनता को गुमराह किया गया। अभिनेत्रियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के अश्लील वीडियो बनाकर उनकी छवि खराब करने के कई मामले सामने आए हैं। आम लोगों के चेहरे और आवाज का उपयोग कर फर्जी कॉल, वीडियो या अश्लील क्लिप बना कर धमकाया जा रहा है।

यह तकनीक फिल्म पुनर्निर्माण, शिक्षा और शोध में उपयोगी साबित हो सकती है, पर इसका दुरुपयोग खतरनाक है। मसलन, राजनीतिक प्रोपेगेंडा, अफवाह, मानहानि, साइबर अपराध, और महिलाओं के खिलाफ डिजिटल यौन हिंसा में इसका दुरुपयोग किया जाता है। चिंताजनक है कि 96 प्रतिशत डीपफेक वीडियो अश्लील सामग्री के होते हैं, और इनमें से अधिकांश में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। विदेशी शक्तियां प्रोपेगेंडा फैलाने और सामाजिक विभाजन बढ़ाने के लिए इसका दुरुपयोग कर सकती हैं।

संसद में जो डीपफेक विनियमन विधेयक पेश किया गया है, उसमें कई प्रावधान किये गये हैं, जैसे सहमति की अनिवार्यता-यानी किसी व्यक्ति की छवि, आवाज या वीडियो का उपयोग करने से पहले पूर्वलिखित अनुमति अनिवार्य होगी। डिजिटल वॉटरमार्क-एआइ से बनायी गयी सभी सामग्री पर अनिवार्य लेबलिंग होगी। वाटरमार्क कंटेंट के कम से कम 10 प्रतिशत हिस्से में दिखना चाहिए। राष्ट्रीय डीपफेक टास्क फोर्स-डीपफेक की पहचान, रोकथाम और नयी तकनीकें विकसित करने के लिए विशेष टास्क फोर्स के गठन की बात है। कठोर दंड- दुर्भावनापूर्ण इरादे से डीपफेक बनाने पर कठोर सजा होगी।

चुनाव के समय या महिलाओं के खिलाफ अश्लील डीपफेक बनाने पर विशेष रूप से सख्त कार्रवाई होगी। डिजिटल साक्षरता अभियान-व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम में नागरिकों को डीपफेक की पहचान करने के तरीके सिखाये जायेंगे। सोशल मीडिया की जिम्मेदारी-प्लेटफॉर्म्स को 36 घंटे में आपत्तिजनक डीपफेक हटाना होगा। गंभीर मामलों में यह समयसीमा 24 घंटे होगी।

डीपफेक अपराधों की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि इनमें से अधिकांश सामग्री सीमापार सर्वरों, विदेशी तकनीकी प्लेटफॉर्मों और डार्क वेब जैसे गुप्त नेटवर्कों के जरिये प्रसारित होती है, जहां पहचान छिपाना आसान और कार्रवाई करना लगभग असंभव जैसा हो जाता है। स्पष्ट तौर पर डीपफेक पहचान की तकनीक 100 प्रतिशत सटीक नहीं है। हजारों ज्ञात और अज्ञात प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी रखना व्यावहारिक रूप से कठिन है। सोशल मीडिया कंपनियों को समय रहते अवैध कंटेंट हटाने, सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय तेजी से डीपफेक से होने वाले नुकसान को रोकने के लिये कानून और नीतियों को मजबूत कर रहा है। यूरोपीय संघ ने एआइ एक्ट के तहत सख्त पारदर्शिता नियम, मशीन-पठनीय लेबलिंग और करोड़ों यूरो के दंड का प्रावधान किया है। ब्रिटेन ने ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट लागू कर अंतरंग डीपफेक पर सीधे आपराधिक मुकदमे की राह खोल दी है, जबकि अमेरिका में टेक इट डाउन एक्ट और राज्य स्तरीय कानून राजनीतिक, अश्लील और धोखाधड़ी आधारित डीपफेक को तत्काल हटाने और सजा की व्यवस्था लागू कर रहे हैं।

कनाडा जागरूकता अभियानों के साथ कानूनी ढांचा सुदृढ़ कर रहा है, वहीं डेनमार्क और चीन सहमति-आधारित उपयोग, पहचान सत्यापन और सोशल मीडिया जिम्मेदारी पर जोर देकर सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। पर केवल कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है। लोगों को डिजिटल दुनिया में सच और भ्रम के बीच का फर्क बताना होगा, इसी उद्देश्य से स्कूलों में डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं में जागरूकता अभियान चलाना, महिलाओं के लिए विशेष सुरक्षा कार्यक्रम और चुनावी अवधि में संदेहास्पद सामग्री पहचानने के प्रशिक्षण जैसे कदम अनिवार्य हो जाते हैं। छात्रों, आम जनता और डिजिटल उपयोगकर्ताओं को यह सिखाना होगा कि डीपफेक की पहचान कभी-कभी छोटी-छोटी विसंगतियों, जैसे पलक झपकने के अप्राकृतिक पैटर्न, चेहरे के हावभाव और आवाज के मेल न खाने, या होंठों की गतियों में असंतुलन से भी की जा सकती है। डीपफेक विनियमन बिल केवल एक विधेयक नहीं, डिजिटल भारत का नैतिक संविधान बन सकता है। यह आधुनिक तकनीक के लाभों को अपनाते हुए उसके दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण लगाने का प्रयास है।

विधेयक सुनिश्चित करेगा कि यह यात्रा पारदर्शी और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के साथ आगे बढ़े। नागरिकों को भी जिम्मेदार बनना होगा। संदिग्ध वीडियो को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करने, डीपफेक का पता चलते ही तुरंत रिपोर्ट करने और अपने परिवार व दोस्तों को शिक्षित करने की जरूरत है। डिजिटल युग में सत्य-असत्य के बीच की लड़ाई तेज हो गयी है। पर यदि हम जागरूक रहें, कानून का पालन और एक-दूसरे की मदद करें, तो इस चुनौती से निपट सकते हैं। डीपफेक तकनीक एक दोहरी तलवार है। यह जहां एक ओर रचनात्मकता, तकनीकी प्रगति और संचार के नए दरवाज़े खोलती है, वहीं दूसरी ओर इसके दुरुपयोग से सामाजिक, नैतिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। इसलिए ज़रूरत है कि आम जनता भी सतर्क रहे, सोशल मीडिया पर कोई भी वीडियो बिना पुष्टि शेयर न करे, और सरकारें इस पर सख्त नियम बनाएँ। तभी हम डीपफेक को एक उपयोगी और नियंत्रित उपकरण बना सकते हैं, न कि एक डिजिटल विनाश का हथियार।

चीन की मौजूदगी का मुकाबला करने पर नौसेना का फोकस

भारतीय नौसेना

डॉ एलएस यादव

> वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है। भारतीय नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री डकैती और अन्य आपात स्थितियों में कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है।

वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना के विध्वंसक आईएनएस राजपूत ने 3 दिसम्बर, 1971 को देर रात विशाखापट्टनम के पास गाजी पनडुब्बी पर हमला करके उसे डुबो दिया। इसमें सभी सवार पाकिस्तानी नौसैनिक मारे गए। इसके अगले दिन 4 दिसम्बर, 1971 की रात को ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया गया। इस अभियान में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर दिया। इसमें भी अनेक पाकिस्तानी नौसैनिकों की जानें चली गईं, लेकिन भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस युद्ध की समाप्ति के बाद अगले वर्ष मई, 1972 में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी सम्मेलन हुआ, जिसमें 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान की गई।

उसके बाद से भारतीय नौसेना की युद्धक तैयारियां लगातार जारी हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी नौसेना ने अपनी युद्धक तैयारियों को प्रदर्शित करते हुए त्वरित तैयारी, आक्रामक युद्धाभ्यास और हथियारों के सटीक उपयोग के साथ पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया था। उत्तरी हिन्द महासागर में 'कैरियर बैटल ग्रुप' की मौजूदगी ने दबाव बनाकर यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तानी नौसेना अपने तट के समीप या अपने बंदरगाहों के भीतर ही बनी रहे। 'कैरियर बैटल ग्रुप' वह नौसैनिक समूह है जिसमें एक या उससे अधिक विमानवाहक पोत के साथ-साथ अन्य विध्वंसक युद्धपोत, फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल होती हैं। आज भी भारतीय नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री डकैती और अन्य आपात स्थितियों में कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है।

नौसेना की मुख्य संरचना तीन कमांड मुख्यालयों में विभाजित है। इनमें पूर्वी नौसेना कमांड का मुख्यालय विशाखापट्टनम में है और यह बंगाल की खाड़ी में संचालन का नियंत्रण करती है। दूसरी पश्चिमी नौसेना कमांड का मुख्यालय मुम्बई में है और यह अरब सागर में संचालन का नियंत्रण करती है, और तीसरी दक्षिणी नौसेना कमांड का मुख्यालय कोच्चि में है और यह प्रशिक्षण व तकनीकी कार्यों का संचालन व नियंत्रण करती है। वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है।

भारत की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने चार नवम्बर, 2025 को कहा था कि नौसेना में हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बल का लक्ष्य सन 2035 तक 200 से अधिक युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन करना है। वर्तमान में भारतीय नौसेना तकरीबन 145 युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन कर रही है। भारतीय नौसेना में मानवरहित नौका शामिल की जा रही हैं। इसका नाम मातंगी रखा गया है। इन नौकाओं से नौसेना की निगरानी क्षमता काफी बढ़ जाएगी। इन नौकाओं का निर्माण स्वदेशी कंपनी सागर डिफेंस कर रही है। अभी चार बोट शीघ्र मिलने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसी कुल 12 बोट बनाई जा रही हैं। ये नौकाएं 60 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं तथा इन्हें सेटेलाइट से संचालित किया जा सकता है।

भारतीय नौसेना ने समुद्री डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसी स्मार्ट तकनीक के परीक्षण में सफलता हासिल कर ली है। बीते दिनों नौसेना के कमांडर्स सम्मेलन में वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने बताया कि नौसेना की स्मार्ट तकनीक का परीक्षण सफल रहा है। इस परीक्षण में एक मॉडिफाइड जहाज पर 15,000 से ज्यादा सेंसर और एक कंप्यूटिंग नोड लगाए गए थे। लगभग दो वर्षों तक अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी में इसके परीक्षणों के बाद अब अगले वर्ष से बनाए जाने वाले प्रत्येक युद्धपोत, फ्रिगेट्स और डेस्ट्रायर में यह तकनीक लगी होगी।

अंतरिक्ष से भी अब भारतीय नौसेना दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख सकेगी। इसके लिए इसरो ने 2 नवम्बर, 2025 को भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) कम्युनिकेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस्ड उपग्रह है। इसकी मदद से नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी।

समंदर में भारत की ताकत बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक युद्ध क्षमताओं से लैस स्वदेशी युद्धपोत तारागिरी को 28 नवम्बर, 2025 को मुम्बई स्थित मझगांव डाक शिप बिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। प्रोजेक्ट-17ए श्रेणी के युद्धपोतों में पी-17 शिवालिक श्रेणी की तुलना में अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफएसटीएआर राडार, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, रॉकेट और तारपीडो शामिल हैं। इससे पहले स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे 24 नवम्बर, 2025 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया।

भारत का तीसरा स्वदेशी सर्वेक्षण पोत आईएनएस 'इक्षक' बीते 6 नवम्बर को भारतीय नौसेना में शामिल हो चुका है। अब भारतीय नौसेना के पास तीन ऐसे जहाज हो गए हैं। इससे पहले 'संध्याक' और 'निर्देशक' पिछले वर्ष नौसेना को मिल गए थे।

प्रसंगवश

महिलाओं पर हिंसा के मामलों में अमीर देश भी पीछे नहीं

ऋतु सारस्वत

> संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने विकसित देशों में महिलाओं की असुरक्षा का खुलासा किया है। 2024 में 50,000 महिलाओं की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। घरेलू तनाव, पितृसत्तात्मक दबाव और कमजोर कानून इसके प्रमुख कारण हैं, जो महिलाओं को हिंसा का शिकार बनाते हैं।

हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने उस सच की परतें खोल दी हैं जिसे आर्थिक उन्नति की चकाचौंध में बड़ी ही सजगता से छुपा कर रखने का प्रयास किया जाता रहा है। अमूमन यह विश्वास किया जाता है कि विकसित देश महिलाओं के आत्मसम्मान और सुरक्षा को लेकर बेहद सजग हैं। परंतु यूएन की रिपोर्ट इस मिथक से पर्दा उठाती है।

संयुक्त राष्ट्र के ड्रग्स और अपराध कार्यालय व विमिन द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक विकसित देशों में भी महिलाएं अपने घर में सुरक्षित नहीं हैं, चाहे बात अमेरिका की हो या फिर यूरोपीय देशों की। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2024 में 50,000 महिलाओं और लड़कियों की उसके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी वजह घरेलू तनाव, पितृसत्तात्मक दबाव, आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता के साथ ही कई देशों में कमजोर कानून और धीमी न्याय प्रक्रिया भी है।

किसी रिश्ते में हिंसा का उभरना अमूमन भावनात्मक शोषण से शुरू होता है। फिर वित्तीय शोषण और उसके बाद शारीरिक शोषण जैसे अधिक नियंत्रणकारी व्यवहारों में वह बदलता है। ऐसे में अक्सर शारीरिक शोषण की नौबत आने तक जीवन पूरी तरह उलझ चुका होता है। घर, बच्चे और वित्तीय मामले इस तरह से जुड़ जाते हैं कि इसे आसानी से छोड़ना मुश्किल हो जाता है।

यह सोच दुनिया भर में गहरी पैठ बनाए हुए है कि पुरुष प्रोवाइडर (प्रदाता) होते हैं और महिलाएं उनकी संपत्ति होती हैं। इसलिए विवाहित होने पर, महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पति की आज्ञा मानें, उनकी इच्छा के अनुसार कार्य करें और समान निर्णय लेने का प्रयास न करें। यदि वे इन मानदंडों का उल्लंघन करती हैं, तो दंड के तौर पर उन्हें शारीरिक हिंसा झेलनी पड़ सकती है।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को अमूमन या तो व्यक्तिगत मुद्दा करार दिया जाता है या कुछ बुरे पुरुषों के व्यवहार के रूप में देखा जाता है। हालांकि यह एक व्यापक, सामूहिक, सामाजिक समस्या है, जिसकी जड़ें मर्दानगी को केंद्र में रखकर बनाए गए सामाजिक मानदंडों में निहित हैं। सामाजिक रूप से निर्मित ये धारणाएं महिलाओं का ही व्यवहार निश्चित नहीं करतीं, ये पुरुषों को भी कथित मर्दाने स्वभाव को अपनाने के लिए बचपन से ही तैयार करती हैं।

जहरीली मर्दानगी की यह पाठशाला निरंतर इस तथ्य को स्थापित करती रहती है कि स्त्रियों पर नियंत्रण के लिए शारीरिक दंड आवश्यक है। मर्दानगी की इन सामाजिक कसौटियों पर खरा उतरने का दबाव लड़कों और पुरुषों पर होता है और यह हिंसात्मक व्यवहार को कम नहीं होने देता चाहे विकास की कितनी ही इबारतें लिखी जाएं।

।।गीता।।

श्लोक

ये मे मतमिदं नित्यमनुतिष्ठन्ति मानवाः।
श्रद्धावन्तोऽनसूयन्तो मुच्यन्ते तेऽपि कर्मभिः।।

भावार्थ

जो कोई मनुष्य दोषदृष्टि से रहित और श्रद्धायुक्त होकर मेरे इस मत का सदा अनुसरण करते हैं, वे भी सम्पूर्ण कर्मों से छूट जाते हैं।

जीवन दर्शन

एक ही अस्तित्व के दो रूप हैं आत्मा और परमात्मा

ऋग्वेद में बड़े दिलचस्प तरीके से बताया गया है कि किस तरह आपकी आत्मा जुड़ी हुई है ईश्वर से ऋग्वेद में आत्मा और परमात्मा के बीच के संबंधों की व्याख्या बड़े ही रोचक तरीके से की गयी है। इस व्याख्या से आत्मा (जीवात्मा) और परमात्मा (ईश्वर), दोनों को व्यापक रूप से समझने का अवसर मिलता है और आप ये भी जान पाते हैं कि एक आत्मा के रूप में आप इस संसार में क्या कर रहे हैं।

वेदों में आत्मा और परमात्मा के बीच संबंध को समझाया गया है, जिसमें जीवात्मा भोग-विलास में लिप्त है जबकि परमात्मा केवल साक्षी है। मोक्ष की प्राप्ति के लिए आत्मा को परमात्मा की शरण में जाना आवश्यक है, जिससे वह संसार के मोहजाल से मुक्त हो सके। वेद, हिन्दू धर्म और अध्यात्म का आधार है। इसमें आत्मा के अस्तित्व से लेकर ईश्वर तक की व्याख्या मिलती है। वेदों के माध्यम से हम न केवल एक आत्मा के रूप में खुद को समझ पाते हैं, बल्कि इस उस ब्रह्म को भी समझ पाते हैं, जिसके कारण हर चीज का अस्तित्व है। ऋग्वेद का श्लोक 'द्वा सुपर्णा सयुजा सखायासमानं वृक्षं परिषस्वजाते' आत्मा और परमात्मा के एकत्व को दर्शाता है। यह श्लोक बताता है कि आत्मा और परमात्मा एक ही अस्तित्व के दो रूप हैं, और केवल माया का पर्दा उन्हें अलग दिखाता है।

इस श्लोक का अर्थ है कि दो सुंदर पक्षी, जो घनिष्ठ मित्र हैं, एक ही वृक्ष पर साथ-साथ बैठे हैं। इसमें एक पक्षी को जीवात्मा बताया गया है जो संसार का फल (भोग-विलास) खा रहा यानि सुख भोग रहा, माया में उलझा है और दूसरा पक्षी परमात्मा है, जो केवल साक्षी रूप में देख रहा है, वह भोग नहीं करता बल्कि वह निष्क्रिय है। अगर इस श्लोक को ठीक से समझने की कोशिश करें, तो यह श्लोक कह रहा कि आत्मा के पास सीमित ज्ञान है, जिस कारण वह भोग में आसक्त होती है। जबकि परमात्मा सर्वज्ञ है, वह साक्षी रूप में उपस्थित रहता है और निर्लिप्त होता है। जीवात्मा बार-बार सांसारिक सुख-दुःख का स्वाद चखता है, जबकि परमात्मा उसी शरीर में रहते हुए भी केवल साक्षी रहता है, निष्पक्ष और शांत। यहाँ दोनों को एक समान बताया गया है, दोनों मित्र हैं, दोनों के पास चेतना है, लेकिन परमात्मा की स्थिति उच्चतर है क्योंकि वह संसार की नश्वरता समझता है और उसकी भौतिकता में उलझता नहीं। यह श्लोक हमें यह भी समझाता है कि आत्मा और परमात्मा अलग नहीं हैं। वे एक ही अस्तित्व के दो रूप हैं। ये अलग बात है कि आत्मा को यह बात हमेशा याद नहीं रहती, लेकिन ईश्वर इसे कभी नहीं भूलते। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार, जीव और ब्रह्म में कोई भेद नहीं है। यह केवल माया का पर्दा है जो भेद का भ्रम देता है।ऋग्वेद में यह भी कहा गया है कि परमात्मा ही सृष्टि का मूल कारण है। आत्मा उसका ही एक अंश है, जो शरीर में जन्म-मरण के चक्र में बंधा रहता है। आत्मा का मोक्ष तभी संभव है जब आत्मा, परमात्मा की शरण में जाती है। जब आत्मा परमात्मा की ओर लौटती है, तो वह संसार के मोहजाल से मुक्त होकर सच्चे आनंद की ओर बढ़ती है। इस श्लोक का सन्देश यह भी है कि परमात्मा हमारे ही भीतर स्थित है। जब हम उसकी ओर ध्यान करते हैं, तब संसार के भोगों से ऊपर उठकर वास्तविक शांति और मोक्ष की ओर अग्रसर हो सकते हैं। जीव को जब यह अनुभूति होती है कि वह अकेला नहीं है और भीतर एक शाश्वत साक्षी मौजूद है, तब उसका जीवन आध्यात्मिक रूप से रूपांतरित हो जाता है।

चंदा कुमारी

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

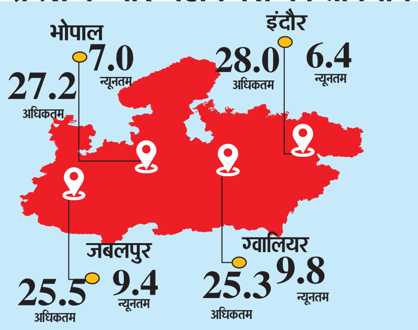

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	24.0	8.2
मुंबई	33.1	17.2
चेन्नई	34.0	16.5
कोलकाता	27.1	15.8

सूर्यास्त 5:37 PM
सूर्योदय 6:54 AM
चन्द्रोदय 1:53 AM
चन्द्रास्त 1:38 PM

अनोखा मंडपः दुल्हन का फेरों से इंकार, बारातियों से मांगे 10 लाख

वरमाला के बाद दुल्हन ने दूल्हा को बताया दिव्यांग, डेढ़ साल पहले हुई थी सगाई

जागरण, ग्वालियर। एक विवाह ऐसा भी! इस नाम से बनी फिल्म में भले ही दूल्हा-दुल्हन अंत में मिल जाते हैं, लेकिन ग्वालियर में विवाह में एक अनूठा विवाद सामने आया है। जब वरमाला हो गई, चढ़ावा भी चढ़ गया। मगर फेरों के पहले दुल्हन ने मंडप में आने से मना कर दिया। धीरे-धीरे पूरे घरवालों ने जनमासे को चारों ओर से घेरकर सारे बारातियों को बंधक बना लिया। फिर शुरू हुआ दबिश का दौर, और लड़की वालों ने 10 लाख की डिमांड रख दी। मौके पर ही 9 लाख रुपए नगद गिनवाने के बाद बारातियों को छोड़ा। वह भी सारे फोटो-वीडियो डिलीट कराने के बाद।

अब यह अनोखा विवाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का कारण बना हुआ है। आमतौर पर दूल्हे वालों के नखरों और मांगों के कारण शादियां टूटती है, लेकिन यहां लड़की और उसके घर वालों ने ही बारात लौटा दी। थोड़ी देर पहले जो बाराती नाचते-गाते दुल्हन ले जाने आए थे, वे अपमानित होकर बिना दुल्हन के लौटे। विवाह में यह अनूठा विवाद घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के बेलदारपुरा की है। खुद को अपमानित महसूस कर रहे दूल्हे प्रशांत और उसके पिता लोटन कुशवाह निवासी नादकिया की माता गुढ़ा ने थाने में रविवार को शिकायत दर्ज कराई है। दूल्हे के पिता का आरोप है कि दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हा पक्ष के बारातियों को बंधक बना लिया और 10 लाख रुपए की मांग की। उनके बेटे की शादी बेलदार का पुरा में रहने वाले धर्मजीत कोठारी कुशवाह की बेटी से 11 दिसंबर को होने वाली थी। बारात भी पहुंची और स्टेज पर वरमाला भी हुई। दुल्हन ने यह कहते हुए शादी से मना कर दिया कि दूल्हा दिव्यांग है। जबकि डेढ़ साल पहले सगाई हुई थी। दोनों परिवार एक-दूसरे को अच्छे से जान गए हैं। दुल्हन पक्ष के लोगों ने शादी में गए फोटो ग्राफर को बंधक बना लिया और फोटो व वीडियो डिलीट करने के लिए धमकाया। दुल्हा पक्ष ने 9 लाख रुपए एकत्र करके दिए और रुपए के लेनदेन का पंचनामा भी बनाया। लेकिन इसके बाद ही वे लोग छूट सके और बारात को खाली हाथ घर लौटना पड़ा। पुलिस ने दूल्हे के पिता की शिकायत पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

इंदौर में आयोजित द ग्रैंड वॉकाथॉन-2025 ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

जागरण, इंदौर। एनीमिया और अंगदान के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित द ग्रैंड वॉकाथॉन-2025 ने इंदौर में नया इतिहास रच दिया। रविवार सुबह नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर पलासिया चौराहा होती हुई वापस नेहरू स्टेडियम पर समाप्त हुई इस वॉकाथॉन में 108 संस्थाओं के 6100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन में अपना नाम दर्ज कराया।

आयोजकों के अनुसार रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने ड्रोन कैमरे के जरिए प्रतिभागियों की गिनती की, जिसमें 6128 लोगों की सहभागिता दर्ज हुई। इससे पहले अंगदान जागरुकता से जुड़ा विश्व रिकॉर्ड 3006 प्रतिभागियों का था, जिसे इस बार दोगुने से अधिक आंकड़े के साथ तोड़ा गया। इस वॉकाथॉन का आयोजन मित्ताशा फाउंडेशन द्वारा किया गया था। फाउंडेशन के संस्थापक आलोक सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि समाज को एनीमिया और अंगदान जैसे गंभीर स्वास्थ्य विषयों के प्रति संवेदनशील बनाना था। उन्होंने कहा कि अंगदान से जुड़े भ्रमों को तोड़ना और लोगों को आगे आने के लिए प्रेरित करना इस अभियान की प्राथमिकता रही।

किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट करा चुके 9 लोग शामिल

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें 9 ऐसे लोग भी शामिल हुए, जिन्हें पूर्व में किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट हो चुका है। इसके अलावा वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स, जर्मनी में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके 7 खिलाड़ी भी वॉकाथॉन का हिस्सा बने। इन खिलाड़ियों ने बताया कि अंगदान ने उन्हें नया जीवन दिया है और इससे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। वॉकाथॉन में आम नागरिकों के साथ छात्र, डॉक्टर, सुरक्षा बलों के जवान, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए।

स्वस्थ लोगों से ही मजबूत बनता है देशः लालवानी

इस दौरान सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि स्वस्थ लोगों से ही मजबूत देश बनता है और अंगदान से किसी की भी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि एनीमिया के बारे में जागरुकता युवाओं के अच्छे भविष्य के लिए आवश्यक है। अच्छे कामों में इंदौर हमेशा आगे रहता है और यह वॉकाथॉन पूरे देश को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश देगी।

हाइपेरियन-पावर्ड टाटा सिएरा ने बनाया नया माइलेज रिकॉर्ड

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की नई टाटा सिएरा ने भारत में एक नया फ्यूल एफिशिएंसी रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया है। इंदौर के नैटरैक्स ट्रैक पर 12 घंटे तक चले टेस्ट में सिएरा ने 29.9 किमी प्रति लीटर का माइलेज हासिल किया, जिसके बाद इसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। पिक्सेल मोशन टीम ने 30 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक लगातार वाहन चलाया और केवल ड्राइवर बदलने के लिए मामूली ब्रेक लिए। इस प्रदर्शन के केंद्र में है नया 1.5ली हाइपेरियन पेट्रोल इंजन, जो एडवांस्ड कंबशन सिस्टम, टॉर्क-रिच परफॉर्मेंस और फ्रिक्शन-ऑप्टिमाइज्ड आर्किटेक्चर से लैस है।

प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित नया थिंक टैंक 'भारत की सोच' लॉन्च

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 'भारत की सोच' नामक नए थिंक टैंक की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से सीख लेकर समकालीन नीतिगत विमर्श को नई दिशा देना है। कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब ऑफ इंडिया में नेविगेटिंग ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन ग्लोबल अनसर्टेन टाइम्स विषय पर आयोजित सम्मेलन के साथ इसकी औपचारिक लॉन्चिंग हुई। कार्यक्रम में पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी, पूर्व विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर, एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती, इंडिया फाउंडेशन के राम माधव और पूर्व उच्चायुक्त टी.सी.ए. राघवन सहित कई प्रमुख नीति विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

विपक्ष होता कौन है, इस्तीफा मांगने का हक नहीं : बागरी

जागरण, डिंडोरी। गांजा तस्करी में भाई और बहनोई की गिरफ्तारी के बाद सुर्खियों में बनीं प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिमा बागरी ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए विपक्ष पर पलटवार किया है। उन्होंने इस्तीफा मांग रहे विपक्षी नेताओं को जवाब देते हुए कहा है कि विपक्ष इस्तीफा मांगने वाला होता कौन है। मंत्री बागरी ने रविवार को डिंडौरी में मीडिया के सवालों के जवाब में यह बात कही। अपने प्रभार वाले जिले में सरकार की उपलब्धियां गिनाने पहुंचीं मंत्री बागरी से पार्टी संगठन द्वारा भोपाल तलब किए जाने पर भी सवाल किया गया तो उन्होंने एक बार फिर मीडिया को निशाने पर लेते हुए पूछा कि आपको किसने बोला कि मुझे तलब किया गया था । हालांकि अपने भाई-बहनोई की गिरफ्तारी के बाद पहली बार उन्होंने जवाब दिया है। डिंडोरी आगमन पर भी विपक्ष प्रदर्शन की तैयारी में था। इसके संकेत मिलने पर प्रशासन ने उनके काफिले का मार्ग बदल दिया।

बैंक ऑफ बड़ौदा को मिला 'बेस्ट बैंक इन इंडिया' अवार्ड

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा को फाइनेंशियल टाइम्स के प्रकाशन 'द बैंकर' पत्रिका द्वारा प्रतिष्ठित बैंक ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2025 के तहत बेस्ट बैंक इन इंडिया से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार बैंक ऑफ बड़ौदा की उत्कृष्टता, नवाचार और बैंकिंग उद्योग में बैंक के उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। यह बैंक के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा, बेहतर ग्राहक अनुभव और भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। डॉ. देबदत्त चांद, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा ने इस उपलब्धि पर कहा कि बेस्ट बैंक ऑफ इंडिया के रूप में यह सम्मान बैंक ऑफ बड़ौदा की सतत् और स्थायित्वपूर्ण व्यवसाय वृद्धि और ट्रांसफॉर्मेशन यात्रा को मान्यता प्रदान करता है। राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए, विजेताओं का चयन वित्तीय कार्य निष्पादन, कार्यनीतिक पहलों, तकनीकी नवाचारों, संवहनीयता से जुड़े कार्यक्रमों और रिटेल एवं कॉर्पोरेट ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं जैसे कई मापदंडों के आधार पर किया जाता है।

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में लगी आग, मचा हड़कंप

जागरण, रीवा। जिले से बड़ी खबर सामने आई है। जहां संजय गांधी अस्पताल में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि हॉस्पिटल की गायनी ओटी में आग लगने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अब तक जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल प्रशासन और दमकल विभाग की टीम मौके पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। आग लगते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

एलएनसीटी में वॉलीबॉल प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले जारी

भोपाल। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के तत्वावधान में एलएनसीटी विश्वविद्यालय द्वारा एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड, भोपाल में आयोजित वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता 2025-26 के मुकाबले अब निर्णायक चरण में पहुंच गए हैं। पूल 'सी' के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने कर्मवीर यूनिवर्सिटी, सतारा को 3-1 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कौशल दास विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर को 3-0 से हराकर टॉप-4 में अपनी जगह सुनिश्चित की। वहीं, पूल 'डी' के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पारुल यूनिवर्सिटी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, सीकर को 3-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पारुल यूनिवर्सिटी ने भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे को 3-0 से हराकर टॉप-4 में स्थान पक्का किया। प्रतियोगिता में इससे पूर्व ही लोक जागृति यूनिवर्सिटी एवं मणिपाल यूनिवर्सिटी टॉप-4 में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी हैं। अब टॉप-4 की चारों टीमों के मध्य लीग आधार पर मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजन समिति द्वारा प्रणव मजूमदार को प्रतियोगिता निदेशक तथा पी.एस. ठाकुर को तकनीकी निदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एफजीएसएन (एफजीएसएन) के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे देशभर के खेल प्रेमी मुकाबलों का सीधा आनंद ले रहे हैं।

एलजी ने लॉन्च की एआई डीडी 2.0 तकनीक वाली नई वॉशिंग मशीन रेंज

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने अपनी नई वॉशिंग मशीन रेंज लॉन्च की है, जिसमें वॉशर-ड्रायर, फ्रंट लोड और टॉप लोड सहित 10 उन्नत मॉडल शामिल हैं। यह रेंज नवीन एआईडीडी 2.0 तकनीक से लैस है, जो कपड़ों के प्रकार और गंदगी के स्तर को पहचानकर स्वतः सबसे उपयुक्त वॉश साइकल चुनती है। एआई डिटेक्शन। वॉशिंग परफेक्शन। स्लोगन के साथ पेश की गई इस रेंज में बेहतर फैब्रिक केयर, उच्च दक्षता और स्मार्ट कनेक्टिविटी का अनुभव मिलता है।

भारत मंडपम में दो दिवसीय इंटरनेशनल जनमंगल सम्मेलन

नई दिल्ली। भारत मंडपम में दो दिवसीय इंटरनेशनल जनमंगल सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें योग और उपवास के दो प्रसिद्ध संतों योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में, एक जन आंदोलन हर मास - एक उपवास (हर महीने 7 तारीख को एक बार उपवास) शुरू किया गया। यह द्वि-दिवसीय सम्मेलन 4 सत्रों में जनमंगल की सम्यग्दृष्टि - उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन पर केंद्रत है। दोनों युग-पुरूषों ने जनमंगल के लिए हर मास एक उपवास महाभियान से मानवता को समस्त सिद्धिदायक महामंत्र देने का संकल्प किया है। इस आंदोलन से देश के प्रमुख संतगण, राजनेता तथा विख्यात हस्तियों के साथ-साथ दुनिया भर में लाखों लोग जुड़ चुके हैं। सम्मेलन का अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए माननीय लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि भारत मंडपम की यह भूमि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विज्ञान का अद्भुत साक्षी बन रहा है। पूज्य अंतर्मना ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, विज्ञान, वैयक्तिक विकास व आत्म विकास के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इनका तप-तपस्या अद्भुत है। सम्मेलन में भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एन. पी. सिंह, आचार्य लोकेश मुनि, महंत बालकनाथ योगी जी महाराज, बाबा सत्यनारायण मौर्य और पतंजलि रिसर्च इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने उपवास विज्ञान पर व्याख्यान दिए।

मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण)
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462004
क्रमांक GAD/56/0007/2025-GAD-12 (1) 01 (GAD) स्टे. 2820 भोपाल, दिनांक 08/12/25

// ई-निविदा सूचना //

माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय/निवास कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय, अपर मुख्य सचिव कार्यालय, सामान्य प्रशासन विभाग तथा मध्यप्रदेश मंत्रालय में संचालित विभिन्न विभागों के कार्यालयीन उपयोगार्थ लेखन सामग्रियों का क्रय करने ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

1	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र मूल्य एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस	1,000/- (रुपये एक हजार मात्र)+ प्रोसेसिंग फीस
2	निविदा फार्म ऑनलाईन क्रय करने की प्रारंभ तिथि व समय	दिनांकः- 15/12/2025 समय :- अपरान्ह12:00 बजे से
3	निविदा हेतु प्री-बिड बैठक की तिथि व समय	दिनांकः- 24/12/2025 समय :- अपरान्ह 12:00 बजे
4	निविदा फार्म ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक- 07/01/2026 समय :- अपरान्ह 12:00 बजे
5	निर्धारित अवधि में प्राप्त ऑनलाइन निविदाओं को खोलने की तिथि व समय	1. टेक्निकल बिड- दिनांक 09/01/2026 समयः-अपरान्ह 12:00 बजे 2. फायनेंशियल बिड - दिनांक 09/01/2026 समय :- अपरान्ह 12:30 बजे
6.	प्राप्त निविदाएं खोलने का स्थान	वल्लभ भवन क्रमांकः-1, कक्ष क्र. 116
7.	निविदाएं खोलने के समय निविदाकारों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।	वल्लभ भवन क्रमांकः-1, कक्ष क्र. 116

Digitally signed by Manoj Shrivastava
Date: 05-12-2025 16:23:34

अवर सचिव (अधीक्षण)
मध्यप्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

जी-22696/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (वि./यॉ.)
लोक निर्माण विभाग, वि./यॉ. संभाग क्र. -2, बारह दफ्तर परिसर, जवाहर चौक, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

सूचना प्रकाश क्रमांक. 27/व.ले.लि./2025-26 भोपाल, दिनांक : 09/12/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि	धरोहर राशि	निविदा राशि
1	2025_PWDRB_467076_1	19/SAC/2024-25	पोल शिफ्टिंग एवं डिसमेंटलिंक 11 केव्ही एल टी लाईन पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग एवं कन्स्ट्रक्शन आर ओ बी लेवल क्रांसिग 279 गुलाबगंज जिला विदिशा	पंचम आमंत्रण	3121000.00	50000.00	5000.00
	योगः-				3121000.00		

नोटः- निविदा विक्रय दिनांक 09/12/2025 प्रातः 10:30 बजे से निविदा विक्रय अंतिम दिनांक 26/12/2025 सांय 5:30 बजे तक एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करना है । निविदा की निर्धारित तिथियों में या अन्य होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

(इंजी. हिमांशु उपाध्याय)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.(वि./यां.) संभाग क्र. 02 भोपाल

जी-22723/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी, मध्यप्रदेश, भोपाल, 0755-2772262
क्रमांक 15794/2025-26/भोपाल, दिनांक. 08/12/25

निविदा सूचना

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से "Selection of Consultant for activities related to state or GOI funded schemes, Breed improvement, management of stray cattle's, Investment promotion & Investment facilitation in the Dairy and Livestock Sector" under the Department of Animal Husbandry & Dairying, Government of Madhya Pradesh. e-procurement प्रणाली Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है ।

स.क्र.	विवरण	निविदा प्रपत्र जारी करने का दिनांक	निविदा राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम दिनांक
NIT NO MPDAH 61/2025	संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से "Selection of Consultant for activities related to state or GOI funded schemes, Breed improvement, management of stray cattle's, Investment promotion & Investment facilitation in the Dairy and Livestock Sector" under the Department of Animal Husbandry & Dairying, Government of Madhya Pradesh. ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकार का टर्न ओव्हर वर्ष 2024-25 का रुपये 1000.00 लाख होना अनिवार्य है।	15-12-2025	1000+ Processing Fees	रुपये 5.00 लाख की धरोहर राशि ऑनलाईन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है।	05-01-2026 शाम 5:30 तक

1. निविदा प्रपत्र उपर वर्णित बेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा का अनुमानित मूल्य 240 लाख है।
3. निविदा में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में उक्त संशोधन www.mptenders.gov.in. तथा http://www.mpdah.gov.in अपलोड़ किया जाएगा।

जी-22714/25

दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें ।

संचालक
पशुपालन एवं डेयरी, मध्यप्रदेश भोपाल

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. 07582-220840 ईमेल आई.डी. cepwdsagar@mp.nic.in
एनआईटी नं.-36/2025-26/ केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण सागर दिनांक 04.12.2025
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है:-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB_462445_1	दोनी से गउवा पुरवा मार्ग लं 2.70 कि.मी. एवं मुख्य मार्ग मउमासनिया के पहल धवाड पहुंच मार्ग लं 1.20 कि.मी. कुल लंबाई 3.90 का निर्माण कार्य	छतरपुर	573.09	573090.00	20000.00	08 माह	प्रथम
2	2025_PWDRB_466115_1	शक्ति की मढिया खजुराहो से स्नेहफाल मार्ग लं 13.00 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित	छतरपुर	1882.41	1000000.00	30000.00	14 माह	प्रथम
				2455.50				

1 निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in/ पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिड/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 05.12.2025 समय 17.30 बजे से दिनांक 22.12.2025 समय 17:30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-22693/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) - 462002
ई मेल : eephedqcbpl@mp.gov.in दूरभाष क्रमांक- 0755-2661511
क्रमांक : 27/तक/का.यं./लो.स्वा.यां.वि./गु.नि.इ.खंड/भोपाल 2025-26 दिनांक-09.12.2025

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर अपेंडिक्स 2.1 पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से 'प्रमुख अभियंता कार्यालय, गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड एवं राज्य अनुसंधान प्रयोगशाला में आउटसोर्स के माध्यम से सुरक्षाकर्मी, प्लंबर, लिफ्ट ऑपरेटर की व्यवस्था के कार्य के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09.12.2025 से दिनांक 24.12.2025 को 18:00 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 24.12.2025 को 18:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 26.12.2025 को 18:00 बजे खोली जावेगी। बेवसाईट www.mptenders.gov.in (E-Tender No. 2025 PHED 467189 1. PHED Date 09.12.2025)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	प्रमुख अभियंता कार्यालय, गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड एवं राज्य अनुसंधान प्रयोगशाला में आउटसोर्स के माध्यम से सुरक्षाकर्मी, प्लंबर, लिफ्ट ऑपरेटर की व्यवस्था का कार्य।	रु. 3001442.00 (रु. तीस लाख एक हजार चार सौ बयालीस मात्र)	रु. 50000.00 (रु. पचास हजार मात्र)	रु. 5000.00 (रु.पांच हजार मात्र)	365 दिवस

✓ विस्तृत शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।
✓ मुख्य तिथियां
- क्रय करने की तिथि : 09.12.2025 से
  : 24.12.2025 बजे तक
- जमा करने की अंतिम तिथि : 24.12.2025 18:00 बजे तक
- लिफाफा 'ए' खुलने की तिथि : 26.12.2025 18:00 बजे तक

जी-22702/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

संक्षिप्त खबरें

सीएम अगले माह जाएंगे दावोस वैश्विक निवेशकों से करेंगे चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अगले माह स्विट्ज़रलैंड के दावोस जाएंगे, जहां वे वैश्विक निवेशकों से मध्य प्रदेश में निवेश और विकास के अवसरों पर चर्चा करेंगे। डॉ. यादव विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के निमंत्रण पर 19 जनवरी को पांच दिवसीय यात्रा पर दावोस जाएंगे। जानकारी के अनुसार वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के आमंत्रण पर डॉ. यादव 19 से 23 जनवरी के बीच दावोस में आयोजित होने वाली मंच की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री वैश्विक उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति निर्धारकों से संवाद करेंगे। इस दौरान मध्य प्रदेश में निवेश के अवसर, औद्योगिक विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, अधोसंरचना और रोजगार सृजन से जुड़ी योजनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी रहेगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री सचिवालय, उद्योग, ऊर्जा, तकनीकी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अधिकारी शामिल रहेंगे। सरकार का उद्देश्य इस दौरे के माध्यम से मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर और मजबूत करना है। सम्मेलन के दौरान संभावित निवेश प्रस्तावों, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक भागीदारी को लेकर अहम बैठकें होने की संभावना है।

फूड एंड सेफ्टी ऑफिसर भर्ती परीक्षा देने नहीं पहुंचे 41 फीसदी विद्यार्थी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने रविवार को फूड एंड सेफ्टी ऑफिसर भर्ती परीक्षा आफलाइन आयोजित कराई। परीक्षा दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक रखी गई। एमपीपीएससी ने 67 पदों के लिए करीब 42 हजार 592 उम्मीदवारों के लिए प्रवेश पत्र जारी किए, जिसमें से 25 हजार 129 (59 फीसदी) विद्यार्थी ही परीक्षा देने केंद्रों तक पहुंचे। 17 हजार 463 (41 फीसदी) परीक्षा देने नहीं पहुंचे।

प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में दर्ज हुई 59 फीसदी उपस्थिति

एमपीपीएससी ने परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 111 केंद्र बनाए थे। इंदौर में 44 केंद्र पर 17 हजार 72 उम्मीदवारों की परीक्षा रखी गई थी। भोपाल में एमवीएम, भोपाल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, राजीव गांधी कालेज समेत 29 परीक्षा केंद्रों पर 11 हजार 318 उम्मीदवारों को परीक्षा देना थी, जिसमें से 56 फीसदी उम्मीदवार ही परीक्षा देने पहुंचे। एमवीएम की प्राचार्य डॉ. गीता मोदी ने बताया कि परीक्षा के लिए कालेज में 250 उम्मीदवारों की परीक्षा देने के लिए इंतजाम किए गए थे। इसमें से 137 ही परीक्षा देने के लिए पहुंचे। परीक्षा के दौरान उड़नदस्ता भी पहुंचा। यहां तक कुछ पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए, ताकि उम्मीदवार परीक्षा में नकल नहीं कर सकें। जबलपुर में 23 केंद्रों पर आठ हजार 960 और ग्वालियर के 15 परीक्षा केंद्रों पर पांच हजार 242 उम्मीदवारों को परीक्षा देना थी। एमपीपीएससी ओएसडी आर पंचभाई ने बताया कि परीक्षा प्रदेश के चार बड़े शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा की निगरानी करने के लिए उड़दनस्ते तैयार किए गए थे।

आयुष की खाली सीटों को भरने काउंसलिंग का एक और राउंड

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के सरकारी व निजी आयुष कॉलेजों में 1100 से ज्यादा सीटें खाली हैं। इनमें बीएएमएस, बीएचएमएस और बीयूएमएस कोर्सेस शामिल हैं। काउंसलिंग के सभी राउंड हो जाने के बाद भी कॉलेजों में सीटें रिक्त रह गईं। इस स्थिति को देखते देखते हुए केंद्र ने काउंसलिंग का एक और चरण शुरू करने की सहमति दे दी है। आयुष संचालनालय द्वारा जो

प्रदेश के आयुष कॉलेजों में 1100 से ज्यादा सीटें खाली

शेड्यूल जारी किया गया है उसके मुताबिक 15 दिसंबर को रिक्त सीटों की स्थिति, मेरिट सूची का प्रकाशन व पात्रताधारी अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 16 दिसंबर को च्वाइस फिलिंग, 17 दिसंबर को महाविद्यालयवार मेरिट सूची का प्रकाशन, 18 को कॉलेज स्तर पर रिपोर्टिंग करने तथा रिपोर्टेड अभ्यर्थियों की मेरिट सूची का प्रकाशन, 19 दिसंबर को महाविद्यालय में सायं सात बजे तक प्रवेश हो सकेंगे। प्रवेशित छात्र 19 दिसंबर को ही सायं 08 बजे तक प्रवेश निरस्त भी करा सकते हैं। प्रदेश में 39 आयुर्वेद, 20 होम्योपैथी व 4 यूनानी समेत 63 आयुष कॉलेज संचालित हैं जहां कुल साढ़े चार हजार लगभग सीटें हैं। इनमें से 1100 के आस पास खाली हैं।

दिल्ली में शाह से मिले सीएम, 25 को ग्वालियर आएंगे केंद्रीय गृह मंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव रविवार को दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास पर मिले। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर ग्वालियर में आयोजित कल्याणकारी कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। शाह ने 25 दिसंबर को ग्वालियर आने का आश्वासन दिया।

कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर दी बधाई: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि नबीन की अटूट निष्ठा, समर्पण, कार्यकुशलता व व्यापक अनुभव से निश्चित ही संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नबीन ने भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार में प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के साथ छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी के रूप में संगठन के हर दायित्व को निष्ठा और सफलता से निभाया।

मध्यप्रदेश उत्सव का समापन: मप्र भवन में आयोजित मप्र उत्सव का रविवार को समापन हो गया। अंतिम दिन सांस्कृतिक संध्या में उज्जैन की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार हीरामणि वर्मा ने मटकी लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। भोपाल की कलाकार क्षमा मालवीय के निर्देशन में नृत्य नाटिका की स्तुति दी गई। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं भावनात्मक रूप से गहराई तक प्रभावित किया। नृत्य नाटिका में मां नर्मदा की उद्गम कथा, उनके आध्यात्मिक महत्व तथा देवों, ऋषि-मुनियों एवं भगवान शिव से जुड़े प्रसंगों का सजीव चित्रण किया गया। आवासीय आयुक्त श्रीमती रश्मि अरुण शमी को (मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग को) मोस्ट इन्फॉर्मेटिव श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है।

वन्य जीवों की प्यास बुझाने करोड़ों खर्च, फिर भी सूखते हैं स्रोत

वन बल प्रमुख ने पत्र लिखकर जताई चिंता, मध्यप्रदेश में पिछले वर्षों में वन जल प्रबंधन पर करोड़ों रुपए खर्च, लेकिन नहीं हुए कोई ठोस काम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में वन जल प्रबंधन को लेकर करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन बजट की तुलना में जल प्रबंधन के काम नहीं कराए गए। इस पर वन बल प्रमुख ने भी चिंता जताई है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश की अधिकांश नदियों का वन क्षेत्रों से उद्गम होता है। ऐसे में वन क्षेत्र से निकलने वाली इन नदियों के प्रबंधन के लिए छोटे-बड़े नाले, तालाब, नहर, स्टॉप डैम और अन्य जल स्रोतों का प्रबंधन वन विभाग द्वारा ही किया जाता है। इसके लिए सरकार ने केपा फंड के तौर पर राशि विभाग को बजट आवंटित किया जाता है।

जानकारों की मानें तो विभाग को प्रदेश सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में केपा फंड के रूप में 1038.54 करोड़ वन और वन्यजीव प्रबंधन के लिए स्वीकृत किए हैं, जिसमें 80 प्रतिशत वन प्रबंधन पर और 20 प्रतिशत बुनियादी ढांचे पर खर्च किया जाना था। जानकारों की मानें तो विभाग को इस फंड के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के साथ-साथ वन संरक्षण करना होता है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस बजट पर जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। अब कुछ ऐसी ही चिंता वन बल प्रमुख वीएन अम्बाड़े द्वारा भी जताई गई है। उन्होंने सभी टाइगर रिजर्व और वन अधिकारियों को इसके लिए बकायदा पत्र भी लिखे हैं, जिसमें साफ तौर पर कहा है कि यदि जल प्रबंधन नहीं किया गया, तो नदियों का प्रवाह टूटेगा और नदियां केवल मौसमी यानि कि बरसात के मौसम में ही अपने स्वरूप में रहेगा। उन्होंने कहा कि वन और जल प्रबंधन साथ-साथ होना चाहिए, अगर ऐसा नहीं हुआ तो मानव और वन्यजीवों के बीच इसे लेकर दंद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा है कि जल स्त्रोतों के समुचित प्रबंधन के बिना वन क्षेत्र का प्रबंधन अधूरा है। वन बल प्रमुख ने इस बात पर आश्चर्य जताया है कि वर्तमान में वृक्षारोपण और वन प्रबंधन के दौरान जल प्रबंधन को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है,जबकि यह अत्यंत आवश्यक है। अंबाडे ने अपने पत्र में कहा है कि इस लापरवाही के चलते पहले भी कई नदियां अपना अस्तित्व खोने की स्थिति के करीब पहुंच चुकी हैं। वन बल प्रमुख ने कहा कि जल स्रोत अपने आप में एक जलीय इकोसिस्टम हैं, जहां अधिक जैव विविधता पाई जाती है और इसी पर क्षेत्र के समस्त वन्यजीव निर्भर रहते हैं। उन्होंने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस समस्या को ध्यान में रखते हुए वन क्षेत्रों में जल स्रोतों के प्रबंधन के लिए अलग बजट उपमद बनाया गया है। इससे वन जल प्रबंधन पर बेहतर काम किया जा सके।

प्यासे जीव निकलते हैं वन से बाहर

विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल से जून माह के बीच जल स्रोत्रों में पानी कम होने या पूरी तरह से समाप्त होने की स्थिति में वन्य जीव पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकलते हैं और समीपी आबादी वाले जल स्रोत्रों पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे कई बार वहां मानव-वन्यजीव द्वंद की घटनाएं बढ़ जाती हैं।

जल स्रोत्रों के प्रबंधन से बढ़ेगा प्रवाह

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वन क्षेत्रों में मौजूद सभी जल स्रोतों का सही प्रबंधन किया जाए तो वन उद्गम नदियों में पानी का प्रवाह बना रहेगा और वन्यजीवों को वर्ष भर जंगल के भीतर पानी मिलेगा।

कार्यशाला में भी उठा था मुद्दा

इस संबंध में अम्बाड़े का चेतावनी भरा पत्र पहला नहीं है। इससे पहले भी यह मुद्दा अधिकारियों के संज्ञान में लाया जा चुका है। सितम्बर माह खजुराहो में जब वेटलैंड मैनेजमेंट को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया था,तब विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा था कि विभाग जल स्रोतों के प्रबंधन को प्राथमिकता से नहीं ले रहा है।

कृत्रिम जल स्रोत भी सूखे

विभागीय अधिकारियों की मानें तो वन्य क्षेत्रों में कई स्थानों पर विभाग द्वारा कृत्रिम रूप से जल स्रोत्र निर्मित किए गए हैं, ताकि वन्यजीवों को सालभर पानी उपलब्ध कराया जा सके, लेकिन हकीकत यह है कि इन जल स्रोत्रों का न तो रखरखाव सही ढंग से किया जाता है और न उनके संरक्षण की दिशा में पर्याप्त ध्यान दिया जाता है।

ब्राह्मण समाज का उग्र प्रदर्शन, सीएम हाउस की ओर कूच करने की कोशिश

आईएएस संतोष वर्मा पर कार्रवाई की मांग, पुलिस के बीच धक्का-मुक्की

जागरण, भोपाल। राजधानी में रविवार को ब्राह्मण समाज ने आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस की ओर बढ़ने लगे।

पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। प्रदर्शन का नेतृत्व ग्वालियर के एडवोकेट अनिल मिश्रा कर रहे थे। प्रदर्शनकारी वर्मा की तत्काल गिरफ्तारी और सेवा से बर्खास्तगी की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी पुलिस घेराबंदी तोड़ते हुए रोशनपुरा से बाणगंगा चौराहे तक पहुंच गए। यहां चार लेयर की बैरिकेडिंग के बावजूद आगे बढ़ने का प्रयास किया गया। पुलिस ने तीन बार चेतावनी दी, लेकिन भीड़ नहीं मानी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन का सहारा लेना पड़ा। इस दौरान धक्का-मुक्की में कई बुजुर्ग और महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें मौके पर मौजूद एम्बुलेंस और मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार दिया। हालात तनावपूर्ण होने पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और प्रदर्शनकारियों को गाड़ियों में भरकर रातीबड़ ले जाया गया, जहां उन्हें तितर-बितर कर प्रदर्शन शांत कराया गया।

554 केंद्रों पर 2.07 लाख मतदाताओं की जांच करेंगे कलेक्टर सहित 525 अधिकारी-कर्मचारी

मंगलवार को भी होगा 2.38 लाख मतदाताओं का फिजिकल वेरिफिकेशन

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले की मतदाता सूची में जुड़े 2 लाख 7 हजार 378 ऐसे मतदाता जिनकी मृत्यु हो चुकी है या वे दूसरी विधानसभा, शहर या प्रदेश में स्थानांतरित हो गए हैं या डुप्लीकेट एंट्री किसी अन्य मतदान केंद्र पर भी है। इसके अलावा इन्हीं मतदाताओं में जुड़े अनुपस्थित मतदाताओं की जांच करने के लिए सोमवार को कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर व अन्य आला अधिकारियों सहित 525 अधिकारियों का अमला सोमवार से मैदान पर उतरेगा। इस दौरान अधिकारी कर्मचारी वोटर लिस्ट में दिए गए पते पर जाकर इन मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। पहले दिन जिले के करीब 545 मतदान केंद्रों पर इन मतदाताओं को ढूंढने का अभियान चलाया जाएगा। अधिकारी कर्मचारियों सहित पूरा अमला सुबह 8 बजे से ही अपने-अपने क्षेत्रों में रवाना हो जाएगा। करीब 12 घंटे तक मैदान में रहकर मतदाताओं को ट्रैक करेंगे। इस दौरान मतदाताओं का दरवाजा खटखटाकर उनसे पूछा जाएगा कि उनके घर में कौन कौन हैं और परिवार के सदस्यों का नाम नोट किया जाएगा। इस दौरान अनुपस्थित, शिफ्टेड, डेथ व डुप्लीकेट एंट्री वाले मतदाताओं की जानकारी जुटाई जाएगी। जैसे कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता अब जीवित हैं या नहीं या फिर यदि कोई शिफ्ट हो गया है, तो उसकी जानकारी जुटाकर उसे ऑनलाइन ही ट्रैक किया जाएगा। इसके पहले जिले की सात विधानसभाओं में 7 दिसंबर को इंटेंसिव स्पेशल रिवीजन (एसआईआर) के तहत गणना पत्रकों का 100 प्रतिशत एसआईआर काम पूर्ण कर लिया गया था। लेकिन मतदाता सूची का काम पूरी शुद्धता के साथ करने के लिए अनकलेक्टेबल श्रेणी के मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची से इनका नाम काटा जा सके। बता दें कि जिले के 70 फीसदी मतदान केंद्रों पर ऐसे मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है।

प्रत्येक विधानसभा में चिन्हित भौतिक सत्यापन वाले मतदाता

विधानसभा	बूथ संख्या	एएसडीआर सूची
बैरसिया	00	00
भोपाल उत्तर	73	25442
नरेला	108	38285
दक्षिण-पश्चिम	75	29737
भोपाल मध्य	76	29892
गोविंदपुरा	15	47244
हुजूर	107	36778
कुल	554	2,07,378

21,25,908 भोपाल जिले में मतदाताओं की कुल संख्या

4,45,682 एएसडीआर की सूची में मतदाताओं की संख्या

2,07,378 सोमवार को होने वाले मतदाताओं की संख्या

2,38,304 मंगलवार को होने वाले मतदाताओं की संख्या

बैरसिया को छोड़ अन्य 6 विधानसभाओं पर फोकस

जिले में एएसडीआर वाले मतदाताओं की संख्या सबसे कम बैरसिया विधानसभा में है। बैरसिया में ऐसे केवल 13131 मतदाता हैं, जबकि अन्य 6 विधानसभाओं में ऐसे मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। सबसे ज्यादा 99654 मतदाता गोविंदपुरा विधानसभा में हैं। ऐसे में इन सभी विधानसभाओं की कॉलोनियों और बस्तियों में एक बार वरिष्ठ अधिकारी दौरा करेंगे और उनके बाद बीएलओ ऐसे मतदाताओं का वेरिफिकेशन करने जाएंगे। बता दें कि इसके पहले भी बीएलओ गणना पत्रक बांटने और भरे हुए गणना पत्रक इकट्ठा करने के लिए मतदाताओं के घर जा चुके हैं। इस प्रकार बीएलओ अब तीसरी बार मतदाताओं के घरों तक जाने वाले हैं।

> निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अधिकारियों व कर्मचारियों की टीमें मतदाताओं की जांच करने के लिए दो दिनों तक मतदाताओं के घर-घर जाएंगी। एएसडीआर की सूची में 4 लाख 45 हजार से अधिक मतदाता हैं, जिनकी जांच की जानी है।
>
> ■ भुवन गुप्ता, उपजिला निर्वाचन अधिकारी, भोपाल

380 बच्चों की हुई दिल की जांच 158 की होगी सर्जरी

40 फीसदी बच्चों में पाई गई हार्ट डिसीज

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों में हृदय रोग जांच के लिए विशेष स्क्रीनिंग कैंप रविवार को जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में लगाया गया। भोपाल संभाग के जिलों से आए 380 बच्चों की निशुल्क इको जांच की गई। इनमें से 158 बच्चों को सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया है। इन बच्चों की सर्जरी गुजरात के राजकोट व अहमदाबाद के अस्पतालों में होगी। शिविर एक ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया गया था। अब ट्रस्ट चिन्हित बच्चों के इलाज का पूरा खर्च उठाएगा। शिविर के दौरान क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक डॉ नीरा चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा, उपसंचालक राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ निधि शर्मा, सिविल सर्जन डॉ संजय जैन उपस्थित रहे। शिविर में जांच के लिए लाए गए बच्चों की पूर्व में आरबीएसके टीम द्वारा स्क्रीनिंग की गई थी । इन बच्चों में हृदय रोग की संभावना को देखते हुए इको टेस्ट करवाने के लिए चिन्हित किया गया था।

आरबीएसके के तहत मुफ्त होगा इलाज

कई बीमारियों को कवर करता है प्रोग्राम: इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ सलोनी सिडाना ने शिविर में आए बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही परिजनों से बात कर शासन की स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में बीमारियों, डिसेबिलिटी, डिफिशिएंसी, विकासात्मक देरी, जन्मजात समस्याओं की शीघ्र पहचान करने में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भोपाल का मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल एक बार फिर प्रदेश में पहले नंबर पर

एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में शीर्ष 10वां स्थान तथा सत्र 2025-26 के लिए मप्र में नबंर वन स्कूल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र द्वारा संचालित मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल टीटी नगर ने एक बार फिर उत्कृष्टता का परचम लहराते हुए स्टार एजुकेशन अवार्ड 2025 में राज्य में नंबर वन सरकारी विद्यालय का सम्मान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि ईएसएफई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कड़े मूल्यांकन के बाद मिली है। स्कूल पिछले चार साल से देश के शीर्ष सरकारी स्कूलों में शामिल रहा है।

एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में शीर्ष 10वां स्थान तथा सत्र 2025-26 के लिए मप्र में नंबर वन सरकारी स्कूल का दर्जा मिलने के बाद यह नया सम्मान संस्थान की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सतत प्रगति की एक और पुष्टि बनकर सामने आया है। पुरस्कार प्रक्रिया में स्कूलों का मूल्यांकन 100 से अधिक मानकों पर किया गया। इनमें शैक्षणिक प्रदर्शन, नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियां, मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण सेवाएं, खेल एवं सांस्कृतिक उपलब्धियां, शिक्षक दक्षता व नेतृत्व क्षमता, अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी संसाधन, छात्र विकास कार्यक्रम तथा सामुदायिक सेवाएं जैसे प्रमुख घटक शामिल रहे। यह सम्मान नेस्को बॉम्बे एग्ज़ीबिशन सेंटर, मुंबई में आयोजित स्टार एजुकेशन अवार्ड सेरेमनी में प्रदान किया गया। जहा देशभर के 10 हजार से अधिक शिक्षाविद और 150 से अधिक वैश्विक वक्ता उपस्थित थे। समारोह में विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा ने संस्थान की ओर से यह सम्मान ग्रहण किया।

सम्मान प्रयासों की देन

सम्मान प्राप्त करने के बाद प्राचार्य रेखा शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों की देन है। उन्होंने शिक्षकों की निष्ठा, विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और माध्यमिक शिक्षा मंडल के सतत सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके अनुसार, मॉडल स्कूल ने यह सिद्ध किया है कि उत्कृष्टता, अनुशासन और नवाचार के बल पर सरकारी स्कूल भी राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकते हैं।

आधा दर्जन जिलों ने बिगाड़ी उच्च शिक्षा विभाग की ग्रेडिंग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सीएम हेल्पलाइन पर उच्च शिक्षा विभाग की ग्रेडिंग लचर बनी हुई है। विभाग के आध दर्जन जिलों में संचालित सरकारी कॉलेज विद्यार्थियों की मिलने वाली सुविधाओं पर फोकस ही नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण उनकी ग्रेडिंग डी पर पहुंच गई है। इसमें सीधी, सतना, भिंड, उमरिया, दमोह और सिंगरौली शामिल हैं। ग्रेडिंग सीएम हेल्पलाइन में आने वाली शिकायतों के आधार पर जारी की जाती है। दिसंबर में आयी सूची में आधा दर्जन जिले डी ग्रेडिंग में दर्ज हुए हैं। उकत मामले में विभाग अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। विभाग की तरफ से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि आधा दर्जन जिलों ने ग्रेडिंग बिगाड़ी है, उनके अलावा भी कई विश्वविद्यालय और कॉलेज हैं, जिनके प्रबंधन द्वारा सीएम हेल्पलाइन के पोर्टल को लॉगइन ही नहीं किया जाता है। बी ग्रेड में पहुंचने का मुख्य कारण निगेटिव मार्किंग होना है। ग्वालियर और भोपाल सी ग्रेड में बने हुए हैं।

बैठक दिल्ली में हुई बैठक में शामिल हुए प्रदेश कांग्रेस के नेता, कहा... निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला

दिग्विजय ने दिल्ली में रखी एसआईआर की विस्तृत कार्ययोजना

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने रविवार को दिल्ली में वोटर लिस्ट सत्यापन (एसआई आर) की आवश्यकता, उसकी प्रक्रिया तथा जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला हैं और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को एसआईआर को लेकर हुई पार्टी की बैठक में नेताओं ने कहा कि देश के लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने तथा चुनावी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने आवश्यक कदम उठाने होंगे। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की रक्षा, संविधान के मूल्यों की सुरक्षा और नागरिकों के मताधिकार को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। बैठक में तय किया गया कि आगामी समय में संगठन के सभी स्तरों पर समन्वय बनाकर वोटर लिस्ट के सत्यापन का कार्य गहनता एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाएगा, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित हो और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके। बैठक में मध्यप्रदेश से यहां के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार , तेलंगाना प्रभारी एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन , राष्ट्रीय सचिव एवं मध्य प्रदेश सहप्रभारी चंदन यादव तथा श्रीमती उषा नायडू रूप से उपस्थित रहीं।

लाड़लियों को अपमानित कर रहे हैं मंत्री: जीतू

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंत्री विजय शाह के उस बयान पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने सीएम का सम्मान नहीं करने वाली लाड़ली बहनों की जांच कराने की बात कही है। इस संबंध में पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जिन लाड़ली बहनों का भाजपा को सम्मान करना चाहिए, वहां उन्हें भाजपा के लाड़ले मंत्री अपमानित कर रहे हैं। जीतू ने लिखा कि पहले देश की गौरव कर्नल सोफिया कुरैशी पर ओछी टिप्पणी और अब प्रदेश की माता बहनों को धमकी,यह भाजपा की कुंठित और महिला विरोधी मानसिकता का साफ प्रमाण है। मुख्यमंत्री की चुप्पी इस पूरे अपमान पर मुहर लगाने जैसा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि क्या आपकी पार्टी में महिला अपमान ही आगे बढ़ने का रास्ता बन चुका है। जो मंत्री पहले देश की सेना और अब प्रदेश की करोड़ो बहनों का अपमान कर रहे हैं,उन्हें सरकार में बनें रहने का कोई अधिकार नहीं है। जीतू ने आगे लिखा कि यदि भाजपा में थोड़ी सी शर्म और नैतिकता बची है,तो तुरंत इनका इस्तीफा लेना चाहिए।

4.77 लाख के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

अमृत योजना के बाद हर सड़क बनेगी: हिंगोरानी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर के बाशिंदों को अभी कम से कम एक साल तक उन जर्जर सड़कों से ही काम चलाना पड़ेगा, जिनके लम्बे समय से कायाकल्प की उम्मीद की जा रही थी, क्योंकि लगभगा 200 करोड़ की अमृत योजना के तहत समूचे उपनगर व आस पास के क्षेत्रों का सीवेज एवं पानी की पाइन के काम का अपडेट होना है। इसके बाद हर गह्ली मोहल्ले की सड़क को नए सिरे से बनाया जाएगा। उक्त जानकारी एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने दी। वे वन ट्री हिल्स 27 लाख से बनाई गई सड़क के किनारे नाली को कवर करने के कार्य का भूमि पूजन कर रहे थे। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, बोरवन क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी, महासचिव शेट्टी चंदनानी, हीरो फैंन्स क्लब के अध्यक्ष हीरो हिन्दु की विशेष उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम में राजेश हिंगोरानी ने कहा कि न केवल वार्ड 4 बल्कि उपनगर में जहां जहां भीस सड़कों की हालत खराब है, उनके ध्यान में है, और यह वादा किया जाता है कि जैसे ही सीवेज लाइन के अलावा पानी की पाइप लाइन का काम पूरा होगा, उसके बाद किसी भी सड़क को जर्जर रहने नहीं दिया जाएगा। ऐसा ही वादा विधायक रामेश्वर शर्मा भी कर चुके हैं इसलिए हमें थोड़ा इंतजार करना होगा।

एसबीआई के आउटसोर्स कर्मचारी ने क्रेडिट कार्ड हड़प की एक लाख की शॉपिंग

लोन लेने पहुंचा पीड़ित तब हुआ ठगी का खुलासा, जांच के बाद केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक आउटसोर्स कर्मचारी ने ग्राहक का धोखे से क्रेडिट कार्ड हड़पकर 1 लाख रुपए की शॉपिंग कर ली। पीड़ित जब लोन लेने बैंक पहुंचा तब जालसाजी का खुलासा हुआ। उसकी सिविल खराब थी। इसके बाद उसने पिपलानी थाना पुलिस को आवेदन दिया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पिपलानी पुलिस के मुताबिक, 45 वर्षीय त्रिवेदी प्रसाद लोधी एक कंपनी में ट्रक ड्रायवर हैं। जुलाई 2023 में उनके पास क्रेडिट कार्ड के लिए आफर आया था। बार-बार उनके पास कॉल आया तो वह एक दिन पिपलानी स्थित इंद्रपुरी एसबीआई बैंक पहुंचे। यहां पर उनका खाता भी है। यहां उन्हें अभय

त्रिवेदी मिला। जोकि एसबीआई का आउटसोर्स कर्मचारी था। उसने क्रेडिट कार्ड के नाम पर लोधी से सात-आठ फार्म भरवाए। चोरी से उसमें अपना मोबाइल नंबर डाल दिया। बाद में वह बोला कि क्रेडिट कार्ड आपके घर आएगा। जोकि नहीं पहुंचा।

सिबिल खराब है, क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं भरा

फार्म में अभय का मोबाइल नंबर था। क्यूरी के बाद यह क्रेडिट कार्ड अभय ने ले लिया। इस कार्ड से उसने छह महीने में करीब एक लाख रुपए की शॉपिंग की। छह महीने बाद लोधी को लोन की जरूरत महसूस हुई। वह बैंक पहुंचे। बैंक वालों ने बताया कि आपको लोन नहीं हो सकता है। आपकी सिविल खराब है। आपने क्रेडिट कार्ड के एक लाख रुपए नहीं भरे हैं। तब लोधी ने बताया कि मुझे तो आज तक क्रेडिट कार्ड ही नहीं मिला, तो बिल कैसा? इसकी शिकायत उन्होंने थाने में की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी अभय त्रिवेदी निवासी छतरपुर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एसबीआई के एटीएम में तोड़फोड़, सीसीटीवी पर टैप लगाया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गोविंदपुरा इलाके में स्थित एसबीआई के एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर दी गई। चोरी के प्रयास में तीन बदमाशों ने सीसीटीवी कैमरों पर टैप लगा दिए थे। वह खुद मास्क पहने थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है।

तीन बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश तोमर ने बताया कि बरखेड़ा स्थित एसबीआई के एटीएम मशीन में यह घटना शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात साढ़े तीन बजे हुई। कार सवार तीन बदमाश पहले एटीएम बूथ में दाखिल हुए। सबसे पहले उन्होंने सीसीटीवी कैमरों में टैप लगा दिए। नकाबपोश बदमाशों ने चोरी की नीयत से मशीन में तोड़फोड़ की, लेकिन वह कैश ट्रे तक नहीं पहुंच पाए। काफी मशक्कत के बाद जब वह चोरी करने में कामयाब नहीं हुए तो थक-हारकर चले गए।

7 एकड़ जमीन पर भेल ने बनाया 'सोलर एनर्जी प्लांट'

भोपाल। राजधानी भोपाल में पहला सोलर एनर्जी प्लांट बनकर तैयार हो गया है, भेल प्रशासन का ये प्लांट सुभाष विश्रामघाट के सामने सात एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस प्लांट से अब भेल परिसर में बिजली आपूर्ति होगी। पांच मेगावाट उत्पादन वाले इस प्लांट से भेल काफी हद तक बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएगा। अभी भेल कारखाने व टाउनशिप में बिजली की आपूर्ति प्रदेश सरकार करती है। इसके एवज में भेल एक वर्ष में करोड़ों रुपए बिजली कंपनी को देता है। देश की महारत्न कंपनी भेल की मदर यूनिट भेल भोपाल अन्य सोलर प्लांट लगाने पर काम कर रही है। सोलर पैनल सहित अन्य जरूरी उपकरण भेल ही बना रहा है। सोलर प्लांट लगने से काफी हद तक भेल स्वयं ही बिजली की आपूर्ति कर सकेगा। भेल गोविंदपुरा सुभाष नगर विश्रामघाट के पास 22 एकड़ जमीन में सोलर प्लांट लगाने के लिए सोलर पैनल लग रहे हैं। बाकी फिनिशिंग वर्क 31 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद सोलर एनर्जी भेल टाउनशिप व कारखाने को मिलने लगेगी। बिजली कंपनी से बिजली खरीदने की निर्भरता कम रह जाएगी।

कारखाने को मिलेगी बिजली, आत्मनिर्भर होगा भेल

राज्य के अनुमति न देने से बदला प्लान : करीब चार साल पहले भेल के जंबूरी मैदान में 10 मेगावाट का सोलर कॉ प्लांट लगाया जाना था। इसमें भेल की हैदाराबाद व बेंगलुरु यूनिट के सहयोग से काम होना था। 50 एकड़ जमीन तय की गई थी। हैदराबाद से अधिकारी भी निरीक्षण करने आए थे, लेकिन राज्य शासन ने जंबूरी मैदान की जमीन पर सोलार प्लांट लगाने की अनुमति नहीं दी थी। इस कारण प्लान में बदलाव किया गया।

जनपद की स्थायी शिक्षा समिति की बैठक का एजेंडा जारी, एजेंडा देख बीईओ की सांसें फूली

बैरसिया। जनपद पंचायत की स्थाई शिक्षा समिति बैरसिया की बैठक आहुत का शुक्रवार को एजेंडा क्रमांक1295 जनपद शिक्षा समिति सचिव द्वारा जारी हुआ है। लगभग एक बर्ष के लंबे अंतराल उपरांत 16 दिसंबर मंगलवार को होने वाली जनपद शिक्षा समिति की बैठक जनपद के सभागार में दोपहर तीन बजे होगी। इधर बैठक का जारी एजेंडा के बिंदु देख ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की सांसें फूलती नजर आ रही है। बता दें की शिक्षा समिति के सदस्यों ने बैठक के एजेंडे में महत्वपूर्ण बिंदु चर्चा हेतु रखे गए हैं। इनमे पूर्व बैठक 5 /11/ 2024 की जानकारियो के सम्बंध में पालन प्रतिवेदन , निःशुल्क पाठ पुस्तक वितरण वर्ष 2022 से वर्ष 2025 तक में किए भुगतान भाड़ा के विल वाऊचर ओर कैशबुक सहित बीईओ द्वारा जिन स्वसहायता समूह से अधीनस्थ स्कूलों में निशुल्क पाठ पुस्तक वितरण कराई है। उस वाहन का नम्बर एव ट्रांसपोर्ट पर की खर्च राशि के विल वाऊचर सहित तीन वर्षो की जानकारी के साथ उपस्थित रहे लिखा गया है। वही शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बीईओ रामनारायण वास्ती सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा रोस्टर अनुसार कितनी शालाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण पंजी एव निरीक्षण दौरान शालाओं में क्या क्या समस्याएं पाई गई।और समस्याओं के निराकरण हेतु क्या कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही से सम्बंधित वरिष्ठ कार्यालय को लिखे पत्रों व दस्तावेजो के साथ उपस्थित होवे । इसके अलावा अन्य विषयों पर समिति के सभापति जनपद उपाध्यक्ष की अनुमति से चर्चा में सामिल किए जावेंगे।

किश्त नहीं भरने पर बैंक ने मकान किया सीज, ताला तोड़ घुसा परिवार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद इलाके में एक मकान की किश्त नहीं भरने पर बैंक ने उसे सीज कर लिया। कोर्ट के आदेश पर यह कदम उठाया। शनिवार रात परिवार के लोग इस मकान का ताला तोड़कर जबरन दाखिल हो गए। यहां लगे गार्ड का मोबाइल छीन लिया। उससे धक्कामुक्की की। गार्ड की रिपोर्ट पर पुलिस ने अनाधिकृत रूप से मकान में प्रवेश करने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में गांधीनगर निवासी नीलेश नामदेव ने शिकायत की थी। आरोपियों में महेंद्र मीणा, उनकी पत्नी, भांजा, भाई व साथी शामिल हैं। महेंद्र मीणा का हरिवंश विहार कालोनी में मकान है। मकान के लिए उन्होंने पिरामिड बैंक से लोन लिया था, जिसकी किश्त उन्होंने समय से नहीं भरी। बैंक ने कोर्ट में परिवाद दाखिल किया। कोर्ट के आदेश पर बैंक ने उक्त मकान को सीज कर ताला लगा दिया। यहां पर गार्ड तैनात कर दिया। शनिवार देर रात दो बजे सभी आरोपी एक राय होकर मकान पर पहुंचे। जहां उन्होंने वारदात को अंजाम दिया।

गार्ड का मोबाइल छीनकर की झूमा-झटकी, केस दर्ज

मास्टर चन्द्र से मिली सिंधी गीतों को नई पहचान, दशकों तक सिंध व हिन्द के गीत प्रेमियों के दिलों पर किया राज

115वी जयंती आज

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। देश विभाजन की सर्वाधिक पीढ़ा सिंधी समाज ने झेली। पंजाबियों को आधा पंजाब एवं बंगालियों को आधा बंगाल मिला परन्तु सिंध प्रदेश पूरा का पूरा पाकिस्तान में मिल गया। लेकिन मास्टर चन्द्र काव्य जगत के ऐसे रचनाकार थे, जो अपनी पहचान विभाजन से पहले ही स्थापित कर चुके थे। उन्होंने सूफी राग और फकीरी सुरताल वाली काव्य रचना की परम्परागत शैली को तोड़कर काव्य एवं संगीत के शांत पाका मण्डल में इश्क का नगाड़ा बजाया जिससे सिंधी साहित्य जगत में नए युग की शुरूआत हुई। जिसने पुरानी शैली को बदलने पर विवश किया वहीं कई नवोदित कलाकारों को प्रेरणा भी मिली। किसी भी बच्चे

कोउविरासत में मिली परम्परा व संस्कृति का गहरा प्रभाव होता है जबकि मास्टर चन्द्र ने इन मान्यताओं को झुठलाते हुए एक व्यापारी के घर जन्म लेने के बाद भी गीतों, रचनाओं व संगीत की दुनिया में कदम रखा और उन्हें अपार सफलता मिली। काव्य के प्रति उनका रूझान इतना अधिक था कि वे अपने मित्रों व संबंधियों को गजल व गीतों में पत्र लिखा करते थे।

15 दिसम्बर 1909 को हुआ जन्म : मास्टर चन्द्र का जन्म सिंध प्रदेश के नवाबशाह जिले के ठारूशाह गांव श्री आसनदास के घर हुआ। विद्यार्थी जीवन में ही उनकी शायरी में गहरी रूचि रही। उन्होंने दस वर्ष की आयु में काव्य रचना शुरू की जिसे वे तरनुम में गाया करते थे। उस समय सिंधी हिन्दुओं में गायन को निम्न दृष्टि से देखा जाता था। कई बार मास्टर चन्द्र को उनके गायन के कारण समाज के विरोध का सामना भी करना पड़ा। मास्टर चन्द्र के पूर्व सिंधी संगीत व गायन कोठो, दरगाहों तथा दरबारों तक सीमित था यहां तक कि सिंधी के परम्परागत रागों को भी एक सीमित अंदाज में गाया जाता था जबकि मास्टर चन्द्र ने राग रागनियों को नया अंदाज दिया। जैसे पिता के स्वर्गवास के बाद अपना गांव छोड़ते वक्त उनका राग जिसे हम यहां हिन्दी अनुवाद कर दे रहे हैं:- छोड़ों गमों को गांव में, जल्द तैयार हो चलो, गमों के गावं में जीना अब लगता है भारी भारी, खुद के दुख सुख की कहो खुद से कहानियां।

SUDOKU 88

		4	3					
	3			8				9
	1	2			7	3		
7					3		2	
			2		9			
	5		1					7
		5	4			8	9	
3				1			5	
					6	1		

SOLUTIONS 87

3	9	4	1	7	5	2	6	8
6	2	1	8	4	3	9	5	7
5	8	7	6	9	2	4	3	1
4	7	2	9	5	8	6	1	3
8	3	5	4	6	1	7	9	2
1	6	9	3	2	7	8	4	5
9	1	3	7	8	6	5	2	4
2	4	8	5	3	9	1	7	6
7	5	6	2	1	4	3	8	9

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आसानी से सफल होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा।

मिथुन : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ की संभावना रहेगी। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखें। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

कर्क : आज का दिन अच्छा रहेगा। गृहों की स्थिति आपके अनुकूल बनने से आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह : व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी।

कन्या : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे

तुला : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार मध्यम रहेगा। किसी के भी साथ धन से सम्बंधित व्यवहार न करें। किसी भी विवाद में पडऩे से बचना होगा। आज संयम रखना होगा।

वृश्चिक : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कार्य सफल होने से मन प्रफुल्लित रहेगा। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यवसाय में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। आकस्मिक धनलाभ के योग भी रहेंगे।

मकर : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ : आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। हालांकि, काम की अधिकता रहेगी। खर्चों में वृद्धि होगी।

आज का पंचांग: 15 दिसंबर सोमवार 2025। **दिशाशूल :** पूर्व। **पर्व एवं त्योहार :** सफला एकादशी। **विशेष :** सूर्य की धनु संक्रांति, खर मास प्रारंभ। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु पौष मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 21 घंटे 21 मिनट तक, तत्पश्चात द्वादशी चित्रा नक्षत्र 11 घंटे 09 मिनट तक, तत्पश्चात स्वाती नक्षत्र शोभन योग 12 घंटे 30 तक, तुला में चंद्रमा।

पीआरडीएफ के सामाजिक सुरक्षा शिविरों से ग्रामीणों को मिली राहत, 248 हितग्राही लाभान्वित

मंडीदीप। ग्रामीण अंचलों में सरकारी योजनाओं की जानकारी और दस्तावेजों के अभाव के कारण वंचित रह रहे लोगों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से परमेश्वरम रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (पीआरडीएफ) द्वारा ग्राम बाबड़िया गोंड़ी, जावरा मलखार एवं बगवानी में सामाजिक सुरक्षा जागरूकता बैठक एवं सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों का मुख्य उद्देश्य पात्र नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। शिविरों के दौरान ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, प्रक्रिया और लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर अपने आवश्यक दस्तावेज बनवाए और केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कराई। इससे उन्हें योजनाओं से जुड़ने में आ

रही व्यवहारिक कठिनाइयों से राहत मिली। संस्था प्रतिनिधि आशीष कीर ने बताया कि मानव अधिकार दिवस से अब तक आयोजित शिविरों के माध्यम से बाबड़िया गोंड़ी, जावरा मलखार और बगवानी गांवों में कुल 248 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। इन शिविरों में आयुष्मान भारत कार्ड, संबल योजना, सामाजिक पेंशन, राशन कार्ड, पीएम किसान, मनरेगा पंजीयन, आधार, श्रमिक कार्ड, विभिन्न प्रमाण-पत्र तथा जन्मङ्कमृत्यु पंजीयन जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यकर्ताओं के अनुसार इन शिविरों से ग्रामीणों में योजनाओं को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

सर्ब ब्राह्मण परिषद बैरसिया की कार्यकारिणी घोषित

पत्रकार पं. मोहन दुबे बने सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया के उपाध्यक्ष

नजीराबाद। भगवान श्री परशुराम की तपोभूमि बैरसिया में रविवार 14 दिसंबर 2025 को विप्र समाज ने एकजुटता, संगठनात्मक शक्ति और सामाजिक चेतना का भव्य प्रदर्शन किया। श्री परशुराम मंदिर, सहज विहार कॉलोनी में आयोजित इस विशाल आयोजन में ब्राह्मण परिषद तहसील बैरसिया, ब्राह्मण श्री परशुराम सेना एवं ब्राह्मण महिला संगठन की नवगठित कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की गई तथा सभी पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं मंत्रोच्चार के साथ हुआ। दोपहर 11 बजे से प्रारंभ हुए इस आयोजन में तहसील बैरसिया, नजीराबाद एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विप्र समाज के वरिष्ठजन, बुद्धिजीवी, समाजसेवी, युवा एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। पूरा वातावरण जय श्री परशुराम के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस गरिमामय अवसर पर नजीराबाद के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रतिष्ठित समाजसेवी पंडित मोहन दुबे को सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। जैसे ही उनका नाम मंच से लिया गया, उपस्थित समाजजनों ने करतल ध्वनि कर निर्णय का स्वागत किया।

सिहरन ने सिनेमाघरों में चोटी कटवा चुड़ैल की लोककथा को किया जीवंत

भोपाल। ओम शिवाय फिल्म्स ने गर्व के साथ अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी सिहरन का आधिकारिक ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। प्रशंसित फिल्म निर्माता मनीष कुमार वर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 12 दिसंबर को पैन-इंडिया रिलीज हुई। ट्रेलर लॉन्च इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है, जिसने अपनी अनूठी कहानी और प्रभावशाली टैगलाइन - चोटी कटवा चुड़ैल अब सिनेमा हॉल में आ रही है-के साथ पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है। हॉरर, ह्यूमर (हास्य) और सस्पेंस का मिश्रण, सिहरन वास्तविक जीवन की चोटी कटवा घटनाओं से प्रेरित है जिसने कभी पूरे देश का ध्यान खींचा था। इसे अपने करियर की सबसे प्रभावशाली फिल्म बताते हुए, वर्मा ने मनोरंजन से परे एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव का वादा किया है। फिल्म एक शक्तिशाली सामाजिक संदेश भी देती है, जो महिलाओं के शोषण और भेदभाव के मुद्दों को उजागर करती है, साथ ही समानता, गरिमा और जागरूकता को बढ़ावा देती है। निर्माता हरि नारायण चौरसिया ने कहा कि फिल्मों में अक्सर लोगों को पान खाते हुए दिखाया जाता है, लेकिन इस फिल्म में पहली बार पान की खेती की दुनिया को विस्तार से दिखाया गया है। और इस फिल्म की एक खासियत यह है कि यह पत्तों की खेती और उससे जुड़े उद्योग को बहुत ही रोचक तरीके से दर्शाती है।

अयोध्या नगर में युवक का आईफोन लूटा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में एक युवक के साथ लूट हो गई। वह पैदल आईफोन पर बात करते जा रहा था, तभी बाइक सवार दो लुटेरे पीछे से आए और फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय दीपेश यादव शीतल पैराडाइज कालोनी में रहते हैं। वह एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। शनिवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे दीपेश इलेक्ट्रिक का सामान खरीदने के लिए पैदल जा रहे थे। तभी कालोनी के बाहर पीछे से आए बाइक सवार दो लुटेरे में उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। दीपेश ने चीख पुकार की लेकिन आरोपी भाग निकले। इसके बाद वह थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कराया।

शहर के कई क्षेत्रों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर के कई इलाकों में सोमवार को 6 घंटे तक की बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज खेल छात्रावास, अरेरा क्लब, 74 बंगलो, निशात कॉलोनी, 1250 जेपी अस्पताल, रेडक्रॉस अस्पताल व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और लालघाटी स्थित शिवा अपार्टमेंट, नयापुरा, राजीव रॉजरी, काजी वजुदुल कॉलोनी, ओम शिव नगर, मुंशी प्रेम कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली कटौती होगी।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
क्रमांक 1316/राजस्व/भोविप्रा/25 भोपाल दिनांक : 11/12/2025

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की BHEL KARAMCHARI SAKET NAGAR योजना में स्थित भूखंड /भवन क्रमांक 121 सेक्टर 3 बी श्रीमती आरती डे W/O स्व. श्री डे कुमार के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांक : 2/12/2023 को हो जाने के कारण एवं आवंटी के पति स्व. श्री डे कुमार डे आत्मज स्व. श्री एन. ऐल. डे का दिनांक 4 /1/2003 को हो जाने के कारण वारिस श्रीमती सुस्मिता डे W/O श्री पुन्नया स्लोके दत्ता एवं श्री बिस्वजीत डे आत्मज स्व. श्री डे कुमार डे के द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज को प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा ।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

कार्यालय थाना प्रभारी मंगलवारा जिला भोपाल म.प्र.

क्र./था.प्र./मंगल./मर्गक्र. 273/25 दिनांक 11.12.25

विवरण

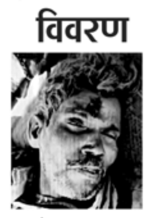

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना मंगलवारा जिला भोपाल (म.प्र.) के मर्ग क्र. 23/25 धारा 194 इड्ठह्यह्य में मृतक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 45 वर्ष निवासी अज्ञातद हुलिया : रंग सांवला, कद 5.4 इंच, बदन इकहरा, शरीर पर काली टी शर्ट, गुलाबी शर्ट व ऊपर जरकीन पहने है नीले कलर की जींत पहने है जिस पर सफेद पिताई करने के धब्बे हैं हुलिये से भिखारी जैसा प्रतीत होता है। जो राधा कृष्ण मंदर डबल फाटक थाना मंगलवारा में मृत अवस्था में मिला था। उपरोक्त मृतक के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो थाना मंगलवारा भोपाल में संपर्क करें। थाना मोबाइल नंबर 9479990613, 9479993645 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना मंगलवारा भोपाल
जिला भोपाल (म.प्र.)

जी- 22690/25

कार्यालय थाना प्रभारी मंगलवारा जिला भोपाल म.प्र.

क्र./था.प्र./मंगल./भो/डी.07/25 दिनांक 07.12.25

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना तलैया भोपाल के मर्ग क्र. 07/2025 धारा 194 बी.एन.एस.एस. में अज्ञात मृतक पुरुष जिसका हुलिया उम्र 50-55 साल करीबन, रंग सांवला, चेहरा लम्बा, सामान्य बदन, कद 5 फीट 4 इंच करीबन व कथी रंग की सफेद बिंदी वाली टी शर्ट जो नाले के कीचड़ व पानी में सनी हुई, काले रंग का लोवर जिस पर दोनों तरफ बाजू में सफेद रंगकी तीन पट्टीयां बनी हुई मृत अवस्था में भारत टाकिज ब्रिज के पास पटवा मार्केट में नाले में एक व्यक्ति की लाश तैर रही थी। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि इसअज्ञात मृत पुरुष के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो या इसके परिजन हो तो थाना मंगलवारा में आकर संपर्क करे अथवा दूरभाष क्रमांक 9479990616 तथा विवेचक स.उ.नि.(क) अजीत सिंह बघेल मो.नं.9575138440 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना मंगलवारा भोपाल
जिला भोपाल (म.प्र.)

जी- 22686/25

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हबीबगंज जिला भोपाल

जाहिर सूचना (पम्पलेट)
अज्ञात मृत व्यक्ति की तलाश वास्ते
मर्ग क्र. 47/25 धारा 194 बी.एन.एस.एस.

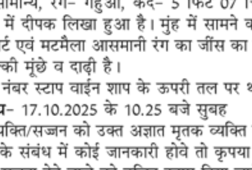

नाम मृतक - अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 30-35 साल

हुलिया- बदन- सामान्य, रंग- गेहुंआ, कद- 5 फिट 07 चि, गुदना/टैटू- दाहिने हाथ की कलाई पर ऊ एवं हिंदी में दीपक लिखा हुआ है। मुंह में सामने का दांत टूटा हुआ है। पहनाबा- काले रंग की फुल टी शर्ट एवं मटमैला आसमानी रंग का जींस का पेंट पहने हुए है। हुलिया- बाल काले छोटे चेहरे पर हल्की मूंछे व दाढ़ी है।

घटना स्थल- 10 नंबर स्टाप वाईन शाप के ऊपरी तल पर थाना हबीबगंज भोपाल

मृत्यु दिनांक समय- 17.10.2025 के 10.25 बजे सुबह

नोट- किसी भी व्यक्ति/सज्जन को उक्त अज्ञात मृतक व्यक्ति के संबंध में कोई सूचना अथवा मृत व्यक्ति के परिजनों के संबंध में कोई जानकारी होवे तो कृपया थाना हबीबगंज के निम्न नंबरों पर तत्ताल सूचना देवे। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जावेगा।

संपर्क नंबर
9479990478 (एचसीएम थाना हबीबगंज भोपाल)
9479990474 (थाना प्रभारी थाना हबीबगंज भोपाल)
9753513071 (जांचकर्ता थाना हबीबगंज भोपाल)

आदेशानुसार
थाना प्रभारी थाना हबीबगंज भोपाल

जी- 22689/25

टीम इंडिया ने धर्मशाला में लगाई टी-20 में जीत की हैट्रिक, सीरीज में बढ़त बनाई

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया

जेएनएन, धर्मशाला

अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 35 रन) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 25 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 2-1 से बढ़त कायम कर ली। भारत ने धर्मशाला के इस मैदान पर लगातार तीसरा टी-20 मुकाबला जीता है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मुकाबला जीतने से पहले 2022 में श्रीलंका के खिलाफ दो टी-20 मैच जीते थे। कप्तान एडेन मारक्रम की 46 गेंद में 61 रन की पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 117 रन पर आउट हो गई। भारत ने 15.5 ओवर में ही तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल (28 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 32 गेंद में 60 रन की साझेदारी कर टीम को तेज शुरुआती दिलाकर जीत की राह आसान कर दी। गिल ने पारी की शुरुआत में कुछ अच्छे शॉट लगाए, लेकिन तेजी से रन बनाने के लिए जूझते दिखे। वह हालांकि क्रीज पर कुछ समय बिताने में सफल रहे। तिलक वर्मा (34 गेंद में नाबाद 26) भी तेजी से रन नहीं बना पाए, तो वही कप्तान सूर्यकुमार यादव (11 गेंद में 12 रन) एक बार फिर निराश किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए मारक्रम के अलावा डोनोवन फरेरा (20) और एनरिक नोर्किया (12) ने ही दहाई के आंकड़े में रन बनाए। अर्शदीप ने चार ओवर में 13 रन देकर दो, जबकि चक्रवर्ती ने इतने ही ओवर में 11 रन देकर दो सफलता हासिल की। राणा ने 34 रन पर दो, जबकि कुलदीप ने दो ओवर में 12 रन पर दो विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे भी एक-एक सफलता हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक ने पहली गेंद पर ही लुंगी एनगिडी के खिलाफ छक्का जड़ अपने तेवर दिखाए।

50 विकेट वरुण चक्रवर्ती के 32 टी-20 मैचों में पूरे हो गए। वह ऐसा करने वाले सबसे तेज भारतीय स्पिनरों में शामिल हैं। कुलदीप यादव के नाम टी-20 में भारत के लिए सबसे तेजी से 50 विकेट पूरे करने का रिकॉर्ड है। कुलदीप ने 30 मैचों में ऐसा किया था। इतना ही नहीं वरुण पूर्णकालिक सदस्य देशों की टीम में सबसे कम गेंदों पर 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उन्होंने 672 गेंदों पर ऐसा किया है।

4000 रन टी-20 में तिलक के पूरे हो गए। तिलक सबसे तेजी से टी-20 में 4000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। तिलक ने 125 पारियों में ऐसा किया है और शुभमन गिल और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। भारत के लिए सबसे तेजी से टी-20 में 4000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड रुतुराज गायकवाड़ के नाम है जिन्होंने 116 पारियों में ऐसा किया है।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका: 117/10 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
डिकॉक पगबाधा बो. हर्षित	1	3	0	0
हेंड्रिक्स पगबाधा बो. अर्शदीप	0	3	0	0
मारक्रम का. जितेश बो. अर्शदीप	61	46	6	2
डेवाल्ड ब्रेविस बो. हर्षित	2	7	0	0
स्टब्स का. जितेश बो. हार्दिक	9	13	0	0
कॉर्बिन बॉश बो. शिवम	4	9	0	0
डॉनोवन फरेरा बो. वरुण	20	15	1	1
मार्को यानसन बो. वरुण	2	7	0	0
नोर्किया स्टं. जितेश बो. कुलदीप	12	12	0	1
लुंगी एन्गिडी नाबाद	2	3	0	0
बार्टमैन का. सूर्यकुमार बो. कुलदीप	1	2	0	0

अतिरिक्त: 3, **कुल:** 20 ओवर में 117 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-1, 2-1, 3-7, 4-30, 5-44, 6-69, 7-77, 8-113, 9-115, 10-117, **गेंदबाजी:** अर्शदीप 4-0-13-2, हर्षित राणा 4-0-34-2, हार्दिक पंड्या 3-0-23-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-11-2, शिवम दुबे 3-0-21-1, कुलदीप यादव 2-0-12-2,

भारत: 120/3 (15.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. मारक्रम बो. बॉश	35	18	3	3
शुभमन गिल बो. यानसन	28	28	5	0
तिलक वर्मा नाबाद	26	34	3	0
सूर्यकुमार का. बार्टमैन बो. एन्गिडी	12	11	2	0
शिवम दुबे नाबाद	10	4	1	1

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 15.5 ओवर में तीन विकेट पर 120 रन, **विकेट पतन:** 1-60, 2-92, 3-109, **गेंदबाजी:** एन्गिडी 3-0-23-1, यानसन 3-0-24-1, बार्टमैन 3.5-0-34-0, बॉश 3-0-18-1, नार्किया 3-0-14-0.

100 विकेट हार्दिक के टी-20 अंतराष्ट्रीय में हो गए। वे ऐसा करने वाले अर्शदीप (109) और बुमराह (101) के बाद तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। हार्दिक खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

अंडर-19 एशिया कप: टीम इंडिया ने पाक को 90 रन से हराया

भारत का पाक पर विजयी छक्का

दुबई, जेएनएन। भारत ने रविवार को अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप-ए मैच में चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को 90 रन से करारी शिकस्त दी। टूर्नामेंट में भारत की लगातार दूसरी जीत है। वहीं साल 2025 में यह छठवां मौका है, जब भारत ने पाकिस्तान को हराया। इससे पहले पुरुष क्रिकेट टीम ने चार और महिला क्रिकेट टीम ने एक बार शिकस्त दी थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 240 रन का स्कोर खड़ा किया, जिसमें आरोन जॉर्ज ने 85 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान आयुष म्हात्रे (38) और कनिष्क चौहान (46) ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके बाद 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई और 41.2 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने तेज शुरुआत की, जिसमें कप्तान म्हात्रे ने 25 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। लेकिन मोहम्मद सैयाम ने पहले 10 ओवर के अंदर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद जॉर्ज ने पारी को संभाला। कनिष्क ने आखिरी ओवरों में तेज बल्लेबाजी, जिसमें तीन छक्के शामिल थे और भारत को नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद 230 रन के पार पहुंचाने में मदद की। पाकिस्तान के लिए सैयाम ने 67 रन देकर और अब्दुल सुभान ने 42 रन देकर तीन-तीन विकेट झटके, जबकि निकाब शफीक ने दो विकेट लिए। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत खराब रही। उसके 30 रन के स्कोर पर चार विकेट गिर गए, जिसमें तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट लिए। कप्तान फरहान यूसुफ (23) और हुजैफा अहसान ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन कनिष्क की धारदार ऑफ-स्पिन ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। अहसान पाक के लिए 83 गेंद में 70 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

प्लेयर ऑफ द मैच
कनिष्क चौहान 46 रन व तीन विकेट

नो-हैंडशेक का प्रोटोकॉल जारी

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने टॉस के समय और मैच के बाद एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया, जिससे हाल में खत्म हुए एशिया कप 2025 के दौरान भारतीय पुरुष टीम द्वारा अपनाए गए नो-हैंडशेक का प्रोटोकॉल जारी रहा। म्हात्रे और पाकिस्तान के उनके समकक्ष फरहान यूसुफ ने टॉस के दौरान एक-दूसरे की अनदेखी की। मैच खत्म होने के बाद भी दोनों टीमों ने हाथ नहीं मिलाए। भारतीय खिलाड़ियों ने अंपायरों से हाथ मिलाया और मैदान से चले गए। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था।

खेल एक नजर

ईपीएल: सालाह की वापसी, लीवरपूल ने ब्राइटन को हराया, आर्सेनल जीता

लीवरपूल, जेएनएन। लीवरपूल ने शनिवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में ब्राइटन को 2-0 से हरा दिया। इस जीत से लीवरपूल ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने अजेय क्रम को पांच मैच तक पहुंचाया। गत चैंपियन टीम अब अंक तालिका में छठे स्थान पर है। इस मैच के साथ लीवरपूल के मोहम्मद सालाह ने रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी भी की। आर्सेनल ने अंतिम स्थान पर चल रहे वोल्वरहैम्पटन को दो आत्मघाती गोल की बदौलत 2-1 से हराया, जबकि चेल्सी ने एवर्टन को 2-0 से शिकस्त दी। बर्नले को फुलहम के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो टीम की लगातार सातवीं हार है।

ओडिशा मास्टर्स: उन्नति हुड्डा और किरण जॉर्ज ने एकल खिताब जीता

कटक, जेएनएन। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और किरण जॉर्ज ने ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। उन्नति ने हमवतन खिलाड़ी इशारानी बरुआ को महज आधे घंटे में 21-17, 21-10 से हराया। इस हार के बावजूद इशारानी ने रजत पदक हासिल कर इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे वरीयता प्राप्त जॉर्ज ने पुरुष एकल फाइनल में इंडोनेशिया के मुहम्मद यूसुफ को 65 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-14, 13-21, 21-16 से हराया। इंडोनेशिया ने मारवान फाजा और ऐस्याह प्रानाता की जोड़ी ने हमवतन देजान फर्डिनेंस्याह और बर्नाडाइन वार्डाना को 21-15, 21-10 से हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता। महिला युगल के खिताबी मुकाबले में बुल्गारिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त गैब्रिएला और स्टेफनी स्टोएवा ने मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन टिंग को 21-19, 21-14 से मात दी।

मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में स्टार फुटबॉलर को तेंदुलकर ने भेंट की जर्सी

वानखेड़े में सचिन के सामने लगे 'मेसी' के नारे

जेएनएन, मुंबई

प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी और क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के एक साथ मंच साझा करने से भारतीय खेल इतिहास में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया। मेसी ने चार शहरों के अपने 'जीओएटी' भारत दौरे के तीसरे पड़ाव पर वानखेड़े में एक घंटा बिताया। उन्होंने युवा फुटबॉल खिलाड़ियों, महान क्रिकेटर तेंदुलकर, भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री और मनोरंजन जगत की हस्तियों से बातचीत की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर 'प्रोजेक्ट महादेवा' की भी घोषणा की, जिसका उद्देश्य राज्य भर में युवा फुटबॉल खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की भीड़ 'मेसी-मेसी' के नारे लगाती रही। यह स्टेडियम भारत की 2011 क्रिकेट विश्व कप जीत का भी गवाह रहा था। तेंदुलकर के शाम 5:45 बजे पहुंचने के कुछ ही देर बाद अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी मेसी अपने इंटर मियामी टीम के साथियों लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डि पॉल के साथ मैदान पर उतरे। शायद पहली बार ऐसा हुआ जब वानखेड़े पर 'सचिन-सचिन' के बजाय 'मेसी-मेसी' के नारों की आवाज तेज थी। तेंदुलकर ने कहा, मैंने यहां कुछ अविश्वसनीय पल बिताए हैं। इस जगह पर कई सपने पूरे हुए हैं। और आपके समर्थन के बिना हम 2011 (क्रिकेट विश्व कप) में इस मैदान पर वे सुनहरे पल कभी नहीं देख पाते। उन्होंने कहा कि और आज, इन तीनों का यहां होना वास्तव में मुंबई, मुंबईवासियों और भारत के लिए सुनहरा पल है।

बॉलीवुड हस्तियां भी हुईं शामिल

कार्यक्रम में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, बॉलीवुड सितारे जैसे अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और अन्य गरवारे पवेलियन पर साइट-स्क्रीन के ठीक सामने बैठे। फिर मेसी, सुआरेज और डि पॉल मैदान में उतरे। उन्होंने सबसे पहले प्रदर्शनी मैच खेलने वाली टीम के सदस्यों के साथ बातचीत की। फिर स्टैंड और पवेलियन में मौजूद भीड़ को मंत्रमुग्ध करने के लिए आगे बढ़े जिनके नाम भारतीय क्रिकेट दिग्गज सुनील गावस्कर, तेंदुलकर, दिलीप वेंगसरकर और विजय मर्चेंट के नाम पर रखे हुए हैं।

आज पीएम से मिलेंगे

मेसी सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर जाने के बाद एक सांसद के आवास पर भारत के मुख्य न्यायाधीश और सेना प्रमुख से मुलाकात करेंगे। जीओएटी भारत दौरे के अंतिम दिन मेसी फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के दो सदस्यों से भी मिलेंगे। मेसी सुबह 10:45 बजे दिल्ली पहुंचेंगे और शहर के एक होटल में 50 मिनट के मीट एंड ग्रीट में शामिल होंगे।

जायसवाल का शतक, मुंबई की सुपर लीग में पहली जीत

अम्बी (पुणे), जेएनएन। टी-20 टीम में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा अनदेखी के बाद यशस्वी जायसवाल ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग बी मैच में 48 गेंद में शतक जड़कर गत चैंपियन मुंबई की हरियाणा पर चार विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। सुपर लीग के अपने पहले मैच में हैदराबाद के खिलाफ एकतरफा हार के बाद जायसवाल (50 गेंद में 101 रन) और सरफराज खान (24 गेंद में 64 रन) की पारियों से मुंबई ने हरियाणा के 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17.3 ओवर में छह विकेट पर 238 रन बनाकर जीत दर्ज की। यह सुपर लीग में मुंबई की पहली जीत है। जायसवाल और सरफराज ने सिर्फ 6.1 ओवर में 88 रन जोड़कर मुंबई की फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीद जीवंत रखी। हरियाणा के कप्तान अंकित कुमार (42 गेंद में 89 रन) और प्रतिभावान ऑलराउंडर निशांत सिंधू (38 गेंद में 63 रन) ने सिर्फ 8.1 ओवर में 110 रन जोड़कर टीम को 20 ओवर में तीन विकेट पर 234 रन तक पहुंचाया। मुंबई के लिए अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने 10 गेंद में 21 रन बनाए। वहीं हैदराबाद ने राजस्थान को छह विकेट से हराकर सुपर लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। महिपाल लोमरोर की 35 गेंदों में 48 रनों की पारी की बदौलत राजस्थान ने नौ विकेट पर 178 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बाएं हाथ के बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल ने (73) और राहुल बुद्धि ने (55) अर्धशतक जड़े। दोनों की 95 रन की साझेदारी से हैदराबाद ने 17.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद सिराज ने 23 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि चामा मिलिंद और तन्मय त्यागराजन ने तीन-तीन विकेट लिए।

स्क्वाश विश्व कप का खिताब जीतने वाला पहला एशियाई देश बना भारत

चेन्नई, जेएनएन। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था। यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है, क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

ला लीगा : राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना की लगातार 7वीं जीत

बार्सीलोना, जेएनएन। राफिन्हा के दो गोल से बार्सीलोना ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में ओसासुना को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। ब्राजील के फारवर्ड राफिन्हा ने 70वें मिनट में बार्सीलोना को बढ़त दिलाई और फिर 84वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। लीग में लगातार सातवीं जीत के साथ गत चैंपियन बार्सीलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रीयाल मैड्रिड पर सात अंक की बढ़त बना ली है। मैड्रिड ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले आठ मैच में सिर्फ दो में जीत दर्ज की है, जिससे टीम दबाव में है। एटलेटिको मैड्रिड ने वेलेन्सिया को 2-1 से हराया। चौथे स्थान पर मौजूद एटलेटिको बार्सीलोना से नौ अंक पीछे है। वहीं एस्पेनयोल ने गेटाफे को 1-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की, जबकि मालोर्का ने एल्शे को 3-1 से शिकस्त दी।

सिटी स्पोर्ट्स

टी-20: जबलपुर व इंदौर फाइनल में

भोपाल, खेप्र। इंदौर और जबलपुर ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर राधारमण स्टेट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। राधारमण खेल मैदान पर पहले सेमीफाइनल में ग्वालियर 14.5 ओवर में 73 रन पर सिमट गई। श्याम गुर्जर ने 24 और निखिल ने 16 रन बनाए। इंदौर के कप्तान दीपेंद्र ने 3 विकेट झटके। जवाब में इंदौर ने 12.2 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। प्लेयर ऑफ द मैच दीपेंद्र रहे। दूसरे सेमीफाइनल में भोपाल की टीम 16 ओवर में 93 रन पर ऑलआउट हो गई। फैजान कादिर ने 25 और कप्तान मनन शर्मा ने 24 रन बनाए। जबलपुर के आयुष तिवारी और संयम गीते ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में जबलपुर ने तीन विकेट खोकर 11.3 ओवर में तीन विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया।

सक्षम त्यागी के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीता सीहोर

भोपाल, खेप्र। सीहोर ने बीडीसीए अंडर-18 बॉयज इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट दो दिवसीय मैच में राजगढ़ को पहली पारी के आधार पर शिकस्त दी। कनारा मैदान पर राजगढ़ 21.4 ओवर में 57 रन पर ढेर हो गई। विनायक शर्मा ने सर्वाधिक 20 रन बनाए। सीहोर के नवनीत सोनी और दीपेश सेन ने 3-3 विकेट लिए। सक्षम त्यागी ने 2 विकेट लिए। जवाब में सीहोर ने 86.3 ओवर में 298 रन का बड़ा स्कोर बनाया। सक्षम ने 118 रन की शतकीय और

दीपेश सेन ने 72 रन की अर्धतशकीय पारी खेली। राजगढ़ के विनायक पाटीदार और रामपाल सोलंकी ने 5-5 विकेट लिए। राजगढ़ ने दूसरी पारी खेलते हुए दिन का खेल खत्म होने तक 49 ओवर में 5 विकेट पर 151 रन बना लिए थे। पारस पोरेल नाबाद 55 और प्रखर मंडलोई नाबाद 29 रन बनाकर लौटे। सीहोर के देवेंद्र ठाकुर ने 3 और नवनीत सोनी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच सक्षम त्यागी को शानदार दोहरे प्रदर्शन के लिए दिया गया।

पीयूष के अर्धशतक से अकीरा मजबूत

भोपाल, खेप्र। अकीरा क्रिकेट अकादमी ने स्व. जीएस पठानिया सर अंडर-18 बॉयज इंटर क्लब/अकादमी (दो दिवसीय) क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। बाबेअली मैदान पर अकीरा अकादमी पहले खेलते हुए 52.4 ओवर में 167 रन पर सिमट गई पीयूष तोमर ने 52 और रजत सिंह ने 38 रन बनाए। शिवाय अकादमी के धैर्य ने 5 विकेट झटके। समर्थ और हर्ष चौहान को 2-2 सफलता मिली। जवाब में शिवाय अकादमी पहले दिन का खेल खत्म होने तक 35 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन बना लिए। स्टंप तक कार्तिक मेवाड़ा 24 और हर्ष चौहान 14 रन बनाकर नाबाद रहे।

श्रीकौशल दास और पारुल यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्रतियोगिता के शीर्ष चार में

भोपाल, खेप्र। पुल-सी से श्रीकौशल दास विश्वविद्यालय और पुल डी से पारुल यूनिवर्सिटी ने वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता में शीर्ष चार स्थान पक्का किया। इससे पूर्व लोक जागृति यूनिवर्सिटी एवं मणिपाल यूनिवर्सिटी टॉप-4 में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी हैं। एलएनसीटी विश्वविद्यालय में खेले जा रहे मुकाबले में पूल-सी के क्वार्टर फाइनल में श्रीकौशल दास विश्वविद्यालय ने महर्षि दयानंद सरस्वती विवि (अजेमर) को 3-0 से हराकर अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में महर्षि दयानंद सरस्वती विवि ने कर्मवीर यूनिवर्सिटी (सतारा) को हराया था। पूल-डी के क्वार्टर फाइनल में पारुल यूनिवर्सिटी ने भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे को 3-0 से हराकर शीर्ष चार में स्थान पक्का किया। इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनलमें पारुल यूनिवर्सिटी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, सीकर को हराया था।

संक्षिप्त समाचार

इजरायलः हमास के नंबर दो चीफ राएद को मारा

गाजा, जेएनएन। गाजा सिटी में इजराइली हमले में हमास के सेकेंड-इन-कमांड राएद सईद की मौत हो गई है। इजराइली सेना ने शनिवार को यह दावा किया कि उसने गाजा सिटी में एक कार को निशाना बनाकर यह हमला किया। हालांकि, हमास ने अब तक राएद सईद की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। राएद, हमास अल-कासिम ब्रिगेड का प्रमुख कमांडर था। अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि सईद हमास के हथियार बनाने वाले नेटवर्क का प्रमुख था और अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों की साजिश बनाने वालों में भी शामिल था।

बाल-बाल बचे विज, काफिले में घुसी कार ने मारी टक्कर

अंबाला, जेएनएन। हरियाणा के परिवहन और बिजली मंत्री अनिल विज रविवार को बाल-बाल बच गए। एक वाहन ने उनके सुरक्षा काफिले के बीच घुसकर सीधे उसकी कार को जोरदार टक्कर मारी। यह हादसा पड़ाव क्षेत्र में हुआ है। मंत्री अनिल विज के आगे और पीछे सुरक्षा वाहनों का काफिला चल रहा था, लेकिन एक काले रंग की गाड़ी ने सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए सीधे मंत्री की कार को निशाना बनाया। गनीमत रही कि मंत्री अनिल विज को कोई चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

द. अफ्रीका में मंदिर ढहा, चार की मौत

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन चार मंजिला हिंदू मंदिर ढह गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय मूल का व्यक्ति भी शामिल है। यह मंदिर शहर के उत्तर में एक पहाड़ी पर बना है। हादसे के वक्त साइट पर निर्माण मजदूरों के साथ मंदिर से जुड़े लोग भी मौजूद थे। शुरुआत में प्रशासन ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की थी, लेकिन मलबे से दो और शव निकाले जाने के बाद मृतकों की संख्या चार हो गई। मृतकों में 52 वर्षीय विकी जयराज पांडे भी शामिल हैं। वे मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य थे और निर्माण परियोजना के प्रबंधक के रूप में काम कर रहे थे।

सबसे बड़ी प्रो-डेमोक्रेसी पार्टी को खत्म करने की वोटिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। हांगकांग की सबसे बड़ी प्रो-डेमोक्रेसी पार्टी ने 30 साल से ज्यादा एक्टिविज्म के बाद रविवार को खत्म करने के लिए वोट किया, जिससे चीनी सेमी-ऑटोनॉमस शहर के कभी अलग-अलग तरह के राजनीतिक माहौल के एक दौर का अंत हो गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के चेयरपर्सन लो किन-हेई ने कहा, 97 फीसदी सदस्यों के वोट इसके खत्म होने के समर्थन में थे और यह इसके सदस्यों के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा, फिर भी जैसे-जैसे समय बदला है, हमें अब, बहुत अफसोस के साथ, इस चैप्टर को खत्म करना होगा। लो ने पहले कहा था कि मौजूदा राजनीतिक हालात, सामाजिक माहौल के आधार पर पार्टी को खत्म करने का फैसला किया गया था, लेकिन पार्टी के पुराने नेताओं ने बताया कि अगर पार्टी बंद नहीं हुई तो कुछ सदस्यों को नतीजे भुगतने की चेतावनी दी गई थी। इसका खत्म होना 1997 में चीन के शासन में लौटने पर पूर्व ब्रिटिश कॉलोनी को दिए गए वादे के मुताबिक कम होती आजादी को दिखाता है।

अमेरिका में परीक्षा के दौरान यूनिवर्सिटी में अंधाधुंध फायरिंग

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक नकाबपोश ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी जिसमें कम से कम दो छात्रों की मौत हो गई। दोनों छात्र फाइनल परीक्षा देने के लिए आए थे। इस हमले में 8 छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को अभी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा आसपास के इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया है। डिप्टी चीफ ऑफ पुलिस टिमोथी ओ हारा के मुताबिक हमलावर काले कपड़े पहनकर इंजीनियरिंग बिल्डिंग में घुसा था। उसके हाथ में बंदूक थी। उसने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हॉस्टल में अपने प्रोजेक्ट पर काम कर रहे एक छात्र ने कहा, जब मैंने गोलियों की आवाज सुनी तो मैं कांप गया।

हम पीड़ितों के लिए प्रार्थना करते हैं : ट्रंप

हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फिलहाल हम पीड़ितों को लिए प्रार्थना कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई फायरिंग की जानकारी मुझे मिली। एफबीआई मौके पर पहुंच गई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, यह बहुत ही खतरनाक हमला था। हम सभी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। एफबीआई संदिग्ध को पकड़ने के सारे प्रयास कर रही है। बता दें कि अमेरिका में इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं।

नितिन नबीन को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया

युवा को कमानः भाजपा में पैटर्न बदल रहा या कुछ और वजह

नई दिल्ली, जेएनएन। भाजपा ने फिर से सबको चौंकाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में 45 साल के युवा के हाथों पार्टी की कमान संभालने का फैसला ले लिया। पांच बार विधायक और तीन बार मंत्री रहे बिहार के नितिन नवीन को तत्काल प्रभाव से पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसे सामान्य पदस्थापन नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर भरोसे, संगठनात्मक परिवर्तन और आने वाले चुनावी दौर की रणनीति का संकेत है। माना जा रहा है कि नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव तक नितिन यह जिम्मेदारी संभालेंगे। राजनीतिक हलकों में इसे बंगाल विधानसभा चुनाव तक की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। एक दिन पहले ही पार्टी ने उप्र में भी प्रदेश अध्यक्ष का फैसला लिया था। माना जा रहा था कि आने वाले खरमास के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कुछ दिन टल सकता है, लेकिन दूसरे ही दिन नितिन नवीन के नाम की घोषणा हो गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनाए जाने के बाद से ही नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश चल रही थी। नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल जून 2024 में समाप्त हो चुका था और तब से वे विस्तार पर कार्य कर रहे हैं। नबीन की नियुक्ति यह भी संकेत है कि पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दिशा पर ही चलेगी।

खासकर छत्तीसगढ़ में प्रभारी के रूप में उनके कामकाज में दोनों शीर्ष नेताओं को प्रभावित किया था। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नितिन नवीन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर नितिन को मेहनती, संगठित सोच वाला और बिहार में विधायक एवं मंत्री के रूप में प्रभावशाली सेवाएं देने वाला नेता बताया है। राजनाथ सिंह ने भी उन्हें बिहार की धरती से निकला कर्मठ और ऊर्जावान कार्यकर्ता बताते हुए उम्मीद जताई है कि वे पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सफल होंगे।

पार्टी में जेनरेशन नेक्स्ट को संदेश

नबीन की नियुक्ति यह संदेश है कि पार्टी में जेनरेशन नेक्स्ट का काल शुरू हो चुका है। दरअसल, तीसरी पंक्ति के कई नेता भी अध्यक्ष पद की दौड़ में थे। संघ और भाजपा के समन्वय की बात भी कही जा रही थी लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने नबीन को यह जिम्मेदारी दी। छत्तीसगढ़ में प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका को सराहा गया। वहां बूथ स्तर का प्रबंधन, संगठन विस्तार और चुनावी तालमेल पर उनके फोकस का नतीजा निर्णायक जीत के रूप में सामने आया। इसके बाद माना जाने लगा कि नितिन नवीन राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन खड़ा करने की क्षमता रखते हैं।

लगातार पांच बार जीत दर्ज की

नितिन नवीन का राजनीतिक सफर पूरी तरह भाजपा के भीतर ही विकसित हुआ है। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा पार्टी के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते थे। पिता के निधन के बाद उन्होंने पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट से राजनीति की कमान संभाली और वर्ष 2006 से लगातार पांच बार वहां से जीत दर्ज की। बिहार में पथ निर्माण मंत्री के रूप में उन्होंने सक्रिय, कामकाजी और परिणाम देने वाले मंत्री की छवि बनाई है। संगठन में भी नितिन को अनुशासित संगठनकर्ता, मजबूत रणनीतिकार और जमीनी स्तर से जुड़े नेता के रूप में जाना जाता है। उन्होंने राजनीति की शुरुआत भाजपा युवा मोर्चा से की, जहां राष्ट्रीय महामंत्री से लेकर बिहार प्रदेश अध्यक्ष तक की जिम्मेदारियां निभाईं। यही संगठनात्मक अनुभव आगे चलकर उन्हें राज्य प्रभारी और फिर राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारियों तक ले गया।

सामाजिक समीकरणों के लिहाज से भी चर्चा में नियुक्ति

नितिन नवीन कायस्थ समाज से आते हैं। बिहार में इस समाज की आबादी भले ही एक प्रतिशत से कम हो, लेकिन यह भाजपा का पारंपरिक और भरोसेमंद मतदाता वर्ग रहा है। यशवंत सिन्हा के बाद इस समाज के किसी नेता को इतने ऊंचे संगठनात्मक पद पर जिम्मेदारी मिलना भी राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में आउटडोर गेम्स पर रोक, एक्यूआई 497 पर पहुंचा

डॉक्टर बोले-बाहर कम निकलें, हल्के मास्क पहनें

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली-एनसीआर में हवा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। एक्यूआई 497 पहुंचने के बाद और सख्ती लागू कर दी गई है। कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने सभी राज्य सरकारों को आदेश दिया है कि सभी स्कूलों और संस्थानों में बाहर होने वाली खेल गतिविधियों को तुरंत रोका जाए। आयोग ने चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियां जारी रखना बच्चों के लिए 'गंभीर स्वास्थ्य खतरा' साबित हो सकता है। डॉक्टर भी लगातार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अतुल माथुर ने कहा कि लोगों को बाहर कम निकलना चाहिए और हल्के मास्क पहनने चाहिए। आयोग ने कल ग्रैप के सबसे सख्त स्तर स्टेज-4 को लागू कर दिया है। इसके तहत दिल्ली-एनसीआर में सभी निर्माण और तोड़फोड़ (कंस्ट्रक्शन-डिमोलिशन) कार्यों पर रोक लगा दी गई है। केवल आवश्यक सेवाओं या जरूरी सामान ढोने वाले ट्रक ही दिल्ली में आ-जा सकेंगे। डॉक्टर बोले-प्रदूषण से धमनियों में सूजन, वायरस का खतरा ज्यादा डॉ. अतुल माथुर के मुताबिक, प्रदूषण में दो हिस्से होते हैं—एक जहरीली गैसें जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, और दूसरा है पार्टिक्युलेट मैटर यानी हवा में घुले छोटे-छोटे धूल के कण।

उन्होंने बताया कि ये कण शरीर में जाकर धमनियों में सूजन पैदा करते हैं, जिससे हृदय और श्वसन से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि यह वह मौसम है जब वायरस भी ज्यादा सक्रिय रहते हैं, ऐसे में यह प्रदूषण और खतरनाक हो जाता है।

4 राज्यों में सख्ती

सीएक्यूएम ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि कुछ स्कूल अभी भी बाहर खेलकूद कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के 19 नवंबर के आदेश का उल्लंघन है। आयोग ने सभी स्कूलों, कॉलेजों, खेल संस्थानों और स्थानीय निकायों को ऐसे सभी खेल कार्यक्रम तुरंत रद्द करने और अभिभावकों को जोखिम के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया है।

सुको के निर्देशों का असर : कुत्तों के काटने की घटनाओं पर सरकार सख्त

निकायों को हर महीने देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में कुत्ता काटने की बढ़ती घटनाओं और सार्वजनिक स्थानों पर आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद अब नगर निगमों के साथ-साथ पंचायत निकायों को भी सीधे जवाबदेह बना दिया गया है। पहली बार यह व्यवस्था की गई है कि सभी जिले को हर महीने रिपोर्ट देनी होगी कि कहां-कहां से कितनी संख्या में आवारा कुत्तों को हटाया गया और इस काम में कितने कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

देशभर से हर साल आते हैं हजारों मामले

राष्ट्रीय पशु कल्याण बोर्ड ने नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी कर कुत्ता-काटने की घटनाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट माना है। देशभर के अस्पतालों में हर साल हजारों ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें बच्चों और बुजुर्गों के गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं शामिल हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पशु कल्याण और मानव जीवन दोनों को बराबर महत्व दिया जाएगा, लेकिन किसी संकट की स्थिति में प्राथमिकता मनुष्य की सुरक्षा होगी। नई व्यवस्था में नगर निगमों एवं पंचायत निकायों को जवाबदेह इकाई घोषित करते हुए लापरवाही की जिम्मेदारी भी तय कर दी है।

आतंक प्रभावित 40 लोगों को 5-5 लाख मुआवजा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने ने एक अहम फैसले में असम सरकार को निर्देश दिया है कि वह आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के तहत नियुक्त किए गए 40 लोगों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दे। इन सभी की नियुक्तियां बाद में रद्द कर दी गई थीं। कोर्ट ने कहा है कि यह राशि दो महीने के भीतर दी जाए और इसकी अनुपालन रिपोर्ट अदालत की रजिस्ट्री में दाखिल की जाए। यह फैसला न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय विश्नोई की पीठ ने सुनाया। अदालत ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के उस आदेश में संशोधन किया, जिसमें नियुक्तियां रद्द किए जाने को गलत ठहराते हुए पुनर्बहाली (री-इंस्टेटमेंट) का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्बहाली के बजाय राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित एकमुश्त मुआवजे को स्वीकार कर लिया।

लश्कर कमांडर रउफ की गीदड़भभकी-बोला-दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे

पाकिस्तान ने भारत को सबक सिखाया, 50 साल तक हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा

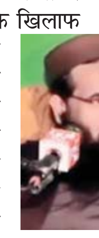

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया है। उसने कहा कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे। यह वीडियो नवंबर का है, लेकिन अभी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रऊफ ने कहा, मक्की साहब कहते थे, हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा। गजवा-ए-हिंद होकर रहेगा। हम एक दिन ये निजाम बदल देंगे और इस मुल्क में शरिया की हुकूमत लेकर आएंगे। हम जीती हुई कौम हैं। रऊफ ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं करेगी और पाकिस्तान इस्लामी देशों में इकलौती परमाणु शक्ति है। रऊफ ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अगले 50 साल तक पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा। वीडियो में रऊफ ने जिस मक्की का नाम लिया है, वह मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का साला है। पिछले साल दिसंबर में दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। रऊफ, लश्कर सरगना हाफिज सईद का करीबी सहयोगी है। अब्दुल रऊफ पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। अब्दुल रऊफ 1999 से लश्कर-ए-तैयबा का मेंबर है और फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन का प्रमुख है।

रऊफ बोला-कश्मीर की लड़ाई खत्म नहीं हुई

वीडियो में रऊफ ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के कम होने की बातों को खारिज करते हुए कहा, कश्मीर की लड़ाई खत्म नहीं हुई है। जो लोग इसके उलट सोचते हैं, वे गलत हैं। रऊफ ने लश्कर चीफ हाफिज सईद के साले अब्दुल रहमान मक्की का हवाला देते हुए कहा, मकसद दिल्ली पर हुकूमत करना है। रऊफ ने भारत की सैन्य ताकत को कमजोर बताते हुए कहा कि उनके राफेल लड़ाकू विमान, एस-400 मिसाइल सिस्टम और ड्रोन कुछ नहीं कर सकते।

अजीबोगरीब पाकिस्तान में हो रहे अजीब निकाह, शादी करके दूल्हे को छोड़ जाती हैं लड़कियां

पाक में एंजॉय करने फेक वेडिंग का नया ट्रेंड

इस्लामाबाद, जेएनएन। आप पहली नजर में देखेंगे, तो शादी का मंच बिल्कुल सामान्य लगता है। गेंदा के फूलों से सजा हुआ, चमकीले पीले रंगों में डूबा हुआ मानो कोई पारंपरिक पाकिस्तानी मेहंदी चल रही हो। दूल्हा-दुल्हन के लिए खास जगह बनी रहती है, ढोल की थाप और हंसी-ठहाकों का माहौल सब कुछ वैसा ही पाकिस्तान की तीन दिन चलने वाली शादी की रस्मों में होता है। दिलचस्प ये है कि ये रिवाज बिल्कुल असली लगते हैं लेकिन शादी नकली होती है। इस बात का अंदाजा तब होता है, जब एक चौंकाने वाली सच्चाई सामने आती है कि यहां दूल्हा कोई पुरुष नहीं, बल्कि एक महिला है। ये मत समझिएगा कि ये शादी कोई समलैंगिक विवाह होती हैं, दरअसल ये फेक वेडिंग यानि फर्जी शादी है। जहां पार्टी- गहने-जेवर घराती, बराती, सब होते हैं लेकिन दूल्हा-दुल्हन बनने वाले एक-दूसरे के साथ जीने-मरने की कसमें नहीं खाते सिर्फ अपनी ही शादी की पार्टी एंजॉय करते हैं।

शादी एंजॉय करना है निभाना नहीं

पाकिस्तान में यह अजीबोगरीब ट्रेंड साल 2023 से तेजी से उभरा। इन फर्जी शादियों में असली शादी जैसा हर रंग होता है- कपड़े, संगीत, रस्में और सजावट लेकिन रिश्ता नकली होता है। युवाओं के लिए यह एक स्टेज सजाया जाता है, जहां वे खुलकर नाच-गा सकते हैं और पल भर के लिए ही सही, शादी के जश्न का मजा ले सकते हैं। इस ट्रेंड को सबसे ज्यादा पहचान तब मिली, जब 2023 में लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में आयोजित एक फर्जी शादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद से ये ट्रेंड सुर्खियों में आया। शादी में सब होता है बस रिश्ता नहीं।

जश्न के बाद उठा बवाल

जहां एक तरफ युवाओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने इसे खुलकर अपनाया, वहीं दूसरी ओर आलोचनाओं की बाढ़ आ गई। ऐसी ही फेक वेडिंग में शामिल हुई एक छात्रा बताती है कि कि वो बिना पूछे वायरल हो गई। हमारे परिवारों को जवाब देना पड़ा। दूल्हे के घर में शांति थी, लेकिन दुल्हन के घर में तूफान मच गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी वजह से यूनिवर्सिटी की भी बदनामी हुई क्योंकि बहुत से लोगों ने इसे समलैंगिक वेडिंग समझ लिया। छात्रों की सुरक्षा के लिए भी कदम उठाने पड़े। ऐसी पहली शादी को भले ही आलोचना का सामना करना पड़ा हो, लेकिन अब ये फेक वेडिंग एक ट्रेंड बन चुका है। पाकिस्तान की ये फर्जी शादियां अब सिर्फ पार्टियां नहीं रहीं वे समाज, परंपरा और आजादी के बीच टकराव की एक नई कहानी बन चुकी हैं। दरअसल शादी की थकावट और रिश्तेदारों के दबाव से लोग अपने ही फंक्शन का आनंद नहीं उठा पाते थे। ऐसे में इस तरह के ट्रेंड उन्हें वेडिंग एंजॉय करने देते हैं और अब तो कई कंपनियां भी हैं, जो इस तरह के फंक्शन आयोजित करा रहे हैं।

एकतरफा हमले में धारा 300 का अपवाद-4 लागू नहीं होगा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 300 के अपवाद-4 का लाभ तब नहीं दिया जा सकता, जब हत्या एकतरफा हमले में हुई हो और मृतक की ओर से कोई झगड़ा, उकसावा या पारस्परिक वार न हुआ हो। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में अपराध को 'गैर-इरादतन हत्या' मानकर सजा कम करने का आधार नहीं बनता। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उस मामले में की, जिसमें आरोपी ने निहत्थे व्यक्ति पर चाकू से वार किया था और बाद में सजा कम कराने के लिए धारा 300 के अपवादों का सहारा लिया। आरोपी का तर्क था कि मामला हत्या नहीं बल्कि धारा 304 के तहत कम गंभीर अपराध माना जाना चाहिए।

अपवाद-4 की सीमा

धारा 300 का अपवाद-4 तभी लागू होता है, जब घटना अचानक झगड़े में, उकसावे के बिना, आवेग में और दोनों पक्षों के बीच परस्पर संघर्ष की स्थिति में घटित हो। यदि मृतक की ओर से कोई आक्रामकता या वार ही नहीं हुआ और आरोपी ने अकेले हिंसा का सहारा लिया, तो इसका लाभ नहीं दिया जा सकता।

सर्दियों में मुंह ढंककर सोने से खतरा

हेल्थ-वॉच

सर्दियों में ठंड से बचने और गर्माहट बनाए रखने कई लोग सोते समय रजाई और कंबल से पूरा चेहरा ढक लेते हैं। यह आदत भले ही आरामदायक लगे, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक यह नींद और सांस दोनों के लिए नुकसानदेह है। बेंगलुरू के स्पर्श हॉस्पिटल में पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शिवराज अज्जी करियप्पाला लक्ष्मण के मुताबिक, चेहरा ढककर सोने से ऑक्सीजन का स्तर 15 से 20 फीसदी तक घट जाता है और फेफड़ों को ऑक्सीजन ग्रहण करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी लगती है। इसका असर नींद की क्वालिटी पर पड़ता है, जिससे नींद बार-बार टूटती है। लंबे समय तक ऐसा करने से सुबह भारीपन, थकान, सिरदर्द और सांस संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sq.cm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 700/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

हर चौथा पुलिसकर्मी बीपी-शुगर से पीड़ित

जागरण, खंडवा। पुलिस लाइन ग्राउंड में रविवार को मेगा हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया गया। जिसमें पुलिस जवानों और उनके परिवार जनों ने जांचें कराई। इस दौरान जिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज से कई विशेषज्ञ मौजूद थे। दोपहर 3 बजे तक करीब 200 पुलिसकर्मियों ने जांच कराई। इन आंकड़ों में सामने आया कि 49 लोग ऐसे हैं, जिनका ब्लड प्रेशर ज्यादा रहा तो वहीं कुछ शुगर की चपेट आ चुके हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और फिल्म अभिनेता ने किए महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और फिल्म अभिनेता राज अर्जुन ने अपने परिवार के साथ दर्शन किए। ये सभी वीआईपी दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचे थे। संध्या आरती के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने परिवार के साथ भगवान महाकाल का नंदी हॉल से आशीर्वाद लिया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

विवेक रंजन अग्निहोत्री
फिल्म निर्माता-निर्देशक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, यह कोई नया या अलग विवाद नहीं है। मिक्स्ड रिव्यूज, नकारात्मक शब्द जैसे 'खतरनाक', 'इंफ्लेमेटरी' और 'इरादों पर हमले' पहले भी हुए हैं। यह एक 'आफ्टरशॉक' है, यानी भूकंप के बाद का झटका। वही पुरानी घबराहट और प्रतिक्रियाएं दोहराई जा रही हैं, जो पहले 2016 में आई मेरी फिल्म 'बुद्धा इन ए ट्रैफिक जैम' को लेकर भी हुई थीं। इसकी वजह यह है कि कुछ एलीट क्लास, जिन्हें 'नैरेटिव जमींदार' कहा जा सकता है, कहानी पर अपना लंबे समय का नियंत्रण खिसकता देख रही हैं। ये 'जमींदार' तय करते हैं कि कौन सी कहानी स्वीकार्य है और कौन सा नजरिया सुरक्षित।

कॉलेज-विवि के हॉस्टलों में व्यवस्थाएं चौपट, विद्यार्थी परेशान

खाना, पानी, सफाई के बुरे हाल, सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सीहोर जिले के आष्टा स्थित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) में गंदा पानी और खराब खाना देने से मचे हंगामे ने भोपाल के कॉलेज, संस्थान और विश्वविद्यालयों के हॉस्टलों की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसमें बरकतउल्ला विवि, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और एमवीएम शामिल हैं। हॉस्टल की चौपट व्यवस्था से भोपाल के एजुकेशन हब बने की हबा निकल रही है। हॉस्टलों में खाना, पानी, सफाई का काफी बुरा हाल बना हुआ है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यहां तक सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

बीयू में पंखे तक उतार ले गए विद्यार्थी

भोपाल के आधा दर्जन संस्थान और विवि में सबसे ज्यादा खराब स्थिति में बरकतउल्ला विवि के छात्रावास हैं। विद्यार्थी बुनियादी सुविधाओं वंचित होने के कारण बीमार हो रहे हैं। विद्यार्थियों का स्वास्थ्य खराब होने पर बीयू ने एम्बुलेंस खरीदी है। एंबुलेंस कहां है, यह किसी को नहीं पता। शिकायतों पर सिर्फ आश्वासन मिलता है, सुधार नहीं। बीयू के संजय गांधी, मुंशी प्रेमचंद और जवाहर नाम से तीन छात्रावास हैं, जिनकी क्षमता 100-100 छात्रों की है। जवाहर हॉस्टल की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं हैं। यहां करीब 70 छात्र रहते हैं। हॉस्टल में वॉटर कूलर और आरओ खराब पड़े हैं। विद्यार्थियों को प्रथम तल से भूतल तक आना होता है। हॉस्टल में छात्र मेस चलाते हैं। खाना तो ठीक बन जाता है, लेकिन उसे पकाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। मिक्सी आदि दूसरे हॉस्टल से मांगनी पड़ती है। जिस पतीले में रोटियां रखी जाती हैं, उसमें नीचे की कई रोटियां गल जाती हैं। कई बार विद्यार्थी अपनी जेब से बर्तन खरीदने को मजबूर होते हैं। सुरक्षा के अभाव में विद्यार्थी पंखे तक उतारकर ले गए हैं। इसका खुलासा तब हुआ जब स्टोर से दिए पंखे हास्टल में दिखाई नहीं दिए। शौचालयों की छतों का प्लाटर कमजोर हो चुका है। नालियां बंद हैं। खिड़कियों में कांच गायब हो चुके हैं। मुंशी प्रेमचंद्र हॉस्टल के वार्डन नारायण जामोद और संजय गांधी के छोटेलाल सिंह आरमो अपने-अपने हास्टल में झांकने तक नहीं जाते हैं। उन्हें कभी हास्टल में रहने वाले विद्यार्थियों ने देखा नहीं है।

आरजीपीवी: खुले चैंबर, अंधेरे में डूबा रहता है हॉस्टल परिसर

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के छात्रावास हादसों को न्यौता दे रहे हैं। पीने के पानी और गंदे शौचालय से परेशान हैं। महीनों से शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है। वॉटर कूलर की नियमित सफाई नहीं होती। यहां छिपकली और मेंढक तक मिल चुके हैं। प्रबंधन से शिकायत के बाद भी समस्या जस की तस है। गंदा पानी पीने से विद्यार्थियों को पेट की बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। हॉस्टल में सुरक्षा व्यवस्था हासिए पर है। आरजीपीवी से लगे अब्बास नगर से ड्रग्स की तस्करी होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। नारकोटिक्स टीम छात्रों से नशे की सामग्री भी पकड़ चुकी है। स्ट्रीट लाइट नहीं होने पूरा हॉस्टल परिसर में अंधेरे में डूबा रहता है।

मैनिट: 95 रुपये के खाने से विद्यार्थियों को फूड पॉइजनिंग

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 12 हॉस्टल में करीब साढ़े पांच हजार छात्र रह सकते हैं। कोऑपरेटिव मेस सिस्टम होने से विद्यार्थियों को कम कीमत पर भोजन मिल रहा है। हर छात्र पर प्रतिदिन भोजन के लिए सिर्फ 95 रुपए खर्च हो रहे हैं। उक्त राशि में नाश्ता, दोपहर का भोजन, नाश्ता और रात का भोजन मिल रहा है। दक्षिण भारत, केरल, तमिलनाडु, उत्तर भारत और पूर्वोत्तर- से आने वाले छात्रों की अलग-अलग खाने की पसंद भी मेस पर दबाव बढ़ाती है। 13 अप्रैल को बीई प्रथम वर्ष के करीब 40 छात्र अचानक बीमार हो गए थे। उन्हें फूड पॉइजनिंग मानकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मौके पर पहुंचकर भोजन के सैंपल लिए थे।

ट्रिपलआईटी से हॉस्टल की दूरी बनी छात्रों की समस्या

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के पास अपनी बिल्डिंग नहीं है। ट्रिपलआईटी के 400 से अधिक छात्र पिपलानी स्थिति भेल के हॉस्टल में रहते हैं। विद्यार्थियों को करीब 15 किमी का सफर रोज तय करना होता है। इससे उनका समय और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं कुछ छात्र एनआईटीटीटीआर के हॉस्टल में रहते हैं। रोज आने जाने में 15 किमी का सफर करने से विद्यार्थियों की क्लास के बाद प्रोजेक्ट और सेल्फ-स्टडी के लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा है। मप्र शासन ने ट्रिपलआईटी के लिए रातीबड़ में 65 एकड़ जमीन आवंटित कर दी है। दो साल में यहां अत्याधुनिक कैंपस, अकादमिक भवन और हॉस्टल तैयार होंगे।

एमवीएम: शौचालय में गेट नहीं, बर्तन धोने का नहीं दिया स्थान

मोतीलाल विज्ञान कालेज (एमवीएम) का गोखले छात्रावास को तैयार करने के लिए प्राचार्य गीता मोदी ने छह माह पहले 35 लाख रुपये का बजट मांगा था, ताकि हास्टल की मरम्मत कर उसे विद्यार्थियों की मौलिक सुविधाएं मिल सकें। 100 सीट का हॉस्टल जर्जरता की कहानी सुना रहा है। यहां सुविधाओं और अव्यवस्था का अंबार लगा है। नहाने के लिए उचित शौचालय तक नहीं है। डेढ़ दर्जन शौचालय होने के बाद महज दो ही उपयोग लायक हैं। सीवेज चैंबर टूटे हैं, जिससे गंदा पानी अक्सर ओवरफ्लो हो जाता है। छात्रों को खुले में नहाना पड़ रहा है। बर्तन धोने की व्यवस्था नहीं है। हास्टल में रीवा, सतना, सागर, ग्वालियर सहित कई जिलों से आए पचास से ज्यादा छात्र रह रहे हैं। हास्टल का प्लास्टर गिरने की संभावना बनी हुई है। सफर में निकल रहा समय।

संक्षिप्त खबरें

पाइप से भरा ट्रक खाई में गिरा, ड्राइवर की मौत

जागरण, अमरवाड़ा। प्रदेश में रफ्तार का कहर थम नहीं रहा है। तेज रफ्तार वाहनों के अनियंत्रित होने से रोज-रोज सड़क हादसे हो रहे हैं। ताजा मामला छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा के भूमका घाटी का है जहां अनियंत्रित एक ट्रक के खाई में गिरने से ड्राइवर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल घटना अलसुबह की है जहां ट्रक अमरवाड़ा से पाइप लेकर ग्राम विसापुर जा रहा था, तभी भूमका घाटी में अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक चालक विजय सूर्यवंशी निवासी सिहोरा की दबने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक अनियंत्रित होकर तेजी के साथ खाई में गिर गया, जिससे ट्रक के सामने का भाग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक के पाइप बिखर गए। हादसे की सूचना एसडीएम और पुलिस को दी। नायब तहसीलदार चंद्रकांत भूरिया और नगर निरीक्षक राजेंद्र धुर्वे दल के साथ पहुंचे और जेसीबी की मदद से ट्रक के मलबे और शव को बाहर निकाला।

रिहायशी इलाके में भालू ने गाडी से चराए चिप्स पैकेट

जागरण, शहडोल। जिले के रस्मोहनी गांव में लोग उस वक्त हैरान रह गए, जब देर रात खाने की तलाश में जंगल से निकलकर एक भालू रिहायशी इलाके में आ पहुंचा। भालू की नजर घर के बाहर खड़े एक वाहन में रखे चिप्स के पैकेट पर पड़ी और देखते ही देखते वह पैकेट लेकर मौके से फरार हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह इंसान और जंगल के बीच बढ़ते टकराव की एक चेतावनी भी है। पूरी घटना जैतपुर वन परिक्षेत्र के रस्मोहनी गांव की है, जहां भालू कौतूहल का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि खाने की तलाश में जंगल से निकलकर भालू रिहायशी इलाके में जा पहुंचा।

चंदिया वन परिक्षेत्र में करंट से बाघ टी-185 की मौत

जागरण, उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से जुड़े चंदिया वन परिक्षेत्र में नर बाघ की करंट लगने से मौत हो गई। मृत बाघ की पहचान टी-185 के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 8 वर्ष बताई जा रही है। शनिवार को चंदिया वन परिक्षेत्र के आरएफ-10 क्षेत्र में बाघ का शव मिला था। वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके के घेराबंदी की। रविवार को विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अधिकारियों की मौजूदगी में बाघ का पोस्टमॉर्टम किया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि बाघ की मौत करंट लगने से हुई है। इस घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है और इसे वन्यजीव अपराध मानते हुए जांच तेज कर दी गई है। वन विभाग ने शिकारियों की तलाश के लिए विशेष टीम का गठन किया है। डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया है, जो आसपास के जंगल और संभावित रास्तों पर सर्चिंग कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि अवैध शिकार के इरादे से जंगल में करंट फैलाया गया था, जिसकी चपेट में आकर बाघ की जान चली गई। बताया गया है कि बाघ टी-185 बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली और चंदिया वन परिक्षेत्र में नियमित रूप से विचरण करता था।

फीस मामले की सुनवाई में जबलपुर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, प्राइवेट स्कूलों को मिली राहत

जिला समिति को फीस तय करने का अधिकार नहीं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के निजी स्कूलों को जबलपुर हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगल पीठ ने जबलपुर में जिला स्तरीय समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा फीस नियमों के नाम पर जारी किए गए कई सख्त निर्देशों को अधिकार क्षेत्र से बाहर मानते हुए निरस्त कर दिया है। यह फैसला 2 दिसंबर को पारित किया गया, जिसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 का मकसद केवल फीस वृद्धि का विनियमन (रेगुलेशन) करना है, न कि स्कूलों के रोजमर्रा के

फैसलों में हस्तक्षेप करना। देश में कोर्ट ने लिखा कि जिला समिति को फीस तय करने का अधिकार नहीं है। वह केवल नियमों के अनुसार स्कूल द्वारा प्रस्तावित फीस वृद्धि की जांच कर सकती है।

जबलपुर जिला प्रशासन के ये आदेश निरस्त : जबलपुर के कई निजी स्कूलों ने 9 जुलाई 2024 को जिला समिति द्वारा जारी एक आदेश को कोर्ट में चुनौती दी थी। स्कूल प्रबंधन का तर्क था कि जबलपुर के जिला प्रशासन ने ऐसे निर्देश जारी किए थे जो फीस नियमन कानून के दायरे से बाहर थे। इनमें स्कूल यूनिफॉर्म का रंग तय करना, किताबों व स्टेशनरी खरीद की व्यवस्था में हस्तक्षेप करना, स्कूलों की चयन समिति की संरचना में दखल देना शामिल था। स्कूलों ने यह भी आरोप लगाया था कि निर्णय लेने से पहले पक्ष सुना नहीं गया। मामले की सुनवाई कर रही युगलपीठ ने माना कि जिला समिति द्वारा दिए गए कई निर्देश कानून के दायरे से बाहर थे इसलिए उन्हें निरस्त किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि स्थानीय प्रशासन का रवैया निजी स्कूलों के प्रति कठोर और विरोधी माहौल जैसा था, जिससे शिक्षा व्यवस्था में अनावशयक तनाव पैदा हुआ।

जनसुनवाई नियमों के खिलाफ

इस दौरान कोर्ट में बताया गया कि जिस तरह से जिला प्रशासन ने अभिभावकों, छात्र-छात्राओं, प्रबंधन, प्राचार्य और शिक्षकों को जन-सुनवाई के लिए खुले स्थान पर बुलाया, वह नियमों के खिलाफ था। कोर्ट ने स्वीकार किया कि इसके कारण स्कूल स्टाफ के सार्वजनिक रूप से अपमान जैसी स्थिति बनी जो अनुचित थी। सुनवाई के दौरान अभिभावक संघ ने भी याचिका लगाकर हस्तक्षेप की कोशिश की। कोर्ट ने उसे भी झटका देते हुए कहा कि हस्तक्षेप की अनुमति मांगने वाले संघ के पास न तो पंजीकरण प्रमाणपत्र है, न सदस्यों की सूची और न ही अध्यक्ष की वैधता सिद्ध करने वाले दस्तावेज। कोर्ट ने साफ किया कि केवल पंजीकृत और विधिवत अधिकृत संघ ही मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है।

फिलहाल अधूरी सुविधाओं के साथ दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल मेट्रो: यात्री कम होने पर शुरुआत में एक ही कोच को चलाए जाने पर विचार

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल में मेट्रो का संचालन शुरू होने में अब केवल 5 दिन ही शेष हैं, लेकिन लंबे इंतजार के बाद शुरू हो रही भोपाल मेट्रो शुरू में आधी अधूरी या बेसिक सुविधाओं के साथ ही चलाई जाएगी। बाद में जैसे मेट्रो प्रोजेक्ट का विस्तार होता जाएगा। डीपीआर में बताई गई सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। शुरुआत में शहरवासियों को केवल साइकिल डेक, पिक एंड ड्रॉप जैसी बेसिक सुविधा ही मिल सकती है। लेकिन मेट्रो की सुविधा का विस्तार करने के लिए शहर के अन्य परिवहन साधनों को भी मेट्रो के साथ जोड़ा जाना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मेट्रो का उपयोग कर सकें। मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के तहत एलिवेटेड मेट्रो, आईटीपी, फीडर-बे, पार्किंग, बस-बे जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जिन्हें अभी शुरुआती चरण में नहीं दिया जा रहा है। जबकि यही वे सुविधाएं हैं, जो यात्रियों को मेट्रो स्टेशन तक लाती हैं। यदि यही सुविधाएं नहीं मिलेंगी तो शहर के ज्यादातर यात्री मेट्रो की सुविधा का लाभ उठाने से वंचित रह जाएंगे। इन सभी सुविधाओं को मेट्रो प्रोजेक्ट के डीपीआर में शामिल किया गया था। हालांकि इस संबंध में मेट्रो के पदाधिकारियों का कहना है कि एम्स अस्पताल के पास पार्किंग की जगह उपलब्ध हो गई है। जबकि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन व एमपी नगर में पार्किंग के लिए विकल्प देखे जा रहे हैं। इन सभी सुविधाओं के अभाव में शुरुआत में केवल एक रैक के जरिए ही मेट्रो का संचालन शुरू किया जा सकता है। बाद में जैसे जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। रैक की संख्या बढ़ाई जाएगी।

एक रैक में यात्रा कर सकेंगे 750 यात्री

प्रोजेक्ट के शुरुआती चरण और यात्रियों की सीमित संख्या को देखते हुए शुरुआत में केवल एक ही रैक के साथ मेट्रो का संचालन शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। जैसे जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। बता दें कि तीन डिब्बों के एक रैक में एक बार में 750 यात्री सफर कर सकते हैं। यानी प्रत्येक डिब्बे में 250 से ज्यादा यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होती है। शुरुआत में एक बार में केवल 750 यात्री ही सफर कर सकेंगे, लेकिन जैसे जैसे प्रोजेक्ट व सुविधाओं में विस्तार होगा। रैक की संख्या बढ़ाई जाएगी।

फिलहाल यात्रियों को मिलेंगी यह सुविधाएं

मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के आठ स्टेशनों पर यात्रियों को शुरुआती दौर में अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें लिफ्ट, एस्केलेटर, सीढ़ी, एआई सीसीटीवी, कोच में स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम, ऑटोमैटिक टिकटिंग, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निर्धारित स्थान पर स्वचालित दरवाजे, कोच में आपातकालीन संपर्क और आपातकालीन द्वार, पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडरों के लिए विभिन्न शौचालय, जानकारी के लिए डिजिटइल साइन बोर्ड, साइनेज, आडियो अनाउंसमेंट, कस्टममेर केयर सेंटर, साइकिल डेक, ड्राप आफ और पिक पाइंट की सुविधा मिलेगी। बाद में प्रोजेक्ट के विस्तार के साथ कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए काम किया जाएगा।

इसी महीने सड़कों पर दौड़ेंगी 20 ई-बसें, सुधरेगा पब्लिक ट्रांसपोर्ट

सुलभ परिवहन के साथ पर्यावरण संरक्षण का प्रयास

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में जल्दी ही सुधार होने वाला है। जहां शासन द्वारा सुभाष नगर से एम्स स्टेशन तक भोपाल वासियों को मेट्रो की सुविधा दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर एक साथ 20 इलेक्ट्रिक बसों की सुविधा भी मिलने वाली है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत चलाई जाने वाली यह 20 इलेक्ट्रिक बसें दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले सप्ताह में भोपाल पहुंच सकती हैं। बता दें कि इस योजना के तहत भोपाल नगर निगम को 100 ई-बसें मिलना है। पहली खेप में 20 बसें भोपाल पहुंच रही हैं। हालांकि इन बसों को अगस्त तक भोपाल आ जाना था, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई अन्य सुविधाओं के न होने के चलते 5 महीने की देरी से भोपाल आ रही हैं। शहर में इलेक्ट्रिक बसें चलने से जहां लोगों को प्रदूषण से राहत मिलेगी। वहीं दूसरी ओर शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम भी मजबूत होगा। बता दें कि केंद्र की मंजूरी के बाद भोपाल नगर निगम ने भी ई-बस संचालन के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

संत हिरदाराम नगर और कस्तूरबा नगर में बनेंगे डिपो

नगर निगम द्वारा इन ई-बसों के रखरखाव व पार्किंग के लिए संत हिरदाराम नगर और कस्तूरबा नगर में डिपो बनाने का काम भी लगभग पूरा कर लिया गया है। इन दोनों स्थानों पर लगभग 150 से ज्यादा बसों की पार्किंग हो सकेगी। यहीं पर इन बसों को चार्ज करने के लिए भी चार्जर इंस्टॉल किए गए हैं। इन दोनों डिपो के निर्माण में करीब 40 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि खर्च की गई है। इन्हीं डिपों में बसों की सर्विसिंग और मरम्मत भी की जाएगी। साथ ही बसों के संचालन के पूर्व शहर में बने पुराने बस स्टॉप को रिनोवेट करने के साथ नए बस स्टॉप बनाने की भी तैयारियां की जा रही हैं।

"नए साल से शहर वासी ई-बसों में सफर कर सकेंगे। मार्च 2026 से इन बसों का नियमित संचालन शहर की सड़कों पर शुरू कर दिया जाएगा।

■ मनोज राठौर, निदेशक, भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल)

मजबूत पश्चिमी विक्षोभ होगा सक्रिय, कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बर्फबारी से बढ़ेगी सर्दी

शीत लहर से फौरी राहत, 20 के बाद पड़ेगी कड़ाके की ठंड

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में दो दिन से शीतलहर से राहत है। दिन का तापमान भी 27 डिग्री तक चढ़ रहा है। रात के पारे में भी कुछ वृद्धि हुई है। तापमान में इस बढ़ोतरी को ठंड से राहत के तौर पर देखा जा रहा है। लेकिन मौसम विभाग से मिली जानकारी यह राहत अस्थाई यानि कि फोरी है। क्योंकि हिमालयी क्षेत्र में एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है, जो 20 दिसंबर के बाद सक्रिय होगा। इस विक्षोभ से कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी होगी। बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में ठंडी हवाएं चलना शुरू हो जाएंगी, जिनका उत्तर भारत से होते हुए मध्य प्रदेश तक पहुंचेगी। आईएमडी दिल्ली द्वारा जारी संभावित मौसम बुलेटिन के अनुसार 20 दिसंबर के बाद मप्र सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। माना जा रहा है सीजन की सबसे तेज ठंड इसी अवधि में पड़ सकती है।

इंदौर में शीत लहर, नरसिंहपुर में कोल्ड डे

मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार रविवार को मप्र के सिर्फ इंदौर जिले में शीत लहर चली। बाकी जिलों में मौसम साफ रहा और ठंड में भी कमी आई। इसके अलावा नरसिंहपुर जिले में कोल्ड डे दर्ज किया गया, यहां दिन का तापमान सामान्य से कम रहा।

इन जिलों में ज्यादा सर्दी के आसार

ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। यहां बर्फीली हवाएं सीधे आएंगी। भोपाल संभाग के सीहोर-विदिशा में ठंड का जोर रहेगा। सागर संभाग के निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़-पन्ना, रीवा संभाग के मऊगंज, सीधी-सिंगरौली में तेज ठंड पड़ेगी। जबलपुर संभाग के मंडला-डिंडौरी, इंदौर संभाग के इंदौर, धार और झाबुआ में कड़ाके की ठंड रहेगी।

पचमढ़ी सबसे ठंडा, भोपाल में 7 डिग्री पारा

रविवार को प्रदेश में पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसके बाद शहडोल का कल्याणपुर 5.6, शाजापुर के गिरवर में 6.1 डिग्री पारा रहा। इंदौर में 6.4 और मंदसौर में 6.7 डिग्री पारा दर्ज किया गया। भोपाल की बात करें तो यहां न्यूनतम पारे में कुछ बढ़त हुई, जिसके बाद यह 7 डिग्री तक पहुंच गया।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में कोहरा

जैसे जैसे सर्दियों के दिन बढ़ रहे हैं वैसे वैसे मौसम भी बदल रहा है। अभी तक सिर्फ ठंडी हवाओं के चलते लोगों को ठंड महसूस हो रही थी। लेकिन अब कोहरे की शुरूआत हो चुकी है। सीजन का पहला घना कोहरा ग्वालियर, दतिया, मुरैना, भिंड व चंबल क्षेत्र में शुरू हो चुका है। रविवार सुबह यहां घना कोहरा रहा, जिससे विजिबिलिटी घटकर 500 मीटर तक रह गई थी। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धीरे धीरे मध्य भारत के जिलों में भी कोहरे शुरू होगा।

20-22 दिन चल सकती है कोल्ड वेव

मौसम एक्सपर्ट की मानें तो दिसंबर में प्रदेश के कई शहरों में कोल्ड वेव यानी सर्द हवाएं चलेंगी। जनवरी में यह 20 से 22 दिन तक चल सकती है।

एयर इंडिया की बैंगलुरु उड़ान शुरू पहले दिन 176 यात्रियों का आवागमन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। विगत दिनों इंडिगो में क्रू की समस्या को लेकर मची अफरा-तफरी के बाद सरकार ने अन्य एयरलाइंस कम्पनियों की उड़ानें प्रारंभ की हैं। ट्रायल के तौर भोपाल से बैंगलुरु के लिए 5 दिनों के लिए एयर इंडिया की उड़ान को अनुमति दी गई है। जब से एयर इंडिया टाटा में शामिल हुआ है, उसकी यह बैंगलुरु के लिए पहली उड़ान है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार पहले दिन अच्छा रिस्पांस मिला। एयर इंडिया की उड़ान एआई 3391 आज अपराह्न 2.27 बजे राजा भोज विमानतल भोपाल पर पहुंची, जिसमें 38 यात्री सवार थे। इसके पश्चात वापसी की उड़ान एआई 3392 ने 3.05 बजे भोपाल से प्रस्थान किया, जिसमें 138 यात्रियों ने यात्रा की। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए एयर इंडिया द्वारा 14 से 19 दिसम्बर तक विशेष उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। इन अतिरिक्त उड़ानों से भोपाल और प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगा तथा यात्रियों को यात्रा के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। राजा भोज विमानतल भोपाल एयरलाइंस के साथ समन्वय में यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जेवर व पुणे के लिए जल्द

दिल्ली, हैदराबाद एवं गोवा उड़ानों को रिस्पांस मिलने के बाद एयर इंडिया की बैंगलुरु के लिए शुरू की गई फ्लाइट के बाद जल्द ही एयर इंडिया एक्सप्रेस के अलावा अन्य एयरलाइंस जेवर व पुणे के लिए भोपाल से फ्लाइट शुरू करने पर विचार कर रही हैं। पुणे के लिए रात के तीसरे पहर एक उड़ान है, जबकि दिन में भी लंबे समय से एक अन्य फ्लाइट की मांग की जा रही है। एयर इंडिया दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद एवं बैंगलुरु के लिए उड़ानें शुरू कर सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।